हिन्दी सांध्य दैनिक

# प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 309, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 28 अप्रैल, 2022 दिन गुरुवार गाजीपुर/वाराणसी

## तमिलनाडु में उत्सव के दौरान बड़ा हादसा, बिजली के तार से टकराया मंदिर का रथ, 11 की गई जान

### पीएम मोदी ने घटना पर जताया दुःख, मृतकों के परिजनों को दी दो-दो लाख रुपए की आर्थिक सहायता

चेन्नई। तमिलनाडु के तंजावुर जिले में भगवान अयप्पा के उत्सव के आयोजन के दौरान मंदिर का रथ बिजली के तार से टकरा गया। जिसके बाद रथ में करंट दौड़ गया और 11 लोगों की मौत हो गई। हादसे में मरने वालों में दो बच्चे भी शामिल हैं। इस दौरान दस से अधिक लोग घायल हुए हैं। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से कई की हालत गंभीर है। यह हादसा उस समय हुआ जब मंदिर के रथ को श्रद्धालु खींच रहे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु के तंजावुर जिले में रथयात्रा के दौरान करंट लगने से 11 लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा तमिलनाडु के तंजावुर जिले में हुए हादसे से बेहद दुःखी हूं। दुःख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। मैं घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। उन्होंने हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिवार वालों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रुपये देने की घोषणा की है। जबकि, घायलों को 50-50 हजार रुपए दिए जाएंगे। पुलिस ने बताया कि भगवान

अय्यपा का उत्सव मनाने के लिए मंगलवार की रात बड़ी संख्या में जमा हुए थे।

तिरुचिरापल्ली मध्य क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक वी बालकृष्णन ने कहा इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। कार्यक्रम में शामिल श्रद्धालु मंदिर के रथ को खींच रहे थे, तभी रथ को घुमाते समय एक बिजली का तार उसमें फंस गया। इसके बाद करंट लगने से 2 बच्चों समेत 11 लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना में घायल हुए कई अन्य लोगों को पास के अस्पताल ले जाया गया जहां उनका इलाज चल रहा है। दरअसल इस इलाकों में भारी बारिश के चलते सड़कों पर गड्ढे में पानी भर गया था। इस वजह से करीब 50 लोग रथ से दूर खड़े थे। अगर वे भी रख खींच रहे होते तो इस घटना में और लोगों की जान जा सकती थी। घायलों को इलाज के लिए तंजौर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इनमें से कई की हालत गंभीर है। इस हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। भगवान अयप्पा का उत्सव तंजावुर जिले के कालीमेडु मंदिर में हर साल आयोजित किया जाता है। इस दौरान मध्य रात्रि 12 बजे से रथ को खींचना शुरू होता है, जो सुबह तक चलता है।

### भारत-चीन बॉर्डर पर पलक झपकते ही पहुंचेगी भारतीय सेना

नई दिल्ली। भारत-चीन बॉर्डर पर अब पलक झपकते ही भारतीय सेना पहुंच जाएगी। बॉर्डर रोड ऑर्गनाईजेशन (बीआरओ) ने उत्तराखंड में चीन सीमा पर सामरिक महत्व की 14 नई सड़क, दो सुरंग ओर पांच हैलीपैड निर्माण का खाका तैयार किया है। संगठन ने उत्त प्रस्ताव उत्तराखंड के राज्यपाल के सामने साझा किया है। बीआरओ अधिकारियों ने राज्यपाल के सामने उत्तराखंड में प्रस्तावित परियोजनाओं पर प्रस्तुतिकरण दिया। जिसमें नई सड़कें, सुरंग, हेलीपैड और मौजूदा हवाई पट्टियों का विस्तार शामिल है। इस पूरे प्रोजेक्ट पर कुल 13707 करोड़ रुपए का खर्च आने का अनुमान है। राज्यपाल सिंह ने कार्ययोजना की सराहना करते हुए कहा कि वो इस बारे में राज्य और केन्द्र सरकार से बात करेंगे।

### बीते 24 घंटे में कोरोना के 2927 मरीज मिले, 32 की मौत

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक बीते 24 घंटे के दौरान देश भर कोरोना के 2927 नए मरीज मिले हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक वायरस संक्रमण से इस दौरान 32 मरीजों की मौत हो गई। देश में एक्टिव केस की संख्या 16297 पर पहुंच गई है। राजधानी दिल्ली के आंकड़े लगातार डरा रहे हैं। यहां मंगलवार को कोरोना वायरस से संक्रमण के 1,204 नए मामले सामने आए वहीं एक व्यक्ति की मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार इस दौरान पॉजिटिविटी रेट 4.64 प्रतिशत रही। राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को 1,011 मामले सामने आए थे और एक व्यक्ति की मौत हुई थी जबकि पॉजिटिविटी रेट बढ़कर 6.42 प्रतिशत हो गई थी। स्वास्थ्य विभाग ने एक बुलेटिन में कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 18,77,091 और मृतकों की संख्या 26,169 है। सोमवार को यहां कुल 25,963 कोविड टेस्ट किए गए। दिल्ली में रविवार को 1,083 मामले सामने आए थे और पॉजिटिविटी रेट 4.48 प्रतिशत थी। शनिवार को यहां 1,094 मामले सामने आए थे जबकि शुक्रवार को 1,042 मामले दर्ज किए थे।

## पीएम बोलेः कोरोना व महंगाई पर टीम भावना के साथ काम करें सभी सीएम, राज्यों से तेल पर टैक्स घटाने की अपील

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को लेकर सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बैठक की। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा, बीते दो वर्षों में कोरोना को लेकर ये हमारी 24वीं मीटिंग है। कोरोना काल में जिस तरह केंद्र और राज्यों ने मिलकर काम किया, उसने कोरोना के खिलाफ देश की लड़ाई में अहम भूमिका निभाई है। ये स्पष्ट है कि कोरोना की चुनौती अभी पूरी तरह टली नहीं है। ओमिक्रोन और उसके सब वैरिएंट्स किस तरह गम्भीर परिस्थिति पैदा कर सकते हैं, ये यूरोप के देशों में हम देख सकते हैं। पीएम मोदी ने कहा, हमारे वैज्ञानिक और विशेषज्ञ नेशनल और ग्लोबल स्थिति की लगातार निगरानी कर रहे हैं। उनके सुझावों पर हमें सामूहिक दृष्टिकोण के साथ काम करना होगा। संक्रमण को शुरूआत में ही रोकना हमारी प्राथमिकता पहले भी थी, आज भी यही रहना चाहिए। पीएम मोदी ने कहा, हमारे देश में लंबे समय के बाद स्कूल खुले हैं, ऐसे में कोरोना केस के बढ़ने से कहीं न कहीं अभिभावकों की चिंता बढ़ रही है। बच्चों के संक्रमित होने की खबरें सामने आ रही है। लेकिन संतोष की बात है कि बच्चों को वैक्सीन का कवच मिल रहा है। कल ही छह से 12 साल तक के बच्चों के लिए कोरोना टीकाकरण की अनुमति मिल गई है। पहले की तरह स्कूल में विशेष अभियान चलाने की जरूरत होगी। प्रधानमंत्री ने कहा, दो साल के भीतर देश ने हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर ऑक्सीजन तक सुधार किया है। आज कोरोना की जो स्थिति है,

उसमें यह जरूरी है कि अस्पतालों में भर्ती मरीजों का आरटीपीसीआर टेस्ट जरूर किया जाए और पॉजिटिव आने वाले मरीजों के सैंपल जीनोम सिक्वेंसिंग के लिए जरूर भेजे जाएं। पीएम ने कहा, यह सुनिश्चित करें कि जनता में पैनिक न फैले। हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड करने का काम चलता रहना चाहिए। सारी सुविधाएं संचालित स्थिति में हों, यह भी सुनिश्चित करें। अगर कहीं कोई समस्या है, उसे उच्च स्तर पर सुलझाया जाए। वैश्विक संकट के बीच तेल के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में पीएम मोदी ने कहा, आज की वैश्विक परिस्थितियों में केंद्र और राज्य सरकारों का तालमेल, सामंजस्य पहले से अधिक आवश्यक है। युद्ध की परिस्थिति से सप्लाई चैन प्रभावित हुई है, ऐसे माहौल में दिनों-दिन चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं। पीएम मोदी ने कहा, पेट्रोल डीजल की बढ़ती कीमत का बोझ कम करने के लिए केंद्र सरकार ने एक्साइज ड्यूटी में पिछले नवंबर में कमी की थी। राज्यों से भी आग्रह किया गया था कि वो अपने यहां टैक्स कम करें। कुछ राज्यों ने तो अपने यहां टैक्स कम कर दिया, लेकिन कुछ राज्यों ने अपने लोगों को इसका लाभ नहीं दिया गया। मेरा आग्रह है कि देशहित में राज्य भी टैक्स कम करेंगे तो जनता को फायदा होगा। प्रधानमंत्री ने कहा, देश में गर्मी बढ़ती जा रही है। बढ़ती गर्मी के समय में हम अलग-अलग स्थानों पर आग की बढ़ती हुई घटनाएं देख रहे हैं। पिछले साल कई अस्पतालों में आग लगी, वो बड़ी दर्दनाक स्थिति थी। मेरा सभी राज्यों से आग्रह है कि हम अभी से अस्पतालों का सेफ्टी ऑडिट कराएं, सुरक्षा के इंतजाम पुख्ता करें। भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोनावायरस के 2,927 नए मामले सामने आए हैं। इसी के साथ दश में कुल संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर 4,30,65,496 हो गई है। कोरोना के नए मामलों में मंगलवार के मुकाबले 17.8 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

## भारत की विकास गाथा का हिस्सा बनें निवेशक, निर्मला सीतारमण ने अमेरिकी उद्यमियों से किया आह्वान

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वैश्विक निवेशकों को भारत की विकास गाथा का हिस्सा बनने का न्योता दिया है। अमेरिका में यूएस-इंडिया बिजनेस काउंसिल और सीआइआइ की तरफ से

आयोजित बिजनेस राउंडटेबल बैठक को संबोधित करते हुए सीतारमण ने कहा कि तमाम व्यवधानों के बावजूद भारत वर्ष 2023 में दुनिया का सबसे तेज गति से विकास करने वाला देश होगा और विकास की यह गति आगे भी कायम रहेगी। उनके इस आह्वान पर वहां मौजूद दुनिया के बड़े निवेशक और उद्यमियों ने उन्हें निवेश का भरोसा दिया। निवेश को लेकर वित्त मंत्री के साथ बातचीत में मुख्य रूप से क्लीन एनर्जी, सेमीकंडक्टर, ग्रीन स्टील, वेस्ट टू एनर्जी एवं कार्बन कैप्चर क्षेत्र से जुड़े उद्यमियों ने निवेश की दिलचस्पी दिखाई। वित्त मंत्री विश्व बैंक व आइएमएफ की बैठक में हिस्सा लेने अमेरिका गई हुई हैं। इस मौके पर स्टारवुड एनर्जी के सीईओ हिमांशु सक्सेना ने कहा कि हमलोग भारत के अगले चरण के विकास में भागीदारी के लिए तैयार हैं। ब्लूम एनर्जी के सीईओ केआर श्रीधर ने कहा कि अमेरिका अपनी एडवांस तकनीक के साथ भारत में एनर्जी सुरक्षा के लिए काम करने को तैयार है। सेमीकंडक्टर सेक्टर के उद्यमियों ने भी भारत में निवेश व तकनीकी साझेदारी को लेकर दिलचस्पी दिखाई। आगामी 29 अप्रैल से बेंगलुरु में सेमीकंडक्टर निर्माण को लेकर तीन दिवसीय वैश्विक सम्मेलन का आयोजन कर रहा है जिसमें सेमीकंडक्टर से जुड़ी कई अमेरिकी कंपनियां हिस्सा ले रही हैं। भारत में सेमीकंडक्टर निर्माण में अमेरिका महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। ऐसे में अमेरिका की सिलिकान वैली में सीतारमण के साथ सेमीकंडक्टर सेक्टर के उद्यमियों के साथ बैठक को काफी अहम माना जा रहा है। वित्त मंत्री ने सिलिकान वैली में वहां के उद्यमियों से वित्तीय सेक्टर में भी भारत के साथ टेक्नोलाजी साझेदारी व निवेश के लिए कहा।

## कृषि आय बढ़ाने के लिए किसान करें प्रौद्योगिकी का उपयोगः तोमर

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किसानों से उत्पादन और आय बढ़ाने के लिए नई प्रौद्योगिकी का उपयोग करने को कहा। इसके साथ ही उन्होंने नई बीज किस्मों को अपनाने, नई तकनीकों का उपयोग करने और अपनी कृषि भूमि की गुणवत्ता का परीक्षण कराने का आग्रह किया। तोमर ने आजादी का अमृत महोत्सव के तहत 25-30 अप्रैल के दौरान आयोजित होने वाले किसान भागीदारी, प्राथमिकता हमारी अभियान की शुरूआत करते हुए यह बात कही। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, तोमर ने देश भर के कई राज्यों में कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) में मौजूद किसानों से बातचीत की। इसका उद्देश्य किसानों को सरकार की प्रमुख योजनाओं से अवगत कराना और जमीनी स्तर पर किसानों को मिलने वाले लाभों का आकलन करना था। किसानों से बातचीत करते हुए, तोमर ने कृषि क्षेत्र के लिए प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि इसका उदाहरण है कि कैसे प्रौद्योगिकी का उपयोग पारदर्शिता सुनिश्चित करने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी को अपनाना, फसलों का विविधीकरण और निर्यात बाजार में गुणवत्ता बनाए रखना आवश्यक है। मंत्री ने किसानों से कहा कि उन्हें समय के साथ प्रयोग करने और बदलने के लिए तैयार रहना चाहिए, उन्हें नई किस्म के बीजों का उपयोग करने, अपनी मिट्टी की गुणवत्ता का परीक्षण करने, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) में शामिल होने और ड्रोन सहित नई प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के लिए तैयार रहना चाहिए। तोमर ने कहा कि केवीके और कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी (एटीएमए) विकसित प्रौद्योगिकियों को कृषक समुदाय तक ले जाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। इसके साख ही उन्होंने कहा कि किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के सुरक्षा कवच को अपनाना चाहिए।

## जलवायु संकट के कारण भारत में छाई गर्मी की लहर, छोटे बच्चों के लिए बढ़ा खतरा

नई दिल्ली। मौसम विशेषज्ञों ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि पश्चिम और उत्तर पश्चिम भारत में चल रही हीटवेव अगले 4 से 5 दिनों में देश के बड़े हिस्से में फैल जाएगी। इस दौरान देश भर में गर्मी का कहर देखने को मिलेगा। मार्च का माह भारत के लिए सबसे गर्म महीना साबित हुआ है। विशेषज्ञों ने बताया कि यह जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का ही एक और संकेत है।

इसकी वजह से करोड़ों लोगों के स्वास्थ्य के लिए संकट पैदा हो गया है। कोयले और अन्य ईंधन जलाने के कारण पैदा हुई हीटवेव ने जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के चलते और गंभीर रूप ले लिया है। इंपीरियल कॉलेज लंदन के ग्रांथम इंस्टीट्यूट में जलवायु विज्ञान के वरिष्ठ व्याख्याता फ्रेडरिक ओटो ने कहा कि दुनिया में हर जगह हीटवेव के मामले सामने आ रहे हैं। जब तक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन समाप्त नहीं हो जाता, तब तक

भारत और अन्य जगहों पर हीटवेव गर्म और अधिक खतरनाक होती रहेगी। मार्च में पृथ्वी के दोनों ध्रुवीय क्षेत्रों ने गर्मी की लहरों का सामना किया। इस दौरान अंटार्कटिका में तापमान औसत से 4.8 डिग्री सेल्सियस गर्म था, जबकि आर्कटिक में औसत सामान्य से 3.3 डिग्री सेल्सियस अधिक था। भारत को लेकर विशेषज्ञों का कहना है कि प्रशांत महासागर, ला नीना में असामान्य प्रभाव पड़ें हैं। बता दें कि ला नीना एक ऐसी स्थिति है, जब पूर्वी और मध्य प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से कम होता है। इस दौरान यह पवन प्रणाली को बदल देता है। यह आम तौर पर सर्दी, कुछ गर्मी पैदा कर के भारत में मानसून लाता है। लेकिन इस साल बसंत के मौसम में यह प्रक्रिया नहीं हुई, जिससे गर्मी बहुत जल्द शुरू हो गई है। मैरीलैंड यूनिवर्सिटी के जलवायु वैज्ञानिक रघु मुतुर्गुड्डे ने कहा कि भारत में यह घटना ज्यादातर नम सर्दियों से जुड़ी है। इसलिए, भारत में वसंत और गर्मी के दौरान ला नीना का वर्तमान प्रभाव पूरी तरह से अप्रत्याशित है।

## 5 साल से बड़े बच्चों को भी अब लगेंगे कोरोना के टीके कोवैक्सीन व काबेर्वैक्स के प्रयोग को मिली मंजूरी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय दवा नियामक ने 6 से 12 आयु वर्ग के बच्चों के लिए भारत बायोटेक की कोवैक्सीन और 5 से 12 आयु वर्ग के बच्चों के कॉबेर्वैक्स के आपातकालीन उपयोग को अनुमति दे दी है। इस तरह 12 वर्ष और उससे कम आयु के बच्चों के लिए टीकाकरण का रास्ता साफ हो गया है। कोरोना की चौथी लहर की आशंकाओं के बीच इसे बड़ी राहत के तौर पर देखा जा रहा है। गौरतलब है कि 16 मार्च 2022 से देशभर में 12 से 14 साल के बच्चों को कोरोना का टीका लगना शुरू हो गया था। इस संबंध में पीएम मोदी ने खुद ट्वीट कर जानकारी दी थी कि अब 12 से 14 आयु वर्ग के युवा टीके के लिए पात्र हैं और 60 से ऊपर के सभी लोग एहतियाती खुराक के पात्र हैं। ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया द्वारा प्रदान किए गए आंकड़ों के आधार पर आपातकालीन उपयोग की मंजूरी दी गई है। बीते मंगलवार को हुए फैसले के साथ ही भारत इस आयु वर्ग के लिए टीकाकरण शुरू करने से एक कदम दूर है। अब सवाल यह है कि अभी इसकी मंजूरी क्यों आई है? दरअसल रिसर्च के आधार पर चरणबद्ध तरीके से कोविड-19 के टीके जारी किए जा रहे हैं। पहले चरण में जहां स्वास्थ्यकर्मियों, अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ता और बुजुर्गों को वैक्सीन दी गई, वहीं बाद के चरणों में टीकाकरण के अभियान का विस्तार किया गया। जैसे-जैसे रिसर्च आगे बढ़ती गई, वैसे-वैसे विभिन्न आयुवर्गों के लिए टीके उपलब्ध होते गए। सरकार ने इस साल जनवरी में 15 से 18 आयु वर्ग के लिए और मार्च में 12 से 14 आयु वर्ग के लिए टीकाकरण की शुरूआत की थी। नेशनल ड्रग रेगुलेटर के अनुमति के बाद अब इसे तीन सरकारी विशेषज्ञ निकायों के समक्ष रखा जाएगा। इनमें टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह (एनटीएजीआई) शामिल है, जो वैज्ञानिक साक्ष्य की तकनीकी समीक्षा करके सरकार को टीकाकरण पर मार्गदर्शन प्रदान करता है।

## पंजाब में क्षेत्रीय मोर्चा बनाने की तैयारी, प्रशांत से सिद्धू की मुलाकात ने बढ़ाई सियासी हलचल

चंडीगढ़। नई दिल्ली में पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू के साथ राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर की बैठक ने पंजाब कांग्रेस में हलचल मचा दी है। पार्टी हलकों में इस बात की चर्चा है कि सिद्धू पंजाब के मुद्दों पर लड़ने के लिए विभिन्न दलों के समान विचारधारा वाले नेताओं के साथ एक क्षेत्रीय मोर्चा बनाने पर विचार कर रहे हैं। इससे पहले मंगलवार को सिद्धू ने प्रशांत किशोर के साथ अपनी तस्वीर ट्वीट की।

उन्होंने लिखा कि ह्यपुराने मित्र पीके के साथ मुलाकात सुखद रही। पुरानी शराब, पुराना सोना और पुराने दोस्त सबसे अच्छे होते हैं। बता दें कि प्रशांत किशोर ने एम्पावर्ड एक्शन ग्रुप 2024 के हिस्से के रूप में कांग्रेस में शामिल होने के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है। हालांकि क्षेत्रीय मोर्चा बनाने पर सिद्धू द्वारा कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया, लेकिन पार्टी के सूत्रों ने कहा कि पीके के साथ उनकी बैठक की व्याख्या 2024 के संसदीय चुनावों को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग तरीकों से की जा सकती है। सूत्रों के अनुसार यह सिद्धू को पार्टी में एक महत्वपूर्ण भूमिका में वापस ला सकता है या पंजाब में एक वैकल्पिक राजनीतिक मंच प्रदान करने के लिए उन्हें मजबूत कर सकता है। पिछले कुछ दिनों में पूर्व पीसीसी प्रमुख पार्टी के पूर्व विधायकों और पार्टी से निकाले गए विधायकों से भी मिलते रहे हैं। कानून

व्यवस्था को लेकर पंजाब के राज्यपाल से मुलाकात से लेकर राजपुरा थर्मल प्लांट के बाहर धरना देने तक सिद्धू ने इन दिनों राजनीतिक गतिविधियां तेज कर दी हैं। अपने उत्तराधिकारी राजा वड़िंग के स्थापना समारोह में अतिथि उपस्थिति को छोड़कर सिद्धू को नए पीसीसी प्रमुख के साथ मंच पर नहीं देखा गया है। विश्लेषकों का कहना है कि दिल्ली से नियंत्रित होने के कारण सीएम भगवंत मान के नेतृत्व वाली आप सरकार खराब दौर से गुजर सकती है। जिससे राज्य की राजनीति में एक क्षेत्रीय मोर्चे के लिए जगह बन सकती है। दूसरी ओर पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए पूर्व पीसीसी प्रमुख सुनील जाखड़ के दो साल के निलंबन की सिफारिश करने वाली एआईसीसी की अनुशासन समिति के फैसले के बाद पार्टी नेतृत्व वरिष्ठ नेताओं द्वारा सार्वजनिक बयानों को करीब से देख रहा है। वड़िंग के समारोह में मौजूद पंजाब मामलों के प्रभारी हरीश चौधरी ने सिद्धू का नाम लिए बिना कहा था कि किसी को भी पार्टी लाइन पार करने या समानांतर गतिविधियों को चलाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा था कि स्थिति कोई भी हो, सभी को लाइन में लगना पड़ता है। अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

## उइगर मुस्लिमों पर अत्याचार की जांच के लिए चीन पहुंची यूएन टीम

नई दिल्ली। विगत समय में चीन के शिनजियांग प्रांत में उइगर मुस्लिमों के नरसंहार की खबरें आती रही हैं। संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार संस्था और पश्चिमी देश अक्सर चीन पर आरोप लगाते हैं कि चीन उइगर मुसलमानों की आजादी छीनकर मानवाधिकार का उल्लंघन कर रहा है। इस मामले में संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार आयोग चीन आने की अनुमति मांग रहे थे। अब अंततः संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग के 5 सदस्य इस मामले की जांच करने के लिए चीन पहुंचे हैं। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक हालांकि इन सदस्यों को अभी ग्वांगझू में क्वारंटीन कर दिया गया है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग की प्रवक्ता लीज थ्रॉसेल के मुताबिक चीनी सरकार ने आयोग के पांच सदस्यों को आमंत्रित किया था। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग 2018 से चीनी सरकार से उनके सदस्यों को उइगर मुसलमानों पर हो रहे अत्याचार की वास्तविकता जानने के लिए वहां जाने के लिए असीमित पहुंच की अनुमति मांग रहे थे। यूएन ह्यूमेन राइट कमिश्नर मिशेल बेशलेट ने मार्च में कहा था कि हम चीनी सरकार से इस मुद्दे पर बात कर रहे हैं कि वह हमारे लोगों को वहां जाने दें। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने कहा कि उसके कर्मी मानवाधिकार उच्चायुक्त मिशेल बैश्लेट की मई में होने वाली यात्रा की तैयारी के लिए दक्षिणी चीन पहुंचे। प्रवक्ता लिज थ्रोसेल ने कहा, पांच लोगों की अग्रिम टीम शुरू में ग्वांगझू में समय बिता रही है, जहां वह कोविड-19 रोधी यात्रा नियमों के तहत पृथक-वास में है। चीन में उइगर मुसलमानों के खिलाफ नरसंहार का मामला अंतरराष्ट्रीय कोर्ट में भी पहुंच चुका है। चीन के शिनजियांग प्रांत में तुर्की मूल के मुस्लिमों की आबादी है। यहां से अक्सर खबरें आती रहती हैं कि चीन उइगर मुसलमानों का दमन कर रहा है। यहां तक कि उनकी धार्मिक पहचान को भी मिटाने की कोशिश की जा रही है।

## चिंतन मनन

# बच्चों का टीकाकरण

कोरोना फिर से डराने लगा है। इस बार बच्चों को अपने चपेट में ले रहा है। दिल्ली-एनसीआर में ही पिछले 10 दिनों के अंदर संक्रमित होने वालों में 25 से 30 फीसदी बच्चे हैं। कई स्कूलों में बच्चों में संक्रमण के ज्यादा मामले आने का एक कारण वैक्सीनेशन का न होना भी है। 18 साल से ऊपर के ज्यादातर लोगों को वैक्सीन लग चुकी है। बूस्टर डोज भी लगने लगी है, लेकिन छोटे बच्चों का टीकाकरण अभी नहीं हो पाया है। अब तक देश में 187 करोड़ 95 लाख 76 हजार 423 डोज लगाए जा चुके हैं। वहीं, 12-14 साल के बच्चों के मामले में पहले डोज की संख्या 2 करोड़ 70 लाख 96 हजार 975 है। जबकि, 37 लाख 27 हजार 130 दूसरे डोज लगाए गए हैं। कोरोना वायरस से बचाव के लिए बच्चों को नया हथियार मिल गया है। खबर है कि ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने 6-12 आयुवर्ग के लिए कोवैक्सीन की आपातकालीन इस्तेमाल की अनुमति दे दी है। वयस्कों के टीकाकरण में कोविशील्ड के अलावा कोवैक्सीन का भी इस्तेमाल हुआ था। फिलहाल, 15 से 18 साल के बच्चों को यह वैक्सीन दी जा रही है। कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बीच एक बार फिर बच्चों के टीकाकरण के प्रति ध्यान बढ़ा है। फिलहाल, कॉर्बिवैक्स 12 से 14 साल के बच्चों को दी जा रही है। भारत में 15-18 साल के बच्चों का टीकाकरण जनवरी से शुरू हो गया था। मार्च में इसे 12 साल से ऊपर के बच्चों के लिए भी हरी झंडी दी गई। कॉर्बिवैक्स के बाद कोवैक्सीन की मंजूरी मिलना टीकाकरण की दिशा में किसी बड़े कदम से कम नहीं है। विशेषज्ञ लगातार चेतावनी देते रहे हैं कि कोरोना बच्चों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। इसलिए भी बच्चों का टीकाकरण जरूरी हो गया था। अगर समय रहते बच्चों का टीकाकरण नहीं किया गया तो खतरा सामने खड़ा रहेगा। बच्चों को टीके इसलिए भी जरूरी हैं क्योंकि अब सभी राज्यों में स्कूल-कालेज खुल चुके हैं। जब बच्चे बाहर घरों से बाहर निकलेंगे, तो जाहिर है भीड़ से बचाव संभव नहीं होगा और संक्रमण का खतरा बढ़ेगा। इसलिए जितनी जल्दी 18 से कम उम्र वालों का टीकाकरण होगा, महामारी का जोखिम उतना ही कम किया जा सकेगा। कोविड का प्रकोप कुछ ठंडा पड़ने लगा, तो बहुत सारे लोगों ने मान लिया कि अब महामारी से मुक्ति मिल गई है। सरकार ने भी कोविड संबंधी ज्यादातर सख्त नियम हटा दिए हैं। मगर इसी बीच फिर से कोविड का नया बहुरूप प्रकट हो गया है। कई देशों में यह तेजी से फैल रहा है और खतरनाक भी माना जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने इसे लेकर चिंता जताई और सतर्क रहने को कहा है। उनका कहना है कि हर चार महीने पर कोरोना विषाणु का स्वरूप बदल रहा है, इसलिए किसी भी प्रकार की ढिलाई ठीक नहीं। टीकाकरण अभियान में तेजी लाना ही इसका कारगर उपाय है। ऐसे में हमारे यहां अब इसे लेकर एहतियात बरतने पर जोर बढ़ रहा है। कई राज्यों को सतर्क रहने को कह दिया गया है। इसी क्रम में अब अठारह साल से ऊपर आयु के लोगों के लिए भी एहतियाती खुराक की शुरूआत कर दी गई है। अभी तक अगली धार पर काम करने वाले स्वास्थ्य कर्मियों और दूसरे कर्मचारियों और साठ साल से ऊपर के लोगों को इसे लगाया जा रहा था। अब तक करीब दो करोड़ चालीस लाख लोग एहतियाती खुराक ले भी चुके हैं। पर अब स्वाथ्य मंत्रालय ने निजी अस्पतालों में छह सौ रुपए का भुगतान कर कोविशील्ड की अतिरिक्त खुराक लगवाने की मंजूरी दे दी है। अब अठारह साल से ऊपर के लोग भी एहतियाती खुराक ले सकेंगे। हमारे यहां टीकाकरण में काफी तेजी आई है और देश की अधिकतर आबादी को दोनों खुराक लग चुकी है। खुद स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक तिरासी करोड़ से अधिक यानी साठ फीसद से ऊपर लोगों का टीकाकरण पूरा हो चुका है। करीब बहत्तर फीसद लोगों को पहली खुराक दी जा चुकी है। फिलहाल पंद्रह साल से ऊपर के लोगों का टीकाकरण चल रहा है, उसमें भी कम से कम छियानबे फीसद लोगों को पहली खुराक दी जा चुकी है। इस तरह अब पहले की तरह टीके के उत्पादन और उसे लगाने को लेकर अधिक मारामारी नहीं है। एहतियाती खुराक के लिए बहुत भीड़भाड़ का भय नहीं है। एहतियाती खुराक उन्हीं लोगों को लगाई जानी है, जिन्हें टीके की दूसरी खुराक लिए नौ महीने से अधिक हो चुके हैं। इसलिए इसकी व्यवस्था केवल निजी अस्पतालों को सौंपने और भुगतान करके लगवाने की शर्त कई लोगों को खटक रही है।

## होगा रखना ध्यान !

गौरव और मयार्दा का ।
होगा रखना ध्यान ।।
परंपरा हमारी ये ।
है करना सम्मान ।।
ठीक नहीं है अहंकार ।
है रहना शालीन ।।
छोटी सी है बात पर ।
हरकत की गमगीन ।।
देख रहा है देश ।
बनी रहे मयार्दा ।।
हाव भाव ऐसा ।
आखिर क्या इरादा ?
है करना सहयोग ।
रहे जेहन बात ।।
बेमतलब ये ठीक नहीं ।
बिछी जो बिसात ।।

–कृष्णेन्द्र राय

# हिजाब विवाद : मुस्लिमों छात्राओं के साथ एक षड्यन्त्र

कर्नाटक में हाईकोर्ट के फैसले के बावजूद हिजाब के मुद्दे पर कुछ साम्प्रदायिक कट्टरपन्थियों की असंवेधानिक जिद बरकरार है. कर्नाटक में हाल ही में12वीं कक्षा की दो छात्राओं को उनके परिजनों ने कुछ जाहिल मुल्ले मोलवियों के दबाव में आकर 12 वीं की परीक्षा दिलाने से वंचित करा दिया , क्योंकि माननीय कर्नाटक उच्च न्यायालय के निर्णयानुसार उन्हें विद्यालय ने हिजाब के साथ परीक्षा हॉल में बैठने की अनुमति नहीं दी ।

कर्नाटक में शासकीय विद्यालयों के ड्रेस कोड को हिन्दू धर्म सहित सभी भारतीय एवम विदेशी मत पन्थों द्वारा मान्य कर अनुशासन पूर्वक पालन किया जाता रहा है । लेकिन एकाएक स्कूल गणवेश या यूनिफार्म के अनुशासन का विरोध कर हिजाब की जिद करने के पीछे पाकिस्तान परस्त भारत विरोधी मुस्लिम एजेंडा पता चला है । जिसके अनुसार पाकिस्तान की मंशा है कि मुस्लिम बच्चियों को शिक्षा से दूर कर भारत के मुस्लिमो को राष्ट्रविरोधी अलगाव वाद की ओर ले जाना है । इस उद्देश्य के लिए कुछ मस्जिदों मदरसों में बैठे कुछ संदिग्ध बांग्लादेशी और पाकिस्तानी मुल्ले मौलवी तथा भारत टुकड़े गैंग के वामपंथी गिरोह कार्य कर रहे हैं।

भारत की वर्तमान केंद्र सरकार का मानना है कि एक कन्या पढ़ाने पर पूरा परिवार शिक्षित हो जाता है। कारण यह है कि जहाँ पुरुष स्वयं की जीवन-यापिका पर ध्यान देगा, वही स्त्री बच्चो को शिक्षित, सुरक्षित और सुसंस्कृत करने में अपना ध्यान लगाएगी। सरकार का मानना है कि अगर मुस्लिम समाज को कट्टरपंथी मकडजाल से निकालना है तो उनका आधुनिकीकरण करना चाहिए । उनकी महिलाओ को पढ़ाइये; उन्हें देर से विवाह के फायदे के लिए प्रोत्साहित कीजिए। बाकी का कार्य वे स्वयं कर लेंगी। पढ़ी-लिखी महिला देर से विवाह करती है; उसे परिवार नियोजन के बारे में

जानकारी है; वह अपना परिवार छोटा रखती है और दो बच्चो के बीच में कुछ वर्ष का गैप भी मेंटेन कर सकती हैं।

इस दृष्टि से अध्ययन करने पर सरकार को पता चला कि मुस्लिम लड़कियों में स्कूल छोड़ने की (ड्रॉप आउट) दर 70 प्रतिशत से अधिक थी और यह स्थिति 70 वर्षों तक बनी रही।

इन परिस्थितियों को सुधारने के लिए मोदी सरकार ने स्वच्छ भारत मिशन शुरू किया, गांवों में और स्कूल जाने वाली लड़कियों के लिए स्कूल में शौचालय बनवाए। इस दृष्टि से केन्द्र सरकार द्वारा भारत मे खासतौर से मुस्लिम छात्राओ के लिए निम्नानुसार अन्य कई योजनाएं भी संचालित की गई।

1. मैट्रिक पूर्व छात्रवृत्ति योजना
2. मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति योजना
3. मेरिट सह साधन आधारित छात्रवृत्ति योजना
4. मौलाना आजाद राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति योजना
5. पढ़ो परदेश
6. बेगम हजरत महल राष्ट्रीय छात्रवृत्ति
7. नई मंजिल
8. राष्ट्रीय अल्पसंख्यक विकास वित्त निगम की शैक्षिक ऋण योजना
9. प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम

उक्त योजनाओ सहित मोदी सरकार ने 2014-15 से अब तक अल्पसंख्यक विद्यार्थियों के शैक्षिक सशक्तीकरण के लिए 5.01 करोड़ छात्रवृत्ति भी मंजूर की है। इस पर 14 हजार 643 करोड़ रुपए भी खर्च किए गए हैं। इसमें 2.60 करोड़ मुस्लिम छात्राएं भी शामिल है।

मोदी सरकार के प्रयासों का परिणाम यह हुआ कि अब मुस्लिम छात्राओ की स्कूल से ड्रॉपआउट दर 70 प्रतिशत से गिरकर लगभग 30 प्रतिशत हो गई है। अभी भी केंद्र सरकार उनकी ड्रॉपआउट दर को कम करने के लिए लगातार काम कर रही है ।

मोदी सरकार के प्रयासों से यह भी पता चला कि भारत की जनसँख्या वृद्धि दर रिप्लेसमेंट लेवल के नीचे आ गयी है। अर्थात प्रति महिला दो बच्चे हो रहे है जबकि जनसँख्या स्थिर रखने के लिए 2.2 बच्चे होना चाहिए। यहां तक कि मोदी सरकार के प्रयासों से मुस्लिम बहुल लक्षद्वीप में ळ्रक्ष्क केवल 1.4 एवं केरल में 1.8 रह गया है। बिहार (3), मेघालय (2.9), उत्तर प्रदेश (2.4), झारखण्ड (2.3), और मणिपुर (2.2) को छोड़कर, बाकी राज्यों में जनसँख्या तेजी से गिर रही है। इन राज्यों में भी जनसँख्या का वृद्धि दर अगले दो-तीन वर्ष में 2.2 से कम हो जायेगी।

कुछ मुस्लिम कट्टरपंथीयों के मन में कथित "काफिरो" से भी अधिक घृणा अपने समाज की पढ़ी-लिखी महिला के प्रति है। जिसके सेंकडो उदाहरण हैं । आप भी यदि चाहें तो एक बार सोशल मीडिया या टीवी पर बहस देखिए कि किस प्रकार से सुशिक्षित मुस्लिम महिलाये कट्टरपंथियों के विरूद्ध आवाज उठा रही है। यही कारण है कि मुस्लिम बच्चियों को स्कूल न भेजने के लिए इन कुछ मुल्ले मोलवियों के द्वारा स्कूलों के नियमों को शरीयत से जोड़कर भावनाएं भड़काकर मुस्लिम बिटियाओं को शिक्षा से दूर करने का प्रयास हो रहा है । वहीं दूसरी ओर मदरसों की धकेलने का प्रयास हो रहा है ।

मुस्लिम समाज के समझदार , पढेलिखे तबके को समाज में हिजाब की कुरीति को दूर करने के लिए सामने आना चाहिए , हिजाब की बजाय बिटियाओ की तालीम की तरफदारी करना चाहिए। ताकि मोदी सरकार की मेहनत से मुस्लिम बिटियाओ की ड्राप आउट दर जो 70% से 30% पर आई है वो ओर कम हो सके। देश के विकास शांति सद्भाव में वृद्धि के लिए तथा मुस्लिम समाज सुधार में इन पढ़ीलिखी मुस्लिम बिटियाओ की भागीदारी सुनिश्चित हो सके । देश मे शरीयत से ऊपर संविधान ही रहेगा ,यह बात जितनी जल्दी अलगाववादी मुल्ले मोलवी समझ लें उतना ही उनके लिए ठीक रहेगा ।

# सुरक्षा एवं स्वस्थता के लिये विश्व संगठन की जागरूकता जरूरी !

विश्वभर में आज मद में डूबा हुआ मानव नित दिन नये - नये अहितकारी अविष्कार कर स्वयं के साथ - साथ हर जीव के लिये विनाशकारी होता जा रहा है। जहां हर स्तर पर सुरक्षा एवं स्वास्थ्य को खतरा बना हुआ है। आज के समय में विनाशकारी अविष्कार हर एक के लिये खतरनाक साबित हो रहा है। इसका साक्षात उदाहरण अभी हाल ही में विश्वभर में फैली महामारी कोरोना के विभत्स हालात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता जहां अनगिनत काल के गाल में समा गये। जहां अपनों से अपने ही दूर हो गये जो आज तक पास नहीं आ सके। जहां हर स्तर पर सुरक्षा एवं स्वास्थ्य खतरे में पड़ गया। इस तरह के हालात में केवल सजगता हीं काम आई जिसने इस महा संकट काल में सुरक्षा प्रदान कर स्वस्थ्य जीवन का स्वरूप उजागर कर सकी। जहां भी असावधानी रही, कोरोना अपनी चपेट में लेता गया। अमानवीय महामारी कोरोना आने का कारण भी मदमाती रासायनिक अविष्कार का किया गया प्रयोग हीं है जिसने संपूर्ण मानव जाति को संकट में डाल दिया। कई दिनों से जारी महायुद्ध की ओर बढ़ता रूस यूक्रेन युद्ध मानव जाति के साथ - साथ हर जीव के लिये खतरनाक बनता जा रहा है जहां हठ के चलते युद्ध थमने का नाम ही नहीं ले रहा। इस युद्ध में प्रयोग में आ रहे विनाशकारी आधुनिक विस्फोटक बम से प्रदूषित वातावरण आने वाले समय में कोरोना से भी खतरनाक महामारी का संकेत दे रहा है फिर भी विश्व स्तर पर इस दिशा में मानव हित के लिये बने संगठन मौन है। जिसके कारण मानव

अहितकारी रूस यूक्रेन का युद्ध निरंतर विनाश की ओर बढ़ता नजर आ रहा है। आज युद्ध के साथ - साथ आतंकवादी गतिविधियां राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में तेजी से उभरती नजर आ रही हैं। जहां धार्मिक एवं क्षेत्रवाद के उन्माद को भड़काकर अशांति फैलाने का प्रयास यहां किया जाता रहा है जिसे प्रत्यक्ष / अप्रत्यक्ष रुप से आतंकवादी गतिविधियों को पनाह किसी न किसी रुप में यहां मिलता रहा है । इस तरह के परिवेश विश्व भर में तेजी से उभरते जा रहे हैं, जहां सुरक्षा फिर से खतरे में पड़ती दिखाई दे रही है। निश्चित तौर पर इस तरह की कार्यवाही हर जगह अशांत वातावरण पैदा कर विकास मार्ग से अलग करने की सोची-समझी विश्व-स्तरीय चाल से जुड़ी लगती है। इस तरह की गतिविधियों को निश्चित तौर पर स्वार्थी तत्वों का संरक्षण मिल रहा है। जिनके लिये अर्थ सर्वोपरि है। इस तरह के हालात उन सभी के लिये शोचनीय है, जो मानवहित को सर्वोपरि मानकर चलते हैं। हम सभी है तो राजनीति है, ऐसे हालात में एक-दूसरे पर टीका-टिप्पणी करने के बजाय सभी को मिलजुलकर आतंकवादी से जुड़ी हर गतिविधियों का विरोध करना चाहिए। सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिये इस परिप्रेक्ष्य में की जा रही राजनीति से सभी को गंभीर संकट से गुजरना पड़ सकता है। इस पहलू पर विश्व स्तर पर बने मानवहितकारी संगठन को गंभीरता से विचार करना चाहिए। आज विश्व में हर स्तर पर सुरक्षा एवं स्वास्थ्य को खतरा बना हुआ है। जिसके कारण कब महाविनाश काल आ जाय, कुछ कहा नहीं जा सकता। विश्व के हर देश के पास रासायनिक परमाणु बम सहित आधुनिक हथियार है। युद्ध की ओर बढ़ते कदम में यदि विश्व के अधिकांश देश उलझ जाएं तो विनाशकरी खतनाक परिणाम को नकारा नहीं जा सकता। इससे पूर्व इतिहास के आइने में झलकते विश्व युद्ध के विनाशकारी परिणाम को परखा जा सकता है जहां वर्षो अपंगता पग पसारती रही। आज के हालात में सुरक्षा एवं स्वास्थ्य के हित में सजगता बहुत जरूरी है। इस दिशा में विश्व स्तर पर मानव हित में बने संगठन को जागरूक होकर सकरात्मक कदम उठाने की पहल करनी चाहिए जिससे किसी के हठ से पैदा हुये अहितकारी युद्ध को तत्काल रोका जा सके। इस दिशा में विश्व संगठन की सजगता एवं जागरूकता अहितकारी युद्ध एवं आतंकवाद के बढ़ते कदम पर ब्रेक लगा सकती है।

## हनुमान जी के ये मंदिर हैं आस्था के केंद्र

हिन्दू धर्म में रामभक्त हनुमान के पूजन का काफी महत्व और इनकी पूजा करने का सबसे शुभ दिन मंगलवार है। हनुमान जी को कलयुग में भी जीवित देव माना गया है और श्रृद्धाभाव से पूजा करने से वह भक्तों की मनोकामना भी तुरंत पूरी करते है। इनके कई प्रसिद्ध मंदिर हैं जहां पर पूजन करने से आपकी सारी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। मान्यताओं के अनुसार अगर इन मंदिरों में भगवान श्रीराम का नाम लेकर कोई भी मुराद मांगी जाए तो वह अवश्य पूरी होती है।

**हनुमान गढ़ी, अयोध्या**– अयोध्या के हनुमान गढ़ी मंदिर के राजा हैं हनुमान जी। मान्यता है कि मंदिर में जब हनुमान जी की आरती होती है, उस समय वरदान मांगने वाले की हर इच्छा पूरी होती है। कहते हैं कि लंका विजय के बाद हनुमानजी पुष्पक विमान में श्रीराम सीता और लक्ष्मण जी के साथ यहां आए थे। तभी से वो हनुमानगढ़ी में विराजमान हो गये। मान्यताओं के अनुसार जब भगवान राम परमधाम जाने लगे तो उन्होंने अयोध्या का राज-काज हनुमान जी को ही सौंपा था।

**पंचमुखी हनुमान, कानपुर**– कानपुर के पनकी में स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर की महिमा भी बड़ी निराली है। यहीं पर हनुमान जी और लवकुश का युद्ध हुआ था। युद्ध के बाद माता सीता ने हनुमान जी को लड्डू खिलाए थे, इसीलिए इस मंदिर में भी उन्हें लड्डुओं का ही भोग लगता है। यहां आने वाले भक्तों की सारी इच्छायें सिर्फ लड्डू चढ़ाने से ही पूरी हो जाती हैं।

**हनुमान मंदिर, झांसी**– झांसी के हनुमान मंदिर में हैरानी की बात ये है कि यहां हर दिन सुबह पानी ही पानी बिखरा रहता है और कोई नहीं जानता कि ये पानी आता कहां से है। यहां हनुमान जी की पूजा-पाठ इसी पानी के बीच ही पूरी होती हैं। कहते हैं कि इस मंदिर के पानी का औषधीय गुणों से भरपूर है और इस पानी से चर्म रोग दूर होता है।

**बंधवा हनुमान मंदिर, विन्ध्याचल**– विन्ध्याचल पर्वत के पास विराजते हैं बंधवा हनुमान। यहां पर ज्यादातर लोग शनिदेव के प्रकोप से बचने के लिए पूजन करने आते हैं। यहां पर शनिवार को लड्डू, तुलसी और फूल चढ़ने से साढ़ेसाती का प्रभाव कम होता है।

# क्या सचमुच समान नागरिकता कानून का पालन होगा ?

उत्तराखंड में भाजपा के श्री. पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री पद पर आसीन होते ही 'समान नागरिकता कानून' लागू करने की घोषणा की है । संविधान के अनुच्छेद 44 में इस कानून का प्रावधान होते हुए भी 'गणतंत्र' भारत को ७२ वर्ष पूर्ण होने पर भी अबतक की सर्वदलीय सरकारों ने यह कानून बनाने का साहस नहीं दिखाय था, जिसके फलस्वरूप गोवा छोडकर (गोवा में पहले के पोतुर्गीज कानून आज भी लागू होने से उसका वहां अस्तित्व है ।) भारत के किसी भी राज्य में समान नागरिकता कानून नहीं है । भले ही ऐसा हो; परंतु तब भी इस कानून के संदर्भ में अनेक आपत्तियां भी हैं । यही इस लेख का प्रयोजन....

**1. समान नागरिक संहिता क्या है ?**

समान नागरिकता कानून का अर्थ धर्म, जाति और समुदाय से परे जाकर संपूर्ण देश में समान कानून लागू करना । समान नागरिकता कानून लागू करने से विवाह, विवाहविच्छेद, उत्तराधिकार और गोद लेना जैसे सामाजिक विषयों के संदर्भ में संपूर्ण देश में समान कानून आएंगे । इसमें धर्म के आधार पर स्वतंत्र न्यायालय अथवा स्वतंत्र कानूनव्यवस्था नहीं होगी । भारतीय संविधान का अनुच्छेद 44 सभी धर्मों के लिए उचित समय पर 'समान नागरिक संहिता' बनाने का निर्देश देता है । स्पष्ट करने योग्य सूत्र यह है कि समान नागरिकता कानून केवल सार्वजनिक जीवन में समानता ला सकता है, व्यक्तिगत जीवन में नहीं ।

**2. समान नागरिकता कानून के समर्थकों की भूमिका**

अ. आज के समय में विविध धर्मपंथों के विविध प्रकार के कानून न्यायतंत्र पर बोझ बढाते हैं । यह बोझ हल्का हो जाएगा, साथ ही इस संदर्भ में न्याय प्रक्रिया भी सुलभ होगी । आज के समय में विवाह, विवाहविच्छेद, गोद लेने की प्रक्रिया और संपत्ति की भागेदारी (हिस्सेदारी), इनके लिए प्रत्येक धर्मपंथ के लोग उनके धार्मिक कानूनों के आधार पर न्यायालय जाते हैं ।

आ. समान नागरिकता कानून के कारण नागरिक के साथ समान व्यवहार होगा और वोटबैंक के लिए धर्मपंथ का लाभ उठानेवाली वर्तमान राजनीति में सुधार आएगा ।

इ. कुछ धर्मपंथ के धार्मिक कानूनों के नाम पर चल रहा लैंगिक भेदभाव दूर किया जाएगा । विशेष रूप से मुस्लिम कानून के अनुसार चार विवाह स्वीकार्य हैं । चार विवाहों के कारण वैवाहिक स्त्री के वैवाहिक जीवन पर ही अत्याचार होता है ।

**3. समान नागरिकता कानून पर विरोधियों की आपत्ति और स्पष्टीकरण**

अ. समान नागरिकता कानून का विरोध करनेवाले ऐसा कहते हैं कि यह कानून सभी धर्मों के लोगों पर हिन्दू कानून लागू करने जैसा है ।

**स्पष्टीकरण** : वास्तव में देखा जाए, तो समान नागरिकता कानून का प्रारूप जब तक सामने नहीं आता, तब तक उस पर ऐसी आपत्ति लाना अनुचित है । अभीतक समान नागरिकता कानून का किसी प्रकार का प्रारूप घोषित नहीं हुआ है, तब भी 'यह कानून मुस्लिम विरोधी है', इस प्रकार का दुष्प्रचार किया जा रहा है ।

आ. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 में किसी भी धर्म के लोगों को अपने-अपने धर्म के प्रसार-प्रचार करने की स्वतंत्रता और संरक्षण दिया गया है । इसलिए समान नागरिकता कानून के कारण किसी न किसी धार्मिक स्वतंत्रता पर आंच तो आने ही वाली है ।

**स्पष्टीकरण** : विरोधियों की यह आपत्ति भी अर्थहीन है । समान नागरिकता कानून व्यक्तिगत धार्मिक स्वतंत्रता के संदर्भ में नहीं है, अपितु वह सार्वजनिक जीवन के संदर्भ में है । विवाह, विवाहविच्छेद, उत्तराधिकार, संबंधियों में संपत्ति का वितरण, किसी परिवार में गोद लेना इत्यादि विषय केवल व्यक्तिगत नहीं हैं, अपितु उसमें अन्य व्यक्ति भी अंतर्भूत होते हैं ।

**4. क्या समान नागरिकता कानून का पालन होगा ?**

भारतीय समाज में हिन्दू समाज कानूनप्रिय है । अभीतक हिन्दू समाज के लिए 1. हिन्दू विवाह कानून -1955, 2. हिन्दू उत्तराधिकार कानून -1956, 3. हिन्दू संपत्ति व्ययन कानून - 1916, 4. हिन्दू अप्राप्तवयता और संरक्षकता अधिनियम, 1956 और 5. हिन्दू गोद एवं भरणपोषण कानून, ऐसे ५ कानून बनाए गए हैं । इन सभी कानूनों का हिन्दू समाज द्वारा पालन किया गया; परंतु अन्य धर्मपंथों का क्या ? क्या उनके धर्म को अथवा विचारों को नियंत्रित करनेवाले एक भी कानून का उनके द्वारा पालन होता है ? वर्ष 2019 में 'ट्रीपल तलाक' का कानून पारित हुआ; परंतु तब भी उत्तर प्रदेश में प्रतिमाह 10 'तीन तलाक' तो होते हैं, यह आधिकारिक आंकडे हैं । वर्ष 2020 में केंद्र सरकार ने 'नागरिकता सुधार कानून ' (सीएए) पारित किया; परंतु उस विषय पर इतना हो हल्ला मचाया गया और इतने दंगे किए गए कि अंततः यह कानून बने २ वर्ष बीत जाने के उपरांत भी अभी तक उसके क्रियान्वयन के लिए 'नोटिफिकेशन' लागू करने का साहस केंद्रीय गृह विभाग ने नहीं दिखाया है । हिजाब बंदी के संदर्भ में न्यायालय का निर्णय आने के उपरांत सीधे परीक्षाओं का बहिष्कार करने का हिजाबी छात्राओं का उदाहरण ताजा है । इसलिए समान नागरिकता कानून लागू हुआ, तब भी सचमुच उसका पालन होगा अथवा नहीं, यह तो एक प्रश्न ही है !

## शुभ कार्यों में मंगल की होती है अहम भूमिका

मंगल कार्य में सबसे बड़ी भूमिका स्वयं मंगल की होती है। इसके बाद इसमें तमाम शुभ ग्रहों की भूमिका होती है। गुरु भी शुभ और मंगल कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शनि, राहु और केतु मंगल कार्यों में आम तौर पर बाधा देते हैं। मंगल जब खराब हो तो मंगल कार्य होना एक चुनौती हो जाती है।

**कब घर में शुभ कार्य सरलता से होते हैं ?**– मंगल ग्रह के अनुकूल होने पर शुभ कार्य आसानी से हो जाते हैं। चन्द्रमा की शुभ दशा होने पर भी मंगल कार्य होते हैं। गुरु के कुंडली में शुभ होने पर भी मंगल कार्यों का संयोग बनता है। साढ़े साती या ढैय्या के उतरने पर भी शुभ कार्यों की स्थिति बनती है। किसी संत महात्मा के आशीर्वाद मिलने पर भी ऐसा होता है।

**कब घर में मंगल कार्य नहीं होते ?**– जीवन में शनि की दशा चलने पर मुश्किल आती है।कुंडली में राहु का प्रभाव खराब होने पर मंगल कार्य नहीं होते हैं।गुरु के अशुभ होने पर भी मंगल कार्य नहीं होते हैं।घर में नियमित कलह क्लेश होने पर भी शुभ कार्यों के योग नहीं बनते हैं।घर के मुख्य द्वार के खराब होने पर भी ऐसी स्थिति बनती है।

**घर में मंगल कार्य कराने के उपाय ?**– घर में पूजा का स्थान बनाएं और नियमित तौर पर पूजा उपासना करें। घर में सप्ताह में एक बार सामूहिक पूजा जरूर करें। घर में कलह क्लेश कम से कम करें। घर के मुख्य द्वार पर नियमित बंदनवार लगाएं। घर में नियमित भजन कीर्तन की ध्वनि आती रहे तो उत्तम होगा।

# बोहार भाजी में बड़ गुण होथे

हमर भाजी पाला म बोहार भाजी के गिनती घलो आथे। ए भाजी ह खाली गरमी सुरू होथे तभे खाय बर मिलथे। माघ-फागुन म जब बड़े पेड़ के पत्ता मन झर जथे त नवा पाना उल्होथे। अइसने बोहार के पेड़ ले घलो नवा पाना आथे, जेनहा केवरी होथे वइसने बीजा घलो उलहोथे। इही नवा पाना ल साग रांध के खाय जाथे।

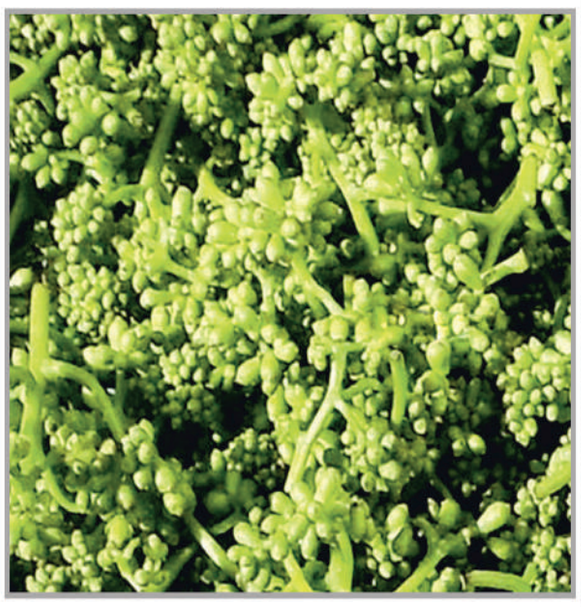

छत्तीसगढ़ अंचल म किसम-किसम के साग-भाजी बारों महीना बजार म मिल जथे। फेर कुछ भाजी-पाला अइसे होथे जेनहा बारों महीना नइ मिलय। अइसने हमर भाजी पाला म बोहार भाजी के गिनती घलो आथे। ए भाजी ह खाली गरमी सुरू होथे तभे खाय बर मिलथे। माघ-फागुन म जब बड़े पेड़ के पत्ता मन झर जथे त नवा पाना उल्होथे। अइसने बोहार के पेड़ ले घलो नवा पाना आथे, जेनहा केवरी होथे वइसने बीजा घलो उलहोथे। इही नवा पाना ल साग रांध के खाय जाथे। येहा बछर म गरमी घरी भर खाय ल मिलथे। ऐ भाजी खाय म बड़ स्वादिष्ट तो होथे, फेर कतको महत्ता अउ हावे येकर जइसे-

### महत्ता

आयुर्वेद में येला श्लेष्मातक, लभेरा(बठुवा) कहे जाथे। हर प्रांत के बोली-भाखा म अलग-अलग नाव ले जाने जाथे। येकर कोनो मेर व्यावसायिक खेती नइ होवय। येला टोरे म बड़ मेहनत लागथे, तेकरे सेती बाजार म बड़ महंगा बेचाथे। तभो ले देखत-देखत बेचा घलो जथे। येला मही-दही संग चना दार डार के बनाए जाथे।

### दवई के गुण

बोहार भाजी के दवई के गुण घलो बड़ हावय। येकर उपयोग कुष्ठ रोग, जहर, शरीर के बाहरी भाग के रोग, जुन्ना बुखार संग अपच म उपयोग म लाए जाथे। येकर कच्चा पत्ता ल टोरके शरीर के बाहरी घाव म लगाय ले फायदा होथे। कच्चा पत्ता ल पीसके खाय म दस्त म फायदा मिलथे अउ पाचन म सुधार होथे। अइसने येकर बीजा के काढ़ा बनाके पीए म छाती में जमें कफ पिघल के खांसी संग निकल जथे।

## पुस्तक समीक्षा

कृति-अमृतध्वनि
कृतिकार-बोधनराम निषाद
समीक्षक-अजय 'अमृतांशु'
मूल्य-एक सौ पचास रूपए

छन्द मा लेखन आसान काम नोहय। विविध विषय ला ले के ये कृति मा लोक परब अउ संस्कृति म-भोजली, कमरछठ, तीजा, पोरा, मातर, सकरायत, देवारी, होली, गौरी-गौरा, मातर, मड़ई, छेरछेरा, जेठउनी, भोजली, सकरायत, रामनवमी, माघी पुन्नी, अक्ति आदि ल विषय बना के छन्द रचे गे हवय। उंहे ये संग्रह म नंदावत ढेकी, गोरसी, ढेरा, ढेलवा, खरही, कोला बारी, बटलोही, जांता, रहचुली, बिजना, कुंदरा, खरहेरा, मूसर, बाहना, पैरा, घानी, निसैनी, टेड़ा, गेंड़ी, गेरवा, बरदी आदि के सुग्घर चित्रण ये संग्रह म मिलथे। एक अमृतध्वनि म 32 प्रकार के रुख राई के चित्रण करना कोनो मामूली बात नोहय-

औंरा साजा बेहरा, चिरई जाम खम्हार।
*सलिहा सरई सेनहा, बीजा तेंदू चार।।*
*बीजा तेंदू, चार आम अउ, तिलसा करी।*
*मउहा कउहा, भिरहा बोइर, डूमर हर्रा।।*
*मूढ़ी मोंदे, कलमी परसा, सेम्हर धौंरा।*
*बेल मकइया, गस्ती कैथा, बम्हरी औंरा।।*

अनुस्वार, अनुनासिक अउ उत्तम तुकांत के प्रयोग ये किताब के महत्ता ला दर्शाथे। छत्तीसगढ़ के लोक जीवन अउ संस्कृति ल परिचित कराय मा कवि पूर्णतः सफल होय हवय।

देखा जाए तो पहले के समय से अब तक खेती-किसानी के कामों में काफी परिवर्तन होते जा रहा है। अधिकांश काम मशीनों की मदद से की जा रही है इससे समय और धन दोनों की बचत होती है। इसी कारण किसानी कार्यों में उपयोग होने वाले औजार तथा पारंपरिक प्रथा का चलन अब नहीं के बराबर होने लगा है।

# परिवर्तन के दौर में बंद होती प्रथा

प्रदेश के किसान अपने किसानी कामों में लगे रहते हैं जिनमें कई नाम जो यहां प्रयुक्त होते हैं उनसे आज की पीढ़ी अनभिज्ञ होती जा रही है। वर्तमान समय में इन नामों का स्मरण करना भी जरूरी है नहीं तो हम खेती-किसानी से संबंधित पुरातन संस्कृति को संजोकर रख नहीं पाएंगे। अतः यहां किसानी से संबंधित आवश्यक तत्वों को-

### मेड़वार

धान को साफ सफाई कर मिंजाई के लिए तैयार की जाती है यह तैयार अवस्था मेड़वार कहलाती है।

### माई कोठी

किसान अपनी मेहनत के बाद अनाज को जहां रखता है वह स्थान कोठी कहलाता है। माई कोठी चारों तरफ से एक डिब्बानुमा आकृति का मिट्टी का बना स्थान होता है इसे इस तरह बनाया जाता है कि गर्मी और नमी का प्रभाव इन अनाजों पर न पड़े और ऊपरी स्थान पर अपने उत्पाद को निकालने या डालने के लिए ढक्कन जैसी व्यवस्था की जाती है।

### सरा

धान नापने समय एक खंडी के लिए होने वाले माप को सरा कहा जाता है। हर खंडी की गिनती होने पर एक सरा रखा जाता है। धान नापने के बाद सरा की गिनती कर पूरे धान की गणना की जाती है।

### सौजिया

पहले खेती किसानी के लिए बड़े किसानों द्वारा वर्ष भर के लिए मजदूर नियुक्त किए जाते थे, ऐसे लोगों को सौजिया या चरवाहा कहा जाता है। मालिक और सौजिया के बीच परिश्रमिक के लिए अनुबंध अक्षय तृतीया यानि अक्ति तिहार के दिन होता है।

### बनिहार

देखा जाए तो अब सौजिया और दरोगा के कामों में काफी बदलाव आया है। अब गाव में जो लोग अपने मालिकों के यहां काम करते हैं उन्हें ज्यादातर बनिहार या मजदूर कह देते हैं क्योंकि यह वर्ष भर के लिए अनुबंधित नहीं होते हैं।

### बेलन

किसान धान मिंजाई करते समय अपने उत्पाद प्राप्त करने की प्रक्रिया में बेलन का उपयोग करता था। लकड़ी के एक बड़ा गोल जो दो से तीन लंबा होता था। इस गोले के बीच से दोनों के भाग को लोहे की आयताकार लंबी छड़नुमा आकृति से जोड़कर सामने के भाग में मिला दी जाती थी और बैलों के माध्यम से धान मिंजाई की जाती थी। जिसका चलन अब विलुप्त अवस्था में है।

### बुड़िहार

पहले गांवों के गौटिया लोग अपने घर के कामों और देखरेख के साथ सारी अर्थ व्यवस्था को व्यवस्थित कर सुचारू रूप से संचालन के लिए जवाबदेही तय करते थे, इसे बुड़िहार भी कहा जाता था।

अधिया: गांवों में बड़े किसानों द्वारा छोटे किसानों को अपने खेत को काम करने के लिए अधिया में देते हैं। इस विधि में अधिया देने तथा अधिया लेने वाले खेतों की लागत और उत्पाद को आपस में बराबर बांट लेते हैं।

### रेगहा देना

अधिकतर बड़े किसान अब खेतों की लागत और मजदूरी दर अधिक होने के लिए लाभ कम अर्जित करते हैं ऐसे में अपने सारे खेतों को किसी अन्य छोटे किसान या जरूरतमंद किसानों को वर्ष भर के लिए अनुबंध के आधार पर दे देते हैं उन्हें रेगहा देना कहते हैं। इससे रेगहा देने और लेने वाले दोनों को फायदा होता है।

बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के ईशाण कोण में चंगोरी-पैसर ग्राम स्थित है। इन गांव के नामकरण के बारे में अनेक धार्मिक मान्यताएं प्रचलित हैं। इस ग्राम में वर्ष भर अनेक पर्वो के अवसर धार्मिक आयोजन होते रहते हैं जहां श्रद्धालु दूर-दूर से आकर सत्संग लाभ लेते हैं, इसलिए इन ग्रामों को चंगोरी-पैसर धाम भी कहा जाता है।

# धार्मिक मान्यताओं में चंगोरी-पैसर धाम

### नामकरण

कहा जाता है कि पहले ग्राम चंगोरी में बांस के बड़े-बड़े पेड़ पाए जाते थे। इसी बांस से बनी चौकोर टोकरी को छत्तीसगढ़ी भाषा में चंगोर एवं छोटी टोकरी को चंगोरी कहा जाता है जो शादी-ब्याह जैसे मांगलिक कार्य में प्रयुक्त होते हैं। मानचित्र में ग्राम चंगोरी का आकार चौकोर छोटा ग्राम है, अतः चंगोरी नामकरण सार्थक और सटीक प्रतीत होता है। इसी तरह ग्राम पैसर के निवासी अपने ग्राम का संबंध पाराशर मुनि से जोड़ते हैं। ग्राम पैसर में ऋषि-मुनियों की प्राचीन प्रतिमाएं उत्खनन में प्राप्त हुई हैं। शिवनाथ और लीलागर नदी के संगम स्थल के तट पर बसे ग्राम पैसर में प्राचीन काल में ऋषि-मुनि साधना व तपस्या करते रहे हैं। अतः पाराशर मुनि से पैसर का संबंध अप्रासंगिक नहीं लगता। भाषा विज्ञान के अनुसार भी पाराशर का अपभ्रंश छत्तीसगढ़ में पैसर होना स्वाभाविक प्रतीत होता है।

छत्तीसगढ़ में गांवों के नाम के पीछे कोई न कोई कहानी का जिक्र अवश्य होता है। गांव के नाम के बारे में वहां के निवासी जानने के लिए उत्सुक भी रहते हैं। इसी तरह के एक गांव चंगोरी-पैसर जो कि बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के ईशाण कोण में सीमावर्ती ग्राम है। इन गांव के नामकरण के बारे में अनेक धार्मिक मान्यताएं प्रचलित हैं। ग्राम चंगोरी और पैसर की भौगोलिक स्थिति जुड़वे भाइयों की तरह है, क्योंकि दोनों गांव परस्पर जुड़े हुए हैं। ग्राम चंगोरी महानदी के बाएं तट और शिवनाथ नदी के दाएं तट पर पैसर ग्राम अपेक्षाकृत बड़ा है। चंगोरी के उत्तर-पूर्व में महानदी एवं शिवनाथ नदी का पवित्र संगम स्थल है। महानदी को प्राचीन वांगमय में चित्रोत्पला की संज्ञा दी गई है। इस ग्राम में वर्ष भर अनेक पर्वो के अवसर धार्मिक आयोजन होते रहते हैं जहां श्रद्धालु दूर-दूर से आकर सत्संग लाभ लेते हैं इसलिए इन ग्रामों को चंगोरी-पैसर धाम भी कहा जाता है।

### मान्यताएं

पैसर ग्राम में शिव मंदिर एवं कुरूभाट स्थल से शिवनाथ नदी के तट पर जाने पर नीम, बहेड़ा और अकोला पेड़ों के झुरमुट के पास ऋषि की कमंडल सहित भग्न प्रतिमा एक चौरे में विराजमान हैं। यहां अनेक खंडित प्रतिमाएं भी हैं। ऋषियों की प्रतिमा को ग्रामवासी महर्षि कश्यप एवं अदिति की प्रतिमा मानते हैं। इस स्थल से कुछ ही दूरी पर बहेड़ा पेड़ के नीचे भी भग्न मूर्तियां हैं। गांव के लोग इसे लोक देवता ठाकुर देव के रूप में पूजा-अर्चना करते हैं। यह लोक मान्यता है कि बहेड़ा पेड़ से गिरे फल की चिरौंजी तथा और नारियल फल को मनौती का संकल्प लेकर खाने से मनोकामना अवश्य पूरी होती है। यह भी कहा जाता है कि स्वप्न में मछली मारते हुए किसी केंवट को नदी तट पर मूर्तियों के भाग दिखे थे, जिसे सन 1990 के आसपास खुदाई करने पर वास्तव में मूर्तियां मिली, जिसे इस चौरा में रखा गया। इसके साथ ही यहां की अनेक साबूत प्रतिमाएं चोरी हो गई तथा अनेक मूर्तियां अब खंडित भी हो चुकी हैं।

# अक्ती से कृषि कार्यों का प्रारंभ

अक्षय तृतीया का लोक रूप 'अक्ती' है। लोक पर्व अक्ती संपूर्ण छत्तीसगढ़ में किंचित भिन्नताओं के साथ मनाया जाता है। अक्ती के मूल में कृषक जीवन के श्रम और श्रृंगार का भाव सन्निहित है, यदि इसे कृषकों का प्रथम त्योहार कहें तो अतियुक्ति नहीं होगी। अक्ती के दिन से ही कृषि कार्य का प्रारंभ माना जाता है। कृषि कार्य की दृष्टि से यह नए वर्ष का प्रारंभ दिवस है। लोक पर्व अक्ती बैसाख शुक्ल पक्ष की तीज को मनाया जाता है।

### लोक मान्यता

अक्ती के दिन प्रातःकाल से आबाल-वृद्ध, नारी-पुरूष स्नान कर कुम्हार घर ले लाए करसी, करसा व पोरा (मिट्टी से बने लाल घड़े) में जल भरकर लाते हैं। इसदिन बच्चों में विशेष उत्साह होता है, वे बड़े बुजुर्गो के साथ हऊंला या जल भरे बाल्टी में नीम की डाली डालकर देवालयों में अर्पित करते हैं। नीम का वृक्ष आरोग्यता प्रदान करता है। इसमें लोक ही नहीं विज्ञान की भी सहमति होती है। लोक के अपने अपने देवी-देवता हैं, जैसे- सांहड़ादेव, ठाकुर दैय्या, माता देवाला आदि। लोक पूजित देवताओं के साथ ही गांव के अन्य मंदिरों में भी जल चढ़ाकर घर-परिवार और गांव के सुख समृद्धि की मंगलकामना की जाती है। मृत व्यक्ति के समाधि स्थल पर भी पोरा में जल रखा जाता है। इसके पीछे यह

लोक मान्यता है कि भीषण गर्मी में पितरों की प्यास बुझे, उन्हें पानी की तकलीफ न हों।

### परंपरा का निर्वहन

अक्ती के दिन से ही छत्तीसगढ़ में लोग करसी के शीतल जल का प्रयोग आरंभ करते हैं। अक्ती के पहले चाहे कितनी भी भीषण गर्मी क्यों न पड़े? धार्मिक आस्था वाले लोग करसी का पानी नहीं पीते। इसी दिन से ही लोग राऊत जो कि पानी भरने का काम करता है उनके माध्यम से देवालयों में पानी डलवाते हैं तथा भांजों के घर पानी भरवाते हैं। छत्तीसगढ़ में चूंकि भांजे श्रीराम के रूप में पूजित हैं इसलिए यह पुण्य का कार्य माना जाता है। प्याऊ घर भी खोले जाते हैं। इन सबके पीछे लोक कल्याण की भावना समाहित है। चिड़ियों के लिए ओरवाती में परई बांधकर जल व फाता(धान की बालियों से बना कलात्मक झालर) बांधकर अन्न की व्यवस्था की जाती है। यह छत्तीसगढ़ के लोक जीवन की उदारता और उसके प्रकृति प्रेम का प्रतीक है। इन्हीं कारणों से यहां का लोक शिष्ट से विशिष्ट बनता है।

# बंटवारा म जेठासी

जेठासी पाय बड़े भाई ह अपन घर परवार अउ सगा सोदर बर हर जिम्मेदारी बड़प्पन ले निभाथय अउ वो पुरखौती जिनिस के प्रति घात मया अउ अपार श्रद्धा रखथय। हर स्थिति-परिस्थिति म जेठासी ल बचाय के हर उदीम करथय। आखिर म कहे जा सकथय, कि हमर गांव-देहात के संपत्ति बंटवारा म जेठासी ले लोगन म मया पिरीत, भाई-बंध अउ जिम्मेदारी जइसे भावन पनपथय।

हमर गवइहां रीति रिवाज के महिमा अपरंपार हे। सुघ्घर लोक परंपरा के परिधान पहिरे रीति रिवाज ह बड़ उज्जर पावन लागथय। मनुख जिनगानी के सोला संस्कार म जनम, लगन, मरन संस्कार म मनखे हर आध्यात्मिक, धार्मिक, सांस्कृतिक अउ लोक परंपरा के रीति-रिवाज सन अपन जिनगी बिताथय। इही लोक रीति रिवाज ह मनखे अउ धरम, शिक्षा, कला-संस्कृति के बीच जमीनी रिश्ता नता बनाथय। लोक रीति रिवाज ह न तो भुंइया ल कोड़े म मिलय अउ न तो अगास ल कोचके म मिलय। भलुक हमर घर परवार म पुरखौती रूप म दरसन होथय येकर। जइसे लइका जनम के बखत फुफु ले लइका ल पाके वोकर झालर उतरई, बिहाव के समै फुफू-फूफा, दीदी-भांटो के ढेड़हीन-ढेड़हा बनई अउ मरे के बेरा बड़े बेटा ले बाप-महतारी के मुंहु दाग देवई अउ अइसने कई ठन रिवाज हवय, जेन ल सिरिफ मनखे हर करथय। बस अइसने ढंग ले लोक रिवाज हवय-जेठासी।

### समाज में महत्ता

हमर गांव दिहात म येकर बड़ महत्व हावे। जेठासी जेठ शब्द ले बने हवय। अउ जेठ ह हिन्दी के ज्येष्ठ तत्सम के तद्भव रूप आय, जेकर शाब्दिक अर्थ होथय बड़ा। ग्रामीण अंचल म जेठासी शब्द के उपयोग संपत्ति बंटवारा के समे होथय। संपत्ति बंटवारा म घर-दुवार, खेत-खार, बरतन-भाड़ा जइसे घर के

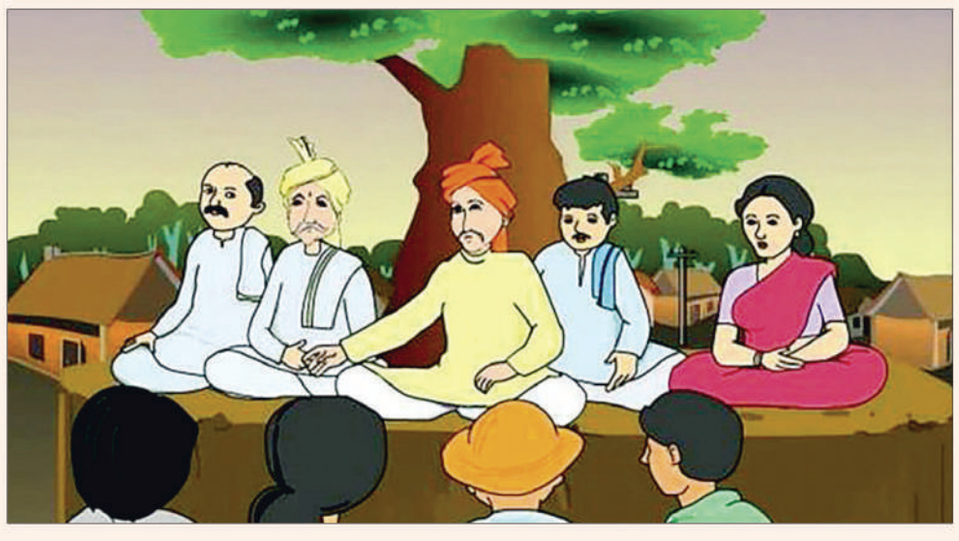

जम्मों जिनिस ल बाप ह गांव के मुखिया अउ नामी गिरामी सियान मन के मौजूदगी म अपन बेटा मन ल या फेर बड़े भाई हर अपन नान्हें भाई संग बरोबर बांटथयं। उही समे बाप हर सियान मन ले विचार विमर्श कर के अपन बड़े बेटा बर एक ठन डोली या फेर थारी-लोटा या फेर दीगर जिनिस ल ये उद्देश्य ले अलगाथे या निकालथय कि अपन सरग सिधारे के बाद बड़े बेटा ह अपन नान्हें भाई बर बाप समान वोकर संरक्षण अउ मार्गदर्शक बनय। इही अलगाय जिनिस ह जेठासी आय।

### प्रेम संयोजन के जिनिस आय

नान्हें भाई बर, बड़े भाई के हिरदय म प्रेम दुलार सदा बने रहाय। संगे संग बड़े भाई ल जेठासी भेंट करे ले नान्हें भाई के मन म बड़े भाई के प्रति मान सम्मान बने रहाय। ये जेठासी बंटवारा के होय ले घलो भाई भाई म हार्दिक प्रेम संयोजन के जिनिस आय। जेठासी पाय बड़े भाई ह अपन घर परवार अउ सगा सोदर बर हर जिम्मेदारी बड़प्पन ले निभाथय अउ वो पुरखौती जिनिस के प्रति घात मया अउ अपार श्रद्धा रखथय। हर स्थिति-परिस्थिति म जेठासी ल बचाय के हर उदीम करथय। आखिर म कहे जा सकथय, कि हमर गांव-देहात के संपत्ति बंटवारा म जेठासी ले लोगन म मया पिरीत, भाई-बंध अउ जिम्मेदारी जइसे भावन पनपथय। आज अइसना लोक रिवाज के संरक्षण बहुत जरूरी हे, जेकर ले समाज म मनखेपन जियत रही।

# जनाना ठप्पे वाले काम

घरों के भीतर रहने वाली खांटी घरेलू औरतों के हकों को लेकर हम सालों से बात करते चले आ रहे हैं। हैरत है, इनमें से ज्यादातर हमारी बातों को अगंभीरतापूर्वक ही लेती हैं। उन्हें लगता है, ये सारी बातें अजूबा हैं। हालांकि उनकी सोच पर स्त्री की आर्थिक आत्मनिर्भरता के प्रति उत्साह बढ़ा है। वे अपनी बच्चियों को नौकरी करने के प्रति उत्साहित कर रही हैं। नाममात्र शिक्षित से लेकर औसत पढ़ी स्त्री तक आर्थिक स्वतंत्रता के प्रति सचेत हो रही हैं। जाने अनजाने ही सही पर गहरा असर इस बात का है कि वे पैसों का महत्व समझ चुकी हैं। जिन परिवारों में औरतों की कमाई को लेकर कंधे उचकाये जाते थे, वे भी अनजाने ही बदल रहे हैं। खांटी पुरुषों का बहुत बड़ा तबका दबी जुबान से औरतों की उच्च शिक्षा और कमाई के प्रति मुलायमियत ला रहा है। इनमें वे पुरुष भी शामिल हैं, जिन्होंने औरतों को दुत्कारा है। उनकी तौहीन की है और उनके धन ना कमा सकने को ताने मारे हैं। पुरुषों का बड़ा तबका, घर से बाहर निकल कर कमाई करने वाली औरतों को नीची नजर से देखता रहा है। यही पुरुष अपने घरों की औरतों के दिमाग में कमाने वाली स्त्री के खिलाफ जहर उगलते रहे हैं। औरत की कमाई कितनी ही कम क्यों ना हो, उसका असर घर के खर्चों पर साफ झलकता है। औरतों की कमाई परिवार पर, घर की सुख-सुविधाओं पर ही खर्च होती है। उनमें अपनी हसरतों, इच्छाओं और नशे पत्ती के लिए पैसा उड़ाने की आदत कभी नहीं होती। जबकि इसके उलट पुरुषों का बड़ा वर्ग नशों में पैसा लगाने से बाज नहीं आता।

मर्द ही नहीं, औरतों के तेवरों में भी रहता है कि घर में रह कर अपने बच्चों को ढंग से पाल रही थीं। उनकी नजर में, कामकाजी औरतों के बच्चें की उपेक्षा होती है। असंगठित क्षेत्रों में काम करने वाली ढेरों औरतें सारा दिन मेहनत करती हैं। वे पैसा तो अच्छा कमा लेती हैं मगर सारी कमाई परिवार में ही लगाती हैं। जिन घरों में औरतें कमाती हैं, उनके तौर-तरीके खुद व खुद बदल जाते हैं। नई लड़कियों को यह तो समझ में आ रहा है कि नौकरी करना बेहद जरूरी है। शादियों के बाजार में नौकरी वाली लड़कियों की मांग भी बढ़ती जा रही है। हैरत की बात तो यह है कि ये लड़कियां अपने पैरों पर खड़ी होने के बावजूद खांटी स्त्री के चोले से बाहर नहीं निकलती नजर आ रहीं। नयी स्त्री रूढ़ियों को लेकर सचेत नहीं है। वह परंपराओं की आड़ में दकियानूसी लीकें पीट रही हैं। वे चूड़ी-बिन्दी में ही नहीं उलझीं हैं। बल्कि तीज-त्योहारों के नाम पर पति पूजन और सुहाग की दुहाइयां देना भी उन्हें अजीब नहीं लगता। पुरुषों का बड़ा वर्ग कमाऊ स्त्री के खांटी तेवरों के प्रति बेहद नाराज है। क्योंकि ये पढ़ी-लिखी औरतें जताती हैं कि पुरुषों का काम है घर चलाना। यानी तुम्हारी कमाई पर परिवार भर का हक है, जबकि उनकी कमाई निजी है। वे अपना पैसा बचाती हैं। हालांकि ऐसा बहुत कम मामलों में संभव है। अपने यहां छोटी कमाई करने वाली औरतों की दिक्कतें दूसरी तरह की हैं। वे परिवार का भरण-पोषण ही नहीं करतीं बल्कि अपने बारे में रत्ती भर भी नहीं सोचतीं। उनके पुरुष कुटुंब के प्रति लापरवाह हो जाते हैं और अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा नशों में उड़ाने लगते हैं। कमाई बड़ी हो या छोटी, मुझे लगता है औरतों को सेहत और वृद्धावस्था पेंशन की व्यवस्था जरूर रखनी चाहिए। छोटी-छोटी बचत से वे मासिक तौर पर इतना तो कर ही सकती हैं। इसके लिए जागरूकता की बहुत कमी है।

कुछ ऐसे परिवारों से भी इधर मेरा वास्ता पड़ा। जहां पति या तो बहुत कम कमाता है, या फिर नकारा है। बीवी के कन्धों पर परिवार भर का बोझ है। मगर हैरत की बात तो यह है कि ये पति घरेलू कामों को भी अपनी जिम्मेदारी नहीं मानते। औरत चाहे प्रोफेसर हो या घरेलू सहायिका, उसके पति के तेवर मालिक वाले ही नजर आते हैं। अमूमन औरत को घरेलू काम खुद निपटाने होते हैं। वह थकी हारी लौटती है और घर के कामों में जुट जाती है। मदद के नाम पर छोटे-मोटे काम करने को ही पुरुष अपनी महानता का चोला ओढ़ा लेते हैं। उनके इर्द-गिर्द वाले इस पर कोई टोका-टोकी भी नहीं करते। वे इस तथ्य को स्वीकारने को मानसिक रूप से राजी नहीं हो पाते कि औरत बाहर की जिम्मेदारियों से थक भी सकती है। मैं ऐसे कई परिवारों को करीब से जानती हूं, जहां शादी ही इसलिए की जाती है कि आने वाली स्त्री घरेलू काम अपने जिम्मे ले। नौकरी करने वाले परिवार के मर्द सुबह जल्दी उठ कर घर के कामों में कोई मदद नहीं करते। जबकि उनकी जगह औरतें काम पर जाने से पहले घर के काम निपटाने को निपुणता से जोड़ती हैं। अंतरजातीय शादी करने वाले मेरे अपने भाई का स्यापा है, उसकी बीवी सिर्फ अपने ही पारंपरिक खाने पकाती है। उसे शिकायत है कि वह अपनी मां के हाथों के पकवान के स्वादों का लालायित रहता है। मेरी इस सलाह पर कि वह खुद सीख ले, वह बिदक गया। इस भाई की बीवी प्रोफेशनल है और उससे दोगुना कमाती है। यह जो पुरुषों का माइंड सेट है, इसे बदलने का प्रयास औरतों को नहीं करना है। यह पुरुषों को खुद समझना है। अपनी जिस मां/ दादी, चाची या बुआ की वे दुहाई देते हैं, उन पर दोहरी-तिहरी जिम्मेदारी कभी नहीं रही। और जब डबल इनकम की चाहत हो तो खुद को तब्दील करने को तैयार रहना चाहिए। आर्थिक सहयोग यूं ही बना रहे, इसके लिए मिल-जुल कर हर ही घरेलू काम निपटाने चाहिए। जैसे पुरुषों वाले कामों को स्त्री ने बखूबी अपने हाथों में लिया है, ठीक वैसे ही पुरुषों को जनाना ठप्पे वाले कामों में हाथ लगाने को अपनी तौहीन मानना छोड़ देना चाहिए। ■

**पुरुषों को खुद समझना है। अपनी जिस मां/ दादी, चाची या बुआ की वे दुहाई देते हैं, उन पर दोहरी-तिहरी जिम्मेदारी कभी नहीं रही। और जब डबल इनकम की चाहत हो तो खुद को तब्दील करने को तैयार रहना चाहिए। आर्थिक सहयोग यूं ही बना रहे, इसके लिए मिल-जुल कर ही घरेलू काम निपटाने चाहिए। जैसे पुरुषों वाले कामों को स्त्री ने बखूबी अपने हाथों में लिया है**

# गर्मियों के स्किनकेयर सीक्रेट्स

**गर्मियां आ चुकी हैं। जरूरी है कि हम धूप से अपनी त्वचा को आयली, बेजान और काला होने से भी बचायें। कलाकारों ने घरेलू नुस्खों के बारे में बताया, जो गर्मियों में त्वचा की सम्पूर्ण देखभाल करते हैं।**

**विदिशा श्रीवास्तव** ने कहा, गर्मियों में चेहरे को हाइड्रेट रखना बहुत जरूरी है। गर्मियों में वर्कआउट करने और सफर करने के दौरान काफी पसीना निकलता है और काम्प्लेक्शन जरूरत से ज्यादा आयली नजर आता है। हाइड्रेटेड बने रहने के लिये सबसे अच्छी चीज है ढेर सारा पानी पीना, जिससे आपकी त्वचा दमकती रहेगी। जब भी कहीं बाहर से आयें, अपने चेहरे को ढेर सारे पानी से धोएं और साफ तौलिये से पोछें। तरबूज का रस भी बहुत अच्छा स्किन टोनर होता है और त्वचा को रूखा होने से बचाता है। यह त्वचा को ठंडक देता है, उसे तरोताजा करता है।

**मौली गांगुली** ने कहा, मुझे सारी नेचुरल और आर्गेनिक चीजें पसंद हैं। उपयुक्त जूस पीने के अलावा, मैं गर्मियों में स्किन को माइस्चराइज रखने के लिये घरेलू फेस पैक और नेचुरल स्क्रब्स का भी इस्तेमाल करती हूं। मेरा बेसिक समर हैक है हफ्ते में एक बार फेशियल नेचुरल स्क्रब लगाना, जो पिसे बादाम और चावल के आटे को दही के साथ मिलाकर और उसमें चुटकी भर हल्दी डालकर तैयार किया जाता है। यह परफेक्ट ग्लो और पोषण है।

**फरहाना फातिमा** ने कहा, मैंने हमेशा खासकर गर्मियों के लिये, अपने तरीके से त्वचा की देखभाल कर उसे साफ और परेशानी से दूर रखना पसंद किया है। मुझे हमेशा फेस स्क्रब इस्तेमाल करना पसंद है, जिसमें दो बड़े चम्मच समुद्री नमक, एक बड़ा चम्मच ताजा नीबू का रस और आलिव आयल (जैतून का तेल) की कुछ बूंदें होती है। मैं त्वचा से गंदगी और तेल को हटाने के लिये सप्ताह में कम से कम दो बार यह करती हूं। बहुत देर तक धूप में रहना पड़े, तो उसके बाद छाछ लगाएं। इससे जलती त्वचा को राहत मिलेगी।

**हिमानी शिवपुरी** ने कहा, मेरी त्वचा प्राकृतिक रूप से आयली है, इसलिये गर्मियां मेरे लिये पूरी तरह अलग कहानी लेकर आती है। मैंने सर्वश्रेष्ठ उत्पादों को आजमाया लेकिन किसी ने भी बहुत अच्छा काम नहीं किया। बचपन में मेरी दादी मां का खीरे के रस वाला घरेलू नुस्खा त्वचा के लिये काफी अच्छा रहा। खीरे के रस को दो छोटे चम्मच पाउडर वाले दूध और एक अंडे के सफेद भाग के साथ मिलाया जा सकता है। इन सभी से चिकना पेस्ट बना इसको चेहरे और गर्दन पर लगाइये और 30 मिनट बाद धो लीजिये। सप्ताह में कम से कम दो बार आजमाना चाहिये। ■

# पांच साल के बच्चों में बढ़ता मोटापा

यही है जिंदगी

■ क्षमा शर्मा

**कुछ** माह पहले नेशनल हेल्थ सर्वे की रिपोर्ट प्रकाशित हुई थी। इसमें बताया गया था कि देश के बीस राज्यों में पांच साल तक के बच्चों में मोटापा खतरनाक ढंग से बढ़ रहा है। महाराष्ट्र में यह आंकड़ा 2016 में 1.9 प्रतिशत था, जो अब बढ़कर 4.1 प्रतिशत हो गया है। गुजरात में यह 1.9 प्रतिशत से बढ़कर 3.9 प्रतिशत हो गया है। लद्दाख में 13.4 प्रतिशत बच्चे मोटापे से ग्रस्त पाए गए। यह प्रतिशत सबसे ज्यादा थे। आश्चर्यजनक यह भी है कि आमतौर पर पहाड़ी इलाकों के बारे में कहा जाता है कि चूंकि वहां बहुत पैदल चलना पड़ता है, इसलिए मोटापा नहीं बढ़ता। इसी तरह लक्षद्वीप में 10.5, मिजोरम में 10 और जम्मू और कश्मीर में 9.6 प्रतिशत बच्चे मोटे मिले। इन आंकड़ों को पढ़ते हुए लगा कि आखिर क्या वजह है, जो इतने छोटे बच्चे मोटे हो रहे हैं। जबकि वे खरीददार नहीं होते। उनकी मनपसंद खाने की चीजें माता-पिता या घर के बड़े ही खरीदते हैं।

एक वजह तो यही है कि बच्चों का खान-पान बदल रहा है। घर के खाने के मुकाबले उन्हें बाहर की अधिक चिकनाई, नमक और चीनी से भरपूर चीजें ज्यादा पसंद आती हैं। जिसे जंक फूड कहा जाता है, बच्चे उसे अधिक पसंद करते हैं। इसमें चैनल्स पर आने वाले विज्ञापनों का भी बड़ा हाथ है, जो इन्हें बहुत आकर्षक ढंग से बेचते हैं। इनमें माडल के रूप में भी अकसर बच्चों का ही इस्तेमाल किया जाता है। बहुत साल पहले ब्रिटेन की सरकार ने जंक फूड निर्माताओं को चेतावनी दी थी कि अपने उत्पाद को बच्चों में लोकप्रिय करने के लिए ऐसे विज्ञापन न बनाए, जिससे बच्चे अधिक से अधिक उनकी तरफ आकर्षित हों। वरना उन पर रोक लगा दी जाएगी, लेकिन अपने यहां ऐसे प्रयास शायद ही नजर आती हैं।

अकसर ऐसी गाइड लाइन्स जारी कर दी जाती हैं कि बच्चों के स्कूलों की कैंटीन या स्कूल के पास जंक फूड न बेचा जाए मगर इन गाइडलाइंस का पालन कितना हो रहा है, इस पर कोई ध्यान नहीं देता। इसके अलावा हमारे यहां इस बात की जागरूकता भी बहुत कम है कि किस उम्र में कितनी कैलोरी खानी चाहिए। हमारे यहां खाने का मतलब खाद्य पदार्थों के सुस्वादु होने से है। घर में जो खाना बनता है, उसके मुकाबले छोटे बच्चे भी बाजार के खाने को अच्छा मानते हैं। घर या स्कूलों में भी बच्चों को उनके स्वास्थ्य के प्रति अकसर जागरूक नहीं किया जाता। बल्कि होता यह है कि अगर मेरा दोस्त या सहेली फला चीज खा रही है, तो मुझे भी खानी है। कई बार यह भी देखा गया है कि यदि माता-पिता किसी काम में व्यस्त हैं और बच्चे उनका पीछा नहीं छोड़ रहे हैं तो उससे पिंड छुड़ाने के लिए चाकलेट्स, बिस्कुट, नूडल्स, बर्गर, केक, मिठाई कुछ भी पकड़ा देते हैं या उसे दिलाने का वायदा करते हैं। यही नहीं, यदि बच्चे इम्तिहान में अच्छा करते हैं तो भी इसी तरह के उपहारों से उन्हें लाद दिया जाता है। यदि इतने छोटे बच्चों में मोटापा बढ़ रहा है, तो सोचें कि बड़े होकर उनका क्या होगा। वे छोटी उम्र से ही या बड़े होकर गंभीर रोगों का शिकार हो सकते हैं। वैसे भी कई दशक से बताया जा रहा है कि दुनिया भर में मोटापा महामारी की तरह फैल रहा है। लेकिन देखा गया है कि सरकारें अकसर दुविधा में फंसी नजर आती हैं। अगर वे जंक फूड की कम्पनियों पर रोक लगाती हैं, तो रोजगार पर संकट मंडराता है, यदि नहीं तो इस तरह के खाद्य पदार्थों का सेवन करने वालों की संख्या बढ़ती ही जाती है। इधर कुआं, उधर खाई। जाएं तो जाएं कहां। ■

**2016**

- **महाराष्ट्र में यह आंकड़ा 1.9 प्रतिशत था, जो अब बढ़कर 4.1 प्रतिशत हो गया है।**
- **गुजरात में यह 1.9 प्रतिशत से बढ़कर 3.9 प्रतिशत हो गया है।**

# पोस्ट कोविड मरीजों में क्लींजिंग थेरेपी

डा. पीयूष सक्सेना, भारतीय चिकित्सा पद्धति के नेचुरोपैथी विशेषज्ञ

**वैश्विक महामारी कोरोना से स्वस्थ हो चुके ७० फीसद लोगों को पोस्ट कोविड संबंधी समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। भारतीय चिकित्सा पद्धतियों में से नेचुरोपैथी चिकित्सा के जरिए अब आयुष मंत्रालय के साथ ही अन्य एजेंसियां भी फेफड़े, गुर्दा, श्वसन तंत्रिकाओं के साथ ही आंतों में सूजन, चेस्ट संक्रमण जैसे आम समस्याएं पोस्ट कोविड मरीजों में देखी जा रही है। क्लींजिंग थेरेपी ऐसे मरीजों के लिए वरदान साबित हो रही है।**

**बीमारी की वजह-** बढ़ते प्रदूषण, पैरासाइट और अनियमित जीवनशैली को तमाम बीमारियों को जड़ माना जाता है। पोस्ट कविड मरीजों को ज्यादा क्षमता वाली दवाओं की हैवी डोज दी गई। इनके चलते शरीर में टॉक्सिंस जमा होते रहते हैं, जिससे शरीर के अंग सही ढंग से काम नहीं कर पाते और हम बीमार हो जाते हैं। अगर इन टॉक्सिंन को शरीर से बाहर निकाल दिया जाए तो करीब 90 फीसद स्वास्थ्य समस्याओं का इलाज हो जाता है। शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकालने की ये प्रक्रिया क्लींजिंग थेरेपी है। क्लीजिंग थेरेपी से में प्रतिदिन इस्तेमाल की चीजों के कभी-कभी सेवन से शरीर के अंदरूनी अंगों की सफाई की जाती है। इसमें परहेज की जरूरत नहीं होती है। आप सब कुछ खा पी सकते हैं अैर जिंदगी का भरपूर आनद ले सकते हैं। बस समय- समय पर क्लींज भर करते रहें। इससे आप रोग ग्रस्त होने से बचे रहेंगे।

**सबसे ज्यादा दिक्कतें किडनी, लीवर, फेफड़े में-** शरीर के दो महत्वपूर्ण अंग किडनी व लिवर गंभीर रूप से प्रभावित होते हैं। परंतु इन दोनों अंगों की खूबी यह है कि ये तीन चौथाई गड़बड़ी की दशा में भी अपना काम करते रहते हैं, इसलिए हमें इनके बीमार होने का पता ही नहीं चलता है। यकृत हमारे शरीर का त्वचा के बाद दूसरा सबसे बड़ा अंग है। वयस्क व्यक्ति में इसका वजन सामान्यतः दो किग्रा. होता है। यह चौड़ाई में सामान्यतः 21-22 सेंवी, लंबाई में 15-17 सेमी और गहराई में 10-12 सेमी के बीच होता है। नर्म मुलायम लाल भूरे टिश्यूज से बना लिवर रेशेदार कैप्सूलनुमा संरचना के भीतर सुरक्षित होता है। यह पेट के दाएं ऊपरी हिस्से में स्थित होता है। यकृत का मुख्य कार्य पित्त का निर्माण करना है। यह कार्बोहाइड्रेट व नाइट्रोजनयुक्त वेस्ट प्रोडक्ट्स के मेटाबॉलिज्म यानी चयापचय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शरीर की केमिकल फैक्ट्री लिवर पाचन की तमाक जटिल प्रक्रियाओं को अंजाम दता है। यह शरीर परिवर्तित करता है। लिवर ग्लूकोज को अलग करके उसे ग्लायकोजेन में परिवर्तित कर अपने भाती संचित कर लेता है। शरीर को जब एनर्जी या ऊर्जा की आवश्यकता होती है, तब लिवर ग्लायकोजेन को पुनः ग्लूकोज में परिवर्तित करके रक्त में छोड़ देता है। यह एमिनो एसिड्स को प्रोटिंस में परिवर्तित करना है।

## केला टिक्की

अनिता घोष

**सामग्री-** कच्चा केला 4, कुट्टू का आटा एक कप, एक टुकड़ा अदरक कद्दूकस किया हुआ, धनिया पाउडर एक चम्मच, लाल मिर्च पाउडर एक चम्मच, छोटी इलायची पीसी हुई आधा चम्मच, नींबू का रस एक चम्मच, हरी मिर्च 2-3 कटा हुई, हरी धनिया एक चम्मच, सेंधा नमक स्वादानुसार, तलने के लिए घी।

**विधि-** सबसे पहले केले को उबाल लें। अब उबले हुए केले को छील कर एक बाउल में रखें। केले को मैश कर लें। अब इसमें अदरक, इलायची पाउडर डाल का अच्छी तरह मैश कर लें। अब इसमें कुट्टू का आटा, धनिया पाउडर, हरी मिर्च, हरा धनिया, लाल मिर्च पाउडर, नींबू का रस, और सेंधा नमक डाल कर अच्छी तरह गूंथ लें। अब गूंथे हुए मिश्रण से गोल गोल लोई को समान रूप में काट लें। अब बचे हुए सिंधारे के आटा से लपेट कर मनचाहा आकार की टिक्की बना लें। गैस पर कढ़ाही रखें। कढ़ाही गरम हो जाने के बाद घी गरम करें। घी गरम हो जाने के बाद एक साथ 3-4 टिकिया डालें। मीडियम आंच पर सभी टिकिया को सुनहरा होने तक उलट-पुलटकर तलें। तली हुई टिकिया को प्लेट में निकाल कर सजाएं। हरी चटनी या दही के साथ के साथ सर्व करें।

## बेसन का हलवा

**सामग्री-** 2 कप बेसन, एक कप कद्दूकस किया खोया, एक कप मिल्क पाउडर, 1 कप पीसी चीनी, दो कप दूध, एक चम्मच घी, एक चम्मच पीसी इलायची, 25 ग्राम कटे हुए ड्राई फ्रूट्स, (काजू, किशमिश, बादाम)

**विधि-** मीडियम आंच पर एक कढ़ाही रखें। कढ़ाही गरम हो जाने के बाद घी डालें। घी गरम हो जाए तो आंच को धीमी करके बेसन को भून लें फिर दूध डाल दें। जब दूध हल्का गरम हो जाए तो तो मिल्क पाउडर डाल दें। लगातार चलाते रहे। अब कद्दूकस खोया भी डाल दे। मावा मिला दूध को तब तक चलाते रहें जब तक ये गाढ़ा न हो जाए। अगर आपको लगे मिश्रण गाढ़ा नहीं है तो जरूरत के हिसाब से मिल्क पाउडर के मिश्रण को हल्की आंच पर ही भूनें ताकि ये नीचे से जल नहीं जाए। अब चीनी, ड्राई फ्रूट्स और पीसी इलायची भी मिला दे। अब इसमें कड़ाही में रखे मिश्रण को फैला कर ठंडा करने दें। तैयार हो गया स्वादिष्ट बेसन का हलवा। गरम या फ्रीज में रखकर ठंडा भी सर्व कर सकते हैं।

## टैरो

ऋचा श्रीवास्तव

२७अप्रैल-०३मई)

**मेष (21मार्च -20अप्रैल)**- स्टाफ और वित्त का प्रबंधन ढंग से करेंगे। जब चीजें मुश्किल होती हैं, तो सतर्क एवं मजबूत रहते हैं। रिश्तों को लेकर भावनाओं और अहसास की कमी है। भावनाओं को अभिव्यक्त करने की कोशिश करें। साहसिक गतिविधियों का आनंद लेंगे।

**वृषभ (21अप्रैल -21मई )**- उपलब्धियों भरा होगा। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए जो भी प्रयास करेंगे, उसमें सफलता मिलेगी। नाम और शोहरत मिलेगी। उच्च अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। कार्यों को सराहा जायेगा। यदि कोई नया व्यवसाय करना चाहते हैं तो समय अनुकूल है। पारिवारिक जीवन में मतभेद की सम्भावना है। कोई भी निर्णय जल्दबाजी में ना लें। पति पत्नी एक दूसरे के साथ समय बिताएं। प्यार और विश्वास बनाये रखें। सेहत में सुधार होगा। अपने लिए समय निकालें, योग अथवा व्यायाम करें। धार्मिक क्रिया कलापों में रूचि बढ़ेगी।

**मिथुन (22मई -21जून )**- असीम संतुष्टि महसूस करेंगे। संघर्ष के बाद भौतिक लाभ व प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। कार्यक्षेत्र में सर्वोतम प्रदर्शन करते हुए प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। नए अवसरों का स्वागत करेंगे। निजी सम्बन्ध में प्रेम विश्वास व सहयोग रहेगा। सामाजिक जीवन व्यस्त रहेगा। मनोरंजक गतिविधियों में हिस्सा लेंगे।

**कर्क (22जून-22जुलाई )**- कोई नया कार्य आरम्भ हो सकता है, इच्छाशक्ति मजबूत करें, सफलता मिलेगी। फालतू खर्चों से बचें। सेहत के प्रति सचेत रहें। योजना पर अमल कर। महत्वपूर्ण मामलों पर ध्यान दें। जीवनसाथी के साथ समय बिताएं। प्रतिष्ठा और अच्छे प्रदर्शन का मौका देगा। इष्ट मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे।

**सिंह (23जुलाई -21अगस्त )**- शारीरिक कष्ट और पीड़ा का अनुभव हो सकता है, मानसिक रूप से खुद पर बहुत दबाव डाला है, यह ब्रेक लेने और दिमाग और मांसपेशियों को आराम देने का समय है। नकारात्मक प्रभाव से लड़ना चाहिए और खुद पर विश्वास रखना चाहिए। भावनात्मक रूप से ना उलझें और व्यवहारिक निर्णय लें। लक्ष्य पर विश्वास रखें।

**कन्या (22अगस्त-23सितम्बर)**- ईगो छोड़कर परिस्थितियों के साथ तालमेल बिठाने की सख्त आवश्यकता रहेगी। प्रगति या विशेष पद की प्राप्ति के लिए थोड़ा इंतजार करना होगा। दाम्पत्य जीवन में मधुरता को बनाये रखने के लिए जीवनसाथी की भावनाओं की अनदेखी करने से बचें। सेहत के प्रति लापरवाही ना बरतें। ध्यान और योग करें। वाणी पर संयम रखें। धार्मिक कार्यों में रूचि बढ़ेगी।

**तुला (24सितम्बर-23अक्टूबर)**- प्रियजनों के साथ भावनाओं को साझा करें, यदि परिवार के सदस्यों के बीच गलतफहमी हो रही है तो उन्हें दूर करने का प्रयास करें। कार्यों और विचारों को सकारात्मक रखें और करियर को लेकर असमंजस्य में ना रहें। कोर्ट कचहरी से जुड़े मामलों में सफलता मिलने का योग है। घर अथवा वाहन खरीदने का योग बन रहा है। निर्णय लेने से पहले गहन विचार अवश्य करें।

**वृश्चिक (24अक्टूबर-22नवम्बर)**- दयालु और उदार बने रहकर प्रियजनों के और करीब जायेंगे। बच्चे लक्ष्य हासिल करने की तरफ ध्यान लगते दिखेंगे। व्यवसाय अपनी गति से आगे बढ़ेगा, संघर्ष नहीं करना होगा। अतीत को लेकर ज्यादा संवेदनशील है और कुछ स्थितियों में ज्यादा उत्साहित हो सकते है। ध्यान करें, जिससे भीतर संतुलन हासिल कर सकें। ऊर्जा और धन को बचाएं। बच्चों के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे।

**धनु (23नवम्बर-22दिसम्बर)**- भावनात्मक जीवन में स्थायित्व और स्थिरता पाएंगे। ध्यान करने और भावनाओं को लिखें और धीरे-धीरे इसके माध्यम से काम करें। करियर के नए अवसरों के लिए आंखें खुली रखें और संभावनाओं के लिए दिमाग खुला रहे। समर्थन जल्दी ही पास आएगा। पिछले निवेश से वित्तीय लाभ की अपेक्षा कर सकते हैं। सेहत में सुधार होगा।

**मकर (23दिसम्बर -20जनवरी )**- घर या बहार कहीं भी लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए अन्यथा बना बनाया काम बिगड़ सकता है। समय पर काम पूरा करने का तनाव बना रहेगा। ऐसे में काम के साथ साथ सेहत का भी ख्याल रखना होगा। किसी नयी योजना में धन निवेश करते समय सलाह अवश्य लें। खर्च पर नियंत्रण रखें अन्यथा बाद में आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

**कुम्भ (21जनवरी -19फरवरी )** - व्यापार में निर्णय परामर्श करके ही लें। धैर्य से काम लें। व्यापार में लाभ मिलेगा। आस-पास खुशियां बाटेंगे। मित्रों और परिजनों के आतिथ्य सत्कार का आनंद लेंगे। व्यावसायिक उद्यमों में सफलता के लिए महत्वाकांक्षी और दृढ़ हैं। कार्यक्षेत्र में अधिकारी का सहयोग मिलेगा। भूमि, घर, या किसी अन्य प्रापर्टी में निवेश कर सकते है जिससे लाभ होगा। सेहत के प्रति लापरवाह ना रहें।

**मीन (29 फरवरी -20मार्च )**- कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। आर्थिक तौर पर क्या कमा रहे है ओर किस प्रकार से व्यवसाय आगे बढ़ाएंगे, इस पर ध्यान रखना जरूरी है। ध्यान रखना जरूरी है की भविष्य में किसी प्रकार का षड्यंत्र न हो। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। काम से जुड़ी उलझनें हो सकती है। सावधान रहना बेहद आवश्यक रहेगा। ■

# मुसलमानों को पत्थर फेंकने के पैसे देती है बीजेपी: दिग्विजय सिंह

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि बीजेपी मुस्लिम युवाओं को पैसे देकर पत्थर चलवाती है और फिर दंगा करवाती है। दिग्विजय सिंह ने ये भी कहा कि वो इस खबर को सत्यापित नहीं कर पाएं हैं और इस दावे की जांच कर रहे हैं। दिग्विजय सिंह ने कहा कि वो बिना प्रमाण के वह किसी पर आरोप नहीं लगा रहे हैं। दिग्विजय सिंह के बयान पर पलटवार करते हुए बीजेपी नेता तुहीन सिन्हा ने कहा कि कांग्रेस मुसलमानों की हितैशी पार्टी बन गई है और अब वो हिंदू समाज को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। दिग्विजय सिंह का बयान ऐसे समय पर आया है जब रामनवमी के दौरान देश के तीन राज्यों में सांप्रदायिक झड़पें हो चुकी है वहीं दिल्ली में हनुमान जयंती के दौरान हिंसा हो चुकी है। गौरतलब है कि राम नवमी के दिन राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात में दो समुदायों के बीच सांप्रदायिक

हिंसा भड़क गई थी। मध्य प्रदेश के खरगांव में हिंसा की सबसे ज्यादा घटनाएं देखने को मिली थी। इसके अलावा बरवानी जिले के सेंधवा टाउन में भी राम नवमी के दौरान जुलूस पर पर पथराव किया गया था। खरगांव हिंसा के बाद मध्य प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान और दिग्विजय सिंह ने एक दूसरे पर आरोपों की बौछार कर दी थी। शिवराज सिंह ने कहा था कि उनका प्रशासन जब दंगाईयों पर कार्रवाई करता है जिन्होंने गरीब लोगों और पिछड़ों के घर जला दिए तो कांग्रेस के नेताओं को मिर्ची लगती है। मध्य प्रदेश में कानून व्यवस्था खराब करने की कोशिश का आरोप लगाते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा था कि दिग्विजय सिंह फर्जी तस्वीरें फैला रहे हैं जिसमें एक नौजवान भगवा झंडा लिए मस्जिद के सामने खड़ा नजर आ रहा है।

## टेंडर रिजेक्ट होने पर जब धीरूभाई अंबानी न गड़करी से कहा सरकार की क्या औकात है कि रोड़ बना सके

नई दिल्ली। राजनीति से जुड़े किस्से कई बार काफी दिलचस्प होती हैं। ऐसा ही एक किस्सा केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी ने एक कार्यक्रम के दौरान बताया। उन्होंने बताया कि कैसे धीरूभाई अंबानी ने उन्हें सड़क बनाने का चैलेंज किया था और कैसे उन्होंने उस चैलेंज को पूरा किया। ये मामला सन 1995 का है जब नितिन गड़करी मंत्री हुआ करते थे। नितिन गडकरी ने बताया कि मुंबई पूना एक्सप्रेस वे के लिए उन्होंने धीरूभाई अंबानी का टेंडर रिजेक्ट कर दिया था। नितिन गड़करी ने कहा- मुंबई-पुणे हाईवे के लिए धीरूभाई अंबानी ने 3600 करोड़ का टेंडर भेजा था जो मैने रिजेक्ट कर दिया। धीरूभाई काफी बड़े दिल के इंसान थे। उन्होंने मुझे बुलाया और वो टेंडर रिजेक्ट होने की वजह से वो काफी नाराज भी थे। मैने उनसे कहा कि आप 2 हजार करोड़ में बनाते हैं तो ये टेंडर में आपको देता हूं। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि सरकार की क्या औकात है, आप क्या रोड़ बनाएंगे? ये आपके लिए संभव नहीं है। आप बेकार जिद कर रहे हैं, अगर आप रोड़ बना लेते हैं तो मैं आपका बहुत अभिनंदन करूंगा।

# अखिलेश ही नहीं मुलायम से भी नाराज हैं शिवपाल यादव

लखनऊ। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) के प्रमुख शिवपाल यादव की भतीजे शिवपाल यादव से नाराजगी कोई नई बात नहीं है। लेकिन अब उन्होंने बड़े भाई मुलायम सिंह यादव से भी असंतोष जाहिर करना शुरू कर दिया है। सत्ता संघर्ष में बेटे अखिलेश के साथ खड़े होने के बावजूद शिवपाल अब तक मुलायम को पिता तुल्य बताते रहे हैं, लेकिन अब वह निशाना साधने से नहीं चूक रहे हैं। प्रसपा चीफ ने आजम खान को लेकर एक बार फिर मुलायम सिंह यादव पर आरोप लगा दिया है कि उन्होंने उनकी रिहाई की कोशिश नहीं की। शिवपाल यादव ने मंगलवार को एक लखनऊ में कार्यक्रम में शिरकत करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में आजम का दर्द जाहिर किया और कहा कि मुलायम सिंह यादव को उनकी रिहाई के लिए काम करना चाहिए था। उन्होंने

कहा, "आजम भाई को छोटे-छोटे केसों में लेकर, (जेल में) 26 महीने हो गए हैं, उनको परेशान किया जा रहा है। परेशानी में हैं, दिक्कत में हैं। शिवपाल यादव ने मंगलवार को एक लखनऊ में कार्यक्रम में शिरकत करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में आजम का दर्द जाहिर किया और कहा कि मुलायम सिंह यादव को उनकी रिहाई के लिए काम करना चाहिए था। उन्होंने कहा, "आजम भाई को छोटे-छोटे केसों में लेकर, (जेल में) 26 महीने हो गए हैं, उनको परेशान किया जा रहा है। परेशानी में हैं, दिक्कत में हैं। शिवपाल यादव ने इससे पहले भी कहा था कि यदि अखिलेश यादव और मुलायम सिंह यादव चाहते तो आजम खान जेल से बाहर आ सकते थे। आजम के करीबियों ने भी अखिलेश यादव पर उनके नेता की अनदेखी और उपेक्षा का आरोप लगाया है। डैमेज कंट्रोल की कोशिश के तहत अखिलेश यादव ने अपने कुछ नेताओं को सीतापुर जेल भेजा, लेकिन आजम खान ने मिलने से इनकार कर दिया।

## सरकार पहुंचेगी जनता के द्वार सीएम योगी ने मंत्रियों को दिया टास्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने नए विजन और कार्यप्रणाली के साथ सारे मंत्रियों को जिलों का दौरा करने को कह दिया है। इसके जरिए भावी कार्ययोजना के साथ सरकार जनता के द्वार पहुंचेगी। आगामी विधानसभा सत्र से पहले ही मंत्रियों को प्रदेश भ्रमण का कार्य पूरा कर लेना होगा। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को मंत्रिमंडल की बैठक में 18 मंत्रियों के समूह बना कर उनके तीन दिन के भ्रमण के लिए मंडल तय कर दिए हैं। उपमुख्यमंत्री की टीम में एक-एक राज्यमंत्री रखा गया है। शेष तीन सदस्यीय मंत्री समूह गठित किए गए हैं। भ्रमण का यह कार्यक्रम शुक्रवार से रविवार तक होगा। पहले चरण में प्रदेश भ्रमण करने के बाद मंत्री समूहों का रोटेशन प्रणाली के तहत दूसरे मंडलों की जिम्मेदारी दी जाएगी। हर टीम को एक जिले में कम से कम 24 घंटे रहना होगा। टीम का नेतृत्व कर रहे वरिष्ठ मंत्री कम से कम दो जिलों का भ्रमण करें। शेष मंत्री गणों को सुविधानुसार एक-एक जिले की जिम्मेदारी दी जाए। सीएम ने कहा कि मंत्री समूह

मंडलीय भ्रमण के दौरान एक समीक्षा बैठक करेगा। इसमें अलावा पूर्व जनप्रतिनिधियों के साथ भी बैठक करें। जन चौपाल का कार्यक्रम अवश्य करें। सीधा जनता से संवाद करें। किसी एक विकास खंड तहसील का औचक निरीक्षण करें। दलित बस्ती में सहभोज का कार्यक्रम रखें।

# थाना परिसर में पीस कमेटी की बैठक हुई सम्पन्न

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भांवरकोल स्थानीय थाना परिसर में पीस कमेटी की बैठक आज दिन बुधवार को आयोजित की गई । वर्तमान में पवित्र रमजान, ईद एवं अक्षय तृतीया के त्यौहार एक साथ 3 मई को पड़ रहा है। इनको सकुशल एंव शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने तथा आगामी त्योहारों के मद्देनजर कानून व्यवस्था को लेकर आज दिन बुधवार को एसडीएम मुहम्मदाबाद आशुतोष कुमार की अध्यक्षता एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी रवीन्द्र कुमार वर्मा की उपस्थित में क्षेत्रो से आये विभिन्न धर्मो के धर्म गुरूओ एवं पीस कमेटी के साथ सम्पन्न हुआ। बैठक में एसडीएम ने शांति एवं अमन चैन गंगा जमुनी तहजीब को बरकरार रखते हुए त्यौहारों को मनाये जाने की अपील की। उन्होने कहा कि कोई भी त्यौहार शान्तिपूर्ण एंव सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया जाता है तो उसका आनन्द समाज के सभी लोगो को प्राप्त होता है। उन्होने वँहा उपस्थित लोगो से अपील किया कि चाहे वे कोई भी धर्मावलंबी हो, किसी भी धर्म को मानने वाला हो, उसे पूरी स्वतंत्रा है कि वे

अपने-अपने मान्यताओ के अनुसार त्यौहार को मनाये, किन्तु ऐसा कोई भी काम न करे जिसकी वजह से किसी अन्य धर्मावलंबी को परेशानी हो। उन्होने अपील किया कि रमजान एंव ईद पर नमाज अदा करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखा जाये। उच्चतम न्यायालय के जो निर्देश लाउडस्पीकर के संबंध में दिए गए हैं उनका पालन किया जाये। उन्होने कहा कि लाउडस्पीकर की आवाज धार्मिक स्थल परिसर से बाहर न जाये तथा बिना अनुमति के कोई भी जुलूस या शोभा यात्रा नही निकाले जाएंगे। बिना अनुमति के कोई भी शोभायात्रा, धार्मिक जुलूस निकालने पर पाबंदी रहेगी, साथ ही नियमों का उल्लंघन किए जाने पर संबंधित के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में कार्रवाई की जाएगी।

आज की इस बैठक में थानाध्यक्ष वागीश विक्रम सिंह, एस.आई. ओंमकार तिवारी, प्रमोद गुप्ता, बृजेश मिश्रा, विकास सिंह, फैसल अंसारी, जुबेर अहमद, अबरार अहमद, मोहम्मद शमशुल हक, फखरे आलम, अब्दुल सुभान जाफर, रामदुलार यादव, राजेन्द्र कुमार आदि काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

## गाजियाबाद में कोरोना ने पकड़ी तेजी, 24 घंटों में सामने आए 17 बच्चों समेत कोरोना के 75 नए केस

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में कोरोना संक्रमण की रफ्तार तेज हो गई है। गाजियाबाद में पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 75 नए मामले सामने आए हैं। स्कूलों में कोरोना संक्रमण के मामले सामने आने के बाद से चिंताएं बढ़ गई हैं। बुधवार को एक बार फिर 17 बच्चों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है। इससे अभिभावक परेशान हो गए हैं। स्कूल और शैक्षणिक संस्थानों में कोरोना संक्रमण पर काबू करने के लिए गाइडलाइन जारी करने के बाद भी इस पर प्रभावी नियंत्रण नहीं लग पा रहा है। इसको लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। कोरोना संक्रमण का फैलाव एनसीआर के इलाके में लगातार हो रहा है। गाजियाबाद में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बुधवार को 75 मामले आने से पहले मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग की ओर से 5 छात्रों और एक शिक्षक समेत 28 लोगों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि की गई थी। 25 संक्रमितों के कोरोना को मात देने की पुष्टि की गई थी। वहीं, पिछले 24 घंटों में 53 लोगों ने कोरोना को मात दी है। फिलहाल गाजियाबाद में कोरोना संक्रमण के 298 एक्टिव केस हैं, इनमें से एक मरीज अस्पताल में भर्ती हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार मंगलवार को 0 से 12 वर्ष आयु वर्ग में 5, 13 से 20 आयु वर्ग में 3, 21 से 40 वर्ग में 9, 41 से 60 वर्ग में 9 के अलावा 60 से अधिक आयु वर्ग में 2 लोग कोरोना संक्रमण की चपेट में आए हैं। जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ। आरके गुप्ता ने कहा कि कोरोना का संक्रमण बढ़ता जा रहा है और इसमें बच्चे भी संक्रमित हो रहे हैं।

## इलेक्ट्रिक वाहनों में आग लगने को लेकर गडकरी ने फिर दिया बयान

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर में हाल में आग लगने की घटनाओं के बीच केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कंपनियों से गड़बड़ी वाले वाहनों को वापस मंगाने को लेकर तुरंत कदम उठाने का आग्रह किया। मार्च, अप्रैल और मई में पारा चढ़ने के साथ इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बैटरी में कुछ समस्या होती है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा कि देश की इलेक्ट्रिक व्हीकल इंडस्ट्री ने अभी काम करना शुरू किया है तथा सरकार उनके लिए कोई बाधा पैदा नहीं करना चाहती। उन्होंने कहा, "लेकिन सरकार के लिये सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है और मानव जीवन के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता।" हाल के दिनों में इलेक्ट्रिक वाहनों में आग लगने की कुछ घटनाओं के बाद उनका बयान मायने रखता है। इन घटनाओं में कुछ लोगों की मौत हो गयी जबकि कुछ गंभीर रूप से जख्मी हुए।

# हमारे सोलर सिस्टम के चार ग्रह आसमान में करेंगे परेड, करीब 1000 साल बाद दिखेगा यह दुर्लभ नजारा

नई दिल्ली। इस हफ्ते आकाश में एक दुर्लभ नजारा देखने को मिलेगा। करीब 1000 साल के बाद हमारे सोलर सिस्टम के चार ग्रह आसमान में परेड करेंगे। दूसरे शब्दों में शनि, मंगल, शुक्र और बृहस्पति एक सीध में नजर आएंगे। अगर आसमान साफ रहा तो इन्हें सीधे आंखों से भारत में भी देखा जा सकेगा। सूर्योदय से एक घंटा पहले इस अनोखे दृश्य के गवाह आप भी बन सकते हैं। खगोल विज्ञानियों के मुताबिक, इससे पहले ऐसा दृश्य 947 एडी में दिखा था।

भुवनेश्वर के पठानी सामंता प्लेनेटेरियम के डिप्टी डायरेक्टर शुभेंदु पटनायक ने बताया कि अप्रैल 2022 के अंतिम सप्ताह में शुक्र, मंगल, बृहस्पति और शनि की आकाश में पूर्व की तरफ एक दुर्लभ और अनोखी परेड होने वाली है। सूर्योदय से लगभग एक घंटे पहले ये आसमान में दिखने लगेंगे। इन ग्रहों की आखिरी ऐसी परेड लगभग 1,000 साल पहले 947 ईस्वी में हुई थी। उन्होंने बताया कि 27 अप्रैल से सूर्योदय से एक घंटा पहले चार ग्रह बृहस्पति, शुक्र, मंगल और शनि के साथ चंद्रमा पूर्वी क्षितिज से 30 डिग्री के भीतर बिल्कुल सीधी रेखा में दिखाई देगा। इन्हें दूरबीन से या उसके बिना भी देखा जा सकेगा। 30 अप्रैल को सबसे चमकीले ग्रह शुक्र और बृहस्पति एक साथ बहुत करीब दिखेंगे। शुक्र ग्रह बृहस्पति के 0.2 डिग्री दक्षिण में नजर आएगा। पटनायक ने बताया कि प्लैनेट परेड आमतौर पर तीन तरह की होती है। हालांकि इस दुर्लभ नजारे की कोई वैज्ञानिक परिभाषा नहीं है, लेकिन खगोल विज्ञान में इसका इस्तेमाल उस घटना को दशार्ने के लिए होता है, जब सौर मंडल के ग्रह आकाश के एक ही क्षेत्र में एक लाइन में आते हैं। पहली तरह की प्लेनेट परेड वो होती है, जिसमें तीन ग्रह सूर्य के एक तरफ दिखते हैं। ऐसा नजारा आम होता है और साल में कई बार देखा जा सकता है। इसी तरह, साल में एक बार चार ग्रह एक सीध में आते हैं। हर 19 साल में 5 ग्रह एक लाइन में दिखते हैं। सभी आठ ग्रह 170 साल में एक बार एक सीध में नजर आते हैं। उन्होंने बताया कि दूसरी तरह की ग्रहों की परेड उसे कहा जाता है, जब कुछ ग्रह एक ही समय में आकाश के एक छोटे से क्षेत्र में दिखाई देते हैं। ऐसी प्लेनेट परेड आखिरी बार 18 अप्रैल 2002 और जुलाई 2020 दिखी थी, जब सौर मंडल के वे सभी ग्रह जो नग्न आंखों से देखे जा सकते हैं, शाम के समय एक पंक्ति में नजर आए थे। पटनायक ने बताया कि तीसरी तरह की प्लेनेट परेड दुर्लभ होती है। अप्रैल के आखिर में आसमान में दिखने वाला नजारा इसी तरह की कैटिगरी में आता है।

## उत्तराखंड में वनाग्नि 20 घंटे बाद भी जंगल की आग पर काबू नहीं, बुझाने को उतरी सेना

नई दिल्ली। उत्तराखंड में गर्मी बढ़ने के साथ ही जंगल में आग लग रही है। सरला छानी के निकट छावनी परिषद के जंगल में लगी भीषण आग बीस घंटे के बाद भी काबू नहीं हो सकी है। मंगलवार को आग के बड़े क्षेत्र में फैल जाने पर एसडीआरएफ और सेना के जवानों ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका है। जिस जंगल में आग लगी है, उसके ऊपर सेना की एक यूनिट है। इसलिए सेना के जवान भी एसडीआरएफ के साथ आग पर काबू पाने के लिए उतर गए। सेना अपने पानी के टैंकरों और फायर फाइटिंग उपकरणों से आग बुझाने का प्रयास कर रही है। कैंट बोर्ड के प्रभारी रेंजर अमित साहू का कहना है कि रात से ही कैंट कर्मी, एसडीआरएफ, वन कर्मी, सेना के जवान और स्थानीय निवासी आग बुझाने में लगे हैं। आग पर काफी हद तक काबू पा लिया गया है। कितना नुकसान हुआ है अभी बता पाना संभव नहीं है।

## नई कॉर्पोरेट पॉलिसी में राज्यों ने की एफडीआई लाने की मांग, कहा बोर्ड मेंबर के लिए तय हो उम्र की सीमा

नई दिल्ली। नई कॉर्पोरेट पॉलिसी के लिए राज्य सरकारों ने केंद्र को कई सारे अहम सुझाव दिए हैं। इसके तहत बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए सहकारी क्षेत्र, खास कर प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पीएसीएस) में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति देने की मांग रखी गई है। इसके साथ ही सहकारी समितियों में बोर्ड के सदस्यों के लिए ऊपरी आयु सीमा 70 वर्ष निर्धारित करने का भी सुझाव दिया गया है। नई सहकारी नीति पर ये सुझाव दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान दिए गए। इसका आयोजन 12-13 अप्रैल को दिल्ली में किया गया था। सहकारिता मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि एफडीआई का सुझाव हरियाणा से आया, जबकि महाराष्ट्र ने आयु सीमा की सिफारिश की थी। सम्मेलन के दौरान, हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद ने सुझाव दिया कि सहकारी समितियों के संसाधनों और बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए एफडीआई की अनुमति दी जानी चाहिए। कहा जा रहा है कि एफडीआई राज्यों में सहकारी बुनियादी ढांचे के विस्तार को बढ़ावा दे सकता है। खासकर कोल्ड चेन नेटवर्क, जो फलों और सब्जियों और डेयरी उत्पादों के भंडारण, परिवहन और संरक्षण के लिए आवश्यक है। मंत्रालय के अनुसार करीब 8.54 लाख सहकारी समितियां हैं। इनमें 95,000 पैक्स शामिल हैं, जो कि ग्रामीण स्तर पर क्रेडिट और गैर-क्रेडिट दोनों तरह की सोसायटी हैं। वर्तमान में, केवल 63,000 पीएसी चालू हैं। महाराष्ट्र के प्रतिनिधियों ने सहकारी समितियों के बोर्ड मेंबर के सदस्यों के लिए 70 वर्ष की ऊपरी आयु सीमा का सुझाव दिया। वर्तमान में, ऐसी कोई आयु सीमा नहीं है और ये सुझाव शासन सुधारों के उद्देश्य से है। मंत्रालय के अनुसार, महाराष्ट्र में देश में सबसे ज्यादा सहकारी समितियां हैं। अखबार के मुताबिक यूपी के अधिकारियों ने सुझाव दिया कि सहकारी समितियों के संसाधन आधार के विस्तार के लिए पैक्स के पास उपलब्ध भूमि का लाभ उठाया जा सकता है।

## भगवाधारी महंत दास को ब्रह्मदंड के साथ नहीं मिली ताजमहल में एंट्री

आगरा। अयोध्या की तपस्वी छावनी के महंत परमहंस दास को ताजमहल में एंट्री नहीं दी गई। सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें ब्रह्मदंड के साथ अंदर जाने से मना किया और कहा कि वे बिना ब्रह्मदंड के अंदर जाएं। वापसी में उन्हें ब्रह्मदंड सौंप दिया जाएगा, लेकिन परमहंस दास ब्रह्मदंड के साथ ही अंदर प्रवेश करना चाहते थे। इस बारे में परमहंस दास ने वीडियो वायरल कर बताया कि जब वह एंट्री कर रहे थे, तब वहां मौजूद स्टाफ ने उनको रोक दिया और कहा कि आप भगवा कपड़े पहने हैं, इसलिए आपकी एंट्री नहीं होगी। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि विशेष मजहब के लोगों को यहां ज्यादा महत्व दिया जाता है। परमहंस दास ने बताया कि ताजमहल का इतिहास गलत पढ़ाया जा रहा है और यह ताजमहल नहीं बल्कि भगवान शिव का मंदिर है और इसको तेजो महालय कहा जाता है। एएसआई के अधीक्षण पुरातत्वविद राजकुमार पटेल ने बताया कि ताजमहल में प्रवेश के लिए नियम तय हैं।

# बाढ़ नियंत्रण से संबंधित सभी तैयारियां समय से पूर्व पूरा करें : जिलाधिकारी

मऊ। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अरुण कुमार की अध्यक्षता में बाढ़ नियंत्रण की तैयारियों को लेकर बाढ़ स्टीयरिंग ग्रुप की बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता सिंचाई से जनपद में बाढ़ नियंत्रण को लेकर चल रही परियोजनाओं की प्रगति एवं इस वर्ष बाढ़ नियंत्रण को लेकर बाढ़ से पूर्व की गई तैयारियों की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में घाघरा एवं तमसा नदी के कारण हर वर्ष वर्षा के दिनों में जनपद के घोसी एवं मधुबन तहसील ज्यादा प्रभावित होते हैं। अतः इन तहसीलों में समय रहते सारी तैयारियां अवश्य पूर्ण कर ली जाए, साथ ही जनपद के अन्य बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में भी तैयारियां पहले ही पूरी कर ली जाए। उन्होंने अधिशासी अभियंता सिंचाई एवं समस्त उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि संयुक्त टीम बनाकर अपने तहसील क्षेत्र में सर्वाधिक बाढ़ क्षेत्रों का स्थलीय परीक्षण कर एक सप्ताह के अंदर कार्य योजना तैयार कर लें। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता सिंचाई को जनपद के चार अति संवेदनशील बाँधो के यथा शीघ्र मरम्मत करा लेने एवं खाली सीमेंट की बोरियों का पर्याप्त स्टॉक रखने के निर्देश दिए, जिससे बाढ़ के दौरान तटबन्धों के कटाव की स्थिति को

रोकने में मदद मिल सके। उन्होंने समस्त उप जिलाधिकारियों से उनके क्षेत्रों में बाढ़ चैकियों एवं बाढ़ शरणालय की स्थितियों की जानकारी भी ली। समस्त ईओ को निर्देशित करते हुए जिलाधिकारी ने नगरीय क्षेत्रों में जलजमाव की स्थिति होने पर जल निकासी के लिए पहले से ही पूरी तैयारी करने को कहा। उन्होंने बाढ़ के दौरान कार्य करने वाली जनपद, तहसील एवं ग्रामीण स्तरीय समितियों के गठन एवं उनके सक्रियता बढ़ाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में गोताखोरों की सूची बना लें, जिससे बाढ़ के दौरान आवश्यकता पड़ने पर उनसे संपर्क बनाने में आसानी रहे। स्वास्थ्य एवं पशुपालन विभाग को निर्देशित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि बाढ़ के दौरान इंसानों एवं पशुओं में फैलने वाले संक्रामक रोगों से बचाव हेतु पर्याप्त मात्रा में दवाएं एवं टीको का स्टॉक रखें। जिलाधिकारी ने समस्त उप जिलाधिकारी को बाढ़ के दौरान अतिरिक्त सजकता से कार्य करने को कहा जिससे बाढ़ का अलर्ट जारी होने पर संबंधित क्षेत्रों से लोगों को निकालकर बाढ़ के दौरान होने वाले जान माल के नुकसान से बचाव किया जा सके। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी राम सिंह वर्मा, अपर जिलाधिकारी भानु प्रताप सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक, मुख्य चिकित्सा अधिकारी एसएन दुबे, परियोजना निदेशक, अधिशासी अभियंता सिंचाई, अधिशासी अभियंता जल निगम एवं समस्त उपजिलाधिकारी, समस्त खंड विकास अधिकारी, समस्त तहसीलदार, समस्त ईओ सहित अन्य सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

## मई व जून में सुबह 7 बजे से खुलेगी न्यायालय

मऊ। उच्च न्यायालय इलाहाबाद के अनुपालन में सिविल कोर्ट सेन्ट्रल बार एसोसिएशन, मऊ से आख्या आहूत की गयी। महामंत्री सिविल कोर्ट सेन्ट्रल बार एसोसिएशन, मऊ द्वारा यह सर्वसम्मति से निर्णय लेकर प्रस्ताव पारित किया गया कि माह मई व जून-2022 में न्यायालय/कार्यालय का कार्यावधि माह मई व जून में समय सुबह 07 बजे से अपरान्ह 01 बजे तक कर दिया जाए। अतः उच्च इलाहाबाद के अनुपालन में जनपद न्यायालय मऊ माह मई व जून 2022 में प्रातःकालीन कार्यालय का समय सुबह 06.30 से अपरान्ह 01.30 बजे तक तथा न्यायालय का समय सुबह 07 बजे से अपरान्ह 01 बजे का निर्धारित किया जाता है। भोजनावकाश पूर्वान्ह 10.30 बजे से 11 बजे का होगा।

# लाखों की लागत से बना सार्वजनिक शौचालय अपनी बदहाली पे बहा रहा आंसू

मधुबन, मऊ। विकासखंड फतेहपुर मंडाव ग्राम पंचायत काठतराव में भारत सरकार की स्वच्छता अभियान के अंतर्गत बनाए गए सार्वजनिक शौचालय अपनी बदहाली पर आसू बहा रहा है। इसी तरह सरकार की अनेक योजनाएं कागजों की शोभा बढ़ा रही है, कुछ इसी तरह का वाक्या काठतराव में बने सार्वजनिक शौचालय की स्थिति को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि स्वच्छता अभियान वास्तव में धरातल पर कितना कारगर साबित हो रहा है। इस सार्वजनिक शौचालय के पास लगे हैंडपंप सो पीस बन कर रह गया है क्योंकि इससे पानी नही निकलता है। शौचालय के अंदर की स्थिति देखने से या पता चलता है कि यहां पर कभी कोई साफ सफाई हुई ही नहीं साफ सफाई के अभाव में यह कूड़े का ढेर बन चुका है, कहा तक

स्वच्छता अभियान को गति मिलेगी बल्कि भ्रष्टाचार में लिप्त लोगो द्वारा उक्त शौचालय से संबंधित हर महीने आवंटित धन राशि गमन कर दी जाती है। ऐसे में सरकार की प्रतिष्ठित योजना स्वच्छता अभियान फाइलों में बंद होकर रह गया। उक्त शौचालय की सफाई एवं देख रेख के लिए दो लोगों की नियुक्त की गई। नाम ना छपने के नाम पर ग्रामीणों ने बताया कि यहां पर देख रेख की तो बात अलग है कभी इस शौचालय के पास इन लोगो का दर्शन तक नही हुआ है।

## आईपीएल पाइंट टेबल

| टीम | मैच | जीते | हारे | अंक |
|---|---|---|---|---|
| राजस्थान | 8 | 6 | 2 | 12 |
| गुजरात | 7 | 6 | 1 | 12 |
| हैदराबाद | 7 | 5 | 2 | 10 |
| लखनऊ | 8 | 5 | 3 | 10 |
| बेंगलोर | 9 | 5 | 4 | 10 |
| पंजाब | 8 | 4 | 4 | 8 |
| दिल्ली | 7 | 3 | 4 | 6 |
| कोलकाता | 8 | 3 | 5 | 6 |
| चेन्नई | 8 | 2 | 6 | 4 |
| मुंबई | 8 | 0 | 8 | 0 |

ऑरेंज कैप

जोस बटलर

499 रन

राजस्थान रॉयल्स

पर्पल कैप

युजुवेन्द्र चहल

18 विकेट

राजस्थान रॉयल्स

## खबर संक्षेप

### चर्चिल ब्रदर्स ने राजस्थान यूनाइटेड को 2-1 से हराया

**नैहाटी (पश्चिम बंगाल)।** चर्चिल ब्रदर्स ने आई-लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के दूसरे चरण के मैच में मंगलवार को यहां राजस्थान यूनाइटेड को 2-1 से हराकर लगातार पांचवें मैच में जीत दर्ज की। मैच के आखिरी समय में चर्चिल की टीम 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही थी लेकिन उसने राजस्थान को बराबरी करने का मौका नहीं दिया और पूरे तीन अंक हासिल किये। कॉमरन टुरसुनोव ने मैच के 23वें मिनट में चर्चिल के लिए खाता खोला जबकि मध्यांतर के ठीक पहले तारीफ अखंड के आत्मघाती गोल से टीम की बढ़त दोगुनी हो गयी। निंगथौजम प्रीतम सिंह ने 68वें मिनट में राजस्थान के लिए गोल कर स्कोर को 1-2 कर दिया। चर्चिल के क्वान को दिखाया लाल कार्ड चर्चिल के क्वान गोम्स को स्टॉपेज समय (90+3 मिनट) में लाल कार्ड मिलने के कारण मैदान से बाहर जाना पड़ा।

### एशियाई खेलों के लिए 18 सदस्यीय टीम का ऐलान

**नई दिल्ली।** भारतीय ईस्पोटर्स महासंघ ने एशियाई खेलों के लिये 18 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी। ईस्पोटर्स का इन खेलों में पदार्पण होने वाला है। ईएसएफआई की आठ दिवसीय राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के बाद टीम चुनी गई। ईस्पोटर्स 2018 एशियाई खेलों में नुमाइशी खेल था लेकिन 10 से 25 सितंबर तक हांगझोउ में होने वाले खेलों में यह पदक स्पर्धा के रूप में शामिल होगा।

### 'खेलो इंडिया युवा खेलों-2021' का आयोजन 4 से 13 जून तक

**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने मंगलवार को कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण कई बार स्थगित किए गए खेलो इंडिया युवा खेलों-2021' का आयोजन राज्य में चार से 13 जून तक किया जाएगा। इसका आयोजन राज्य के पंचकूला के अलावा शाहबाद, अंबाला, चंडीगढ़ और दिल्ली में होगा। उन्होंने कहा कि इन खेलों में करीब 8,500 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। खट्टर ने कहा कि आयोजन के लिए दो-तीन बहुउद्देशीय हॉल, 'सिंथेटिक ट्रैक', 'एथलेटिक ट्रैक' का निर्माण किया गया है।

### महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान एल्वेरा का निधन

**बेंगलुरू।** भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान एल्वेरा ब्रिटो का मंगलवार को यहां बढ़ती उम्र से जुड़ी समस्याओं के कारण निधन हो गया। वह 81 बरस की थी। एल्वेरा ने आस्ट्रेलिया, श्रीलंका और जापान के खिलाफ भारत का प्रतिनिधित्व किया। अल्वेरा 1965 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित होने वाली सिर्फ दूसरी महिला हॉकी खिलाड़ी बनी थी। उनसे पहले एने लुम्सडेन (1961) को अर्जुन पुरस्कार से नवाजा गया था। हॉकी इंडिया ने एल्वेरा के निधन पर शोक जताया है।

## राजस्थान रॉयल्स के पराग, अश्विन और कुलदीप सेन ने दिखाया कमाल

# जीत का 'सिक्सर' राजस्थान रॉयल्स ने बैंगलोर को हराकर टॉप पर किया कब्जा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

पुणे। रियान पराग की तेजतर्रार अर्धशतकीय पारी के बाद अपने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बूते राजस्थान रॉयल्स ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को 29 रन से हरा दिया। राजस्थान की आईपीएल 2022 में यह छठी जीत है। संजू सैमसन की अगुआई वाली राजस्थान की टीम आठ मैचों में 12 अंकों के साथ अंक तालिका में टॉप पर पहुंच गई है। रॉयल चैलेंजर्स की नौ मैचों में यह छठी हार है।

बैंगलोर के कप्तान फाफ डुप्लेसी ने टॉस जीता और राजस्थान को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। राजस्थान रॉयल्स ने रियान पराग (56*) के नाबाद अर्धशतक की मदद से 8 विकेट खोकर 144 रन बनाए जिससे बैंगलोर को 145 रन का लक्ष्य मिला। पराग ने 31 गेंदों की अपनी शानदार पारी में 3 चौके और 4 छक्के जड़े। उनके अलावा कप्तान संजू सैमसन ने 27 रन का योगदान दिया। बैंगलोर के लिए पेसर मोहम्मद सिराज, जोश हेजलवुड और स्पिनर वानिंदु हसरंगा ने 2-2 विकेट झटके. वहीं, हर्षल पटेल को भी 1 विकेट मिला।

### आरआर के गेंदबाजों ने शुरू से बनाया दबदबा

राजस्थान रायल्स के गेंदबाजों ने शुरू से ही आरसीबी पर दबदबा बनाकर रखा था। ओपनिंग करने उतरे विराट कोहली का विकेट 9 रन पर गंवाने के बाद आरसीबी को 37 के स्कोर पर दो और झटके लगे। कप्तान फाफ डुप्लेसी 23 रन बनाक चलते बने। ग्लेन मैक्सवेल को अगली ही गेंद पर कुलदीप सेन ने अपना दूसरा शिकार पूरा किया। रजत पाटीदार को अश्विन ने 16 रन पर बोल्ड किया वहीं सुयश प्रभुदेसाई को अश्विन ने पराग के हाथों कैच कराया। दिनेश कार्तिक छह रन बनाकर रनआउट हो गए। शाहबाज अहमद ने 17 रन बनाए उन्हें अश्विन की गेंद पर रियान पराग ने शानदार कैच लपका। वानिंदु हसरंगा को 18 के निजी स्कोर पर कुलदीप सेन ने अपनी ही गेंद पर कैच किया। मोहम्मद सिराज 5 रन बनाकर आउट हुए। राजस्थान की ओर से आर अश्विन ने तीन और कुलदीप सेन ने चार विकेट चटकाए जबकि प्रसिद्ध कृष्णा के खाते में दो विकेट गए।

*कोहली फिर रहे फ्लॉप लेकिन कैच शानदार पकड़ा : आरसीबी के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली का बल्ला फिर नहीं चला लेकिन राजस्थान रायल्स के खिलाफ खेले गए मैच में उनका कैच चर्चा में बना हुआ है। कोहली ने इस मैच में ट्रेंट बोल्ट का कैच चीते की तरह डाइव लगाकर पकड़ा उसे देखकर हर कोई दंग रह गया।*

### स्कोर बोर्ड

| राजस्थान रॉयल्स | रन | गेंद | 4 | 6 |
|---|---|---|---|---|
| जोस बटलर का सिराज बो हेजलवुड | 08 | 09 | 1 | 0 |
| देवदत्त पडिक्कल पगबाधा बो प्रिंसिज | 07 | 07 | 0 | 1 |
| रविचंद्रन अश्विन का हर्ष बो सिराज | 17 | 09 | 4 | 0 |
| संजू सैमसन बो हसरंगा | 27 | 21 | 1 | 3 |
| मिचेल का मैक्सवेल बो हेजलवुड | 16 | 24 | 0 | 0 |
| रियान पराग नाबाद | 56 | 31 | 3 | 4 |
| हेटमायर का पगुदेसाई बो हसरंगा | 03 | 07 | 0 | 0 |
| ट्रेंट बोल्ट का कोहली बो हर्षल | 05 | 07 | 0 | 0 |
| प्रसिद्ध कृष्णा रन आउट | 02 | 05 | 0 | 0 |
| युजवेंद्र चहल नाबाद | 00 | 00 | 0 | 0 |

अतिरिक्त: 03, कुल 20 ओवर में 144/8

गेंदबाजी: शाहबाज अहमद 3-0-35-0, मोहम्मद सिराज 4-0-30-2, जोश हेजलवुड 4-1-19-2, वानिंदु हसरंगा 4-0-23-2 हर्षल पटेल 4-0-33-1, ग्लेन मैक्सवेल 1-0-4-0

| रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर | रन | गेंद | 4 | 6 |
|---|---|---|---|---|
| विराट कोहली का पराग बो कृष्णा | 09 | 10 | 2 | 0 |
| फाफ डुप्लेसी का बटलर बो सेन | 23 | 21 | 3 | 1 |
| रजत पाटीदार बो अश्विन | 16 | 16 | 0 | 1 |
| मैक्सवेल का पडिक्कल बो सेन | 00 | 01 | 0 | 0 |
| अहमद का पराग बो अश्विन | 17 | 27 | 0 | 1 |
| पगुदेसाई का पराग बो अश्विन | 02 | 07 | 0 | 0 |
| दिनेश कार्तिक रन आउट | 06 | 04 | 1 | 0 |
| वानिंदु हसरंगा का हर्ष बो सेन | 18 | 13 | 2 | 0 |
| हर्षल पटेल का पराग बो सेन | 08 | 11 | 0 | 1 |
| सिराज का सेन बो कृष्णा | 05 | 05 | 1 | 0 |
| जोश हेजलवुड नाबाद | 00 | 02 | 0 | 0 |

अतिरिक्त 11, कुल 19.3 ओवर में 115/10

गेंदबाजी : ट्रेंट बोल्ट 3-0-20-0, प्रसिद्ध कृष्णा 4-0-23-2 रविचंद्रन अश्विन 4-0-17-3, कुलदीप सेन 3.3-0-20-4 ट्रेंट मिचेल 1-0-7-0, युजवेंद्र चहल 4-0-23-0

## ऑरेंज कैप पर बरकरार है बटलर का कब्जा

### ये पांच खिलाड़ी भी दौड़ में शामिल

एजेंसी ▶▶| मुंबई

आईपीएल के इस सीजन में ऑरेंज कैप पर राजस्थान रॉयल्स के जोस बटलर का कब्जा बरकरार है। वह तीन दमदार शतक के साथ इस सीजन के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने हुए हैं।

वह आईपीएल के दूसरे हफ्ते से ही इस पोजीशन पर डटे हुए हैं। जोस बटलर इस सीजन में गजब की लय में नजर आ रहे हैं. सात मैचों में वह 81.83 की औसत और 161.51 के विस्फोटक स्ट्राइक रेट से 491 रन बना चुके हैं। उनके ईर्द-गिर्द भी कोई अन्य बल्लेबाज नहीं है।

### राहुल-धवन, पांड्या तिलक भी रेस में

बटलर के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान केएल राहुल का नंबर आता है। वह दो शतकों के साथ 368 रन बनाकर ऑरेंज कैप की दावेदारी में दूसरे स्थान पर हैं। पंजाब किंग्स के शिखर धवन भी 302 रन बनाकर ऑरेंज कैप की दौड़ में तीसरे नंबर पर हैं। इसी प्रकार हार्दिक पांड्या 295 रन तथा तिलक वर्मा 272 रन बनाकर पांचवे स्थान पर हैं।

### पर्पल कैप की रेस में टॉप 5 गेंदबाज

*पर्पल कैप की रेस में युजवेंद्र चहल 7 मैच 18 विकेट, टी नटराजन 7 मैच 15 विकेट, ड्वेन ब्रावो 8 मैच 14 विकेट, कुलदीप यादव 7 मैच 13 विकेट तथा उमेश यादव 8 मैच में 11 विकेट लेकर रेस में शामिल हैं।*

***पर्पल कैप में ड्वेन ब्रावो का जलवा :*** *चेन्नई सुपर किंग्स को भले ही मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा, लेकिन टीम के अनुभवी गेंदबाज ड्वेन ब्रावो को पर्पल कैप की रेस में काफी फायदा हुआ है। ब्रावो ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 4 ओवर में 42 रन देकर 2 विकेट हासिल किए। ब्रावो इस प्रदर्शन के बाद पर्पल कैप की लिस्ट में तीसरे नंबर पर आ गए हैं। ब्रावो के अब 8 मैचों में कुल 14 विकेट हो गए हैं।*

## मोइस कीन के गोल से यूवेंटस जीता चैंपियंस लीग में जगह बनाने के करीब

एजेंसी ▶▶| रेगियो एमीलिया

मोइस कीन के 89वें मिनट में दागे गोल की बदौलत यूवेंटस ने सोमवार को यहां सिरी ए फुटबॉल टूर्नामेंट में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए सासुओलो को 2-1 से हराकर चैंपियन्स लीग में क्वालीफाई करने का अपना दावा मजबूत किया।

स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में उतरे कीन ने अंतिम लम्हों में गोलकीपर के पैरों के बीच से गेंद को गोल में पहुंचाकर यूवेंटस को जीत दिलाई। सासुओलो को 38वें मिनट में जियाकोमो रास्पाडोरी ने बढ़त दिलाई थी लेकिन पाउलो डाइबाला (45वें मिनट) ने पहले हाफ के अंतिम लम्हों में गोल दागकर स्कोर 1-1 कर दिया।

**यूवेंटस और नेपोली के बीच एक अंक का अंतर:** इस जीत से चौथे स्थान पर चल रहे यूवेंटस और तीसरे स्थान पर चल रहे नेपोली के बीच सिर्फ एक अंक का अंतर रह गया है। टीम ने हालांकि पांचवें स्थान पर चल रहे रोमा पर आठ अंक की मजबूत बढ़त बना ली है।

### लीड्स ने क्रिस्टल पैलेस को गोल रहित बराबरी पर रोका...

**लंदन।** लीड्स ने यहां इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में क्रिस्टल पैलेस को गोल रहित बराबरी पर रोका। लीड्स ने इस ड्रॉ के साथ निचली लीग में खिसकने का खतरा झेल रही टीम पर पांच अंक की बढ़त बना ली है। पैलेस ने इस ड्रॉ के साथ लगातार तीन हार के क्रम को तोड़ा लेकिन टीम 14वें स्थान पर ही बनी हुई है। टीम ने हालांकि अंक तालिका में तीन निचली टीम पर नौ अंक की बढ़त बना रखी है। लीड्स को हालांकि अगर निचली लीग में खिसकने से बचना है तो अंतिम पांच मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा जिसमें उसकी भिड़ंत मैनचेस्टर सिटी, आर्सेनल और चेल्सी जैसी दिग्गज टीम से होनी है।

## कई खिलाड़ियों को प्लेइंग 11 में भी नहीं मिल रही जगह

# आईपीएल : करोड़ों में खरीदे गए क्रिकेटर हो रहे फ्लाप

एजेंसी ▶▶| मुंबई

आईपीएल 2022 की शुरुआत से पहले मेगा ऑक्शन कराया गया था, जहां सभी फ्रेंचाइजियों ने करोड़ों रुपए खर्च करके कई बड़े खिलाड़ियों को खरीदा था। टीमों ने इस बार कई ऐसे खिलाड़ियों पर भी करोड़ों रुपए खर्च किए जो इस सीजन में अभी तक काफी फ्लॉप रहे हैं और अब इन्हें टीम की प्लेइंग इलवेन में भी जगह नहीं मिल रही है।

### टिम डेविड

आईपीएल मेगा ऑक्शन में मुंबई टीम ने टिम डेविड को 8.25 करोड़ रुपए में खरीदा जबकि उनका बेस प्राइज 40 लाख रुपए था। टिम

डेविड अपनी कातिलाना गेंदबाजी और धाकड़ बल्लेबाजी के लिए फेमस हैं। टिम डेविड ने इस सीजन में सिर्फ 2 मैच खेले हैं और उन्होंने 6.50 की औसत से सिर्फ 13 रन बनाए है। टिम डेविड को इन दो मैचों के बाद टीम की प्लेइंग इलवेन में जगह नहीं मिली है।

### एनरिक नॉर्खिया

दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलने वाले साउथ अफ्रीका के घातक गेंदबाज एनरिक नॉर्खिया 150 किलोमीटर की स्पीड से गेंदबाजी कर सकते हैं। दिल्ली ने नॉर्खिया को 6.50 करोड़ रुपए देकर अपनी टीम के साथ जोड़ा था। नॉर्खिया को इस सीजन में सिर्फ 1 मैच खेलने का मौका मिला है और वे इसमें भी फ्लॉप रहे। इस मैच के बाद उन्हें भी टीम की प्लेइंग इलवेन से बाहर कर दिया गया।

### अब्दुल समद

सनराइजर्स हैदराबाद की फ्रेंचाइजी ने मेगा ऑक्शन से पहले केन विलियमसन के अलावा अब्दुल समद और उमरान मलिक को रीटेन कर के सभी को चौंका दिया था। समद को हैदराबाद ने 4 करोड़ रुपए में रिटेन किया था। इस सीजन में समद 2 मुकाबले ही खेले। दोनों मैचों में वे सिर्फ चार रन ही बना सके। जिसके बाद समद को भी टीम की प्लेइंग इलवेन से बाहर कर दिया गया।

## खास खबर

### एशिया चैंपियनशिप: सात्विक और चिराग की जोड़ी दूसरे दौर में

*मनीला (फिलिपीन्स)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष जोड़ी ने मंगलवार को यहां सीधे गेम में जीत के साथ बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप के दूसरे दौर में जगह बनाई। दुनिया की सातवें नंबर और यहां तीसरी वरीय भारतीय जोड़ी को अपिलुक गेटराहोंग और नातचानोन तुलामोक की थाईलैंड की जोड़ी के खिलाफ पहले दौर के मुकाबले में 21-13 21-9 की जीत के दौरान अधिक पसीना नहीं बहाना पड़ा। भारतीय जोड़ी ने 27 मिनट में जीत दर्ज की। सात्विक और चिराग अगले दौर में अकिरो कोगा और ताइची साइतो की जापान की जोड़ी से भिड़ेंगे।*

### अंडर-17 विश्व कप राष्ट्रीय शिविर के लिए खिलाड़ियों की घोषणा

जमशेदपुर। भारतीय महिला फुटबॉल टीम के मुख्य कोच थॉमस डेनेरबी ने भारत में इस साल होने वाले फीफा अंडर-17 विश्व कप की तैयारियों को देखते हुए मंगलवार को राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए 33

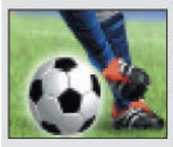

खिलाड़ियों के नाम की घोषणा की। भुवनेश्वर का कलिंगा स्टेडियम, मडगांव का जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम और नवी मुंबई का डीवाई पाटिल स्टेडियम अक्टूबर में फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप की मेजबानी करेगा। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का ड्रॉ 24 जून को ज्यूरिख में होगा। यहां एकत्रित होने वाली टीम में 12 ऐसी खिलाड़ी शामिल हैं जो इस साल सैफ अंडर-18 महिला चैंपियनशिप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थीं।

### टीकाकरण अनिवार्य नहीं, विंबलडन में खेल सकते हैं नोवाक जोकोविच

लंदन। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को कोविड-19 का टीका नहीं लगाने के बावजूद विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव करने का मौका दिया जाएगा क्योंकि ब्रिटेन में प्रवेश करने के लिये टीकाकरण आवश्यक नहीं है। बता दें कि सर्बिया के रहने वाले 34 वर्षीय जोकोविच को टीकाकरण नहीं करने के कारण इस साल जनवरी में आस्ट्रेलिया से बाहर कर दिया गया था और वह आस्ट्रेलियाई ओपन में भाग नहीं ले पाये थे। विंबडलन 27 जून से शुरू होगा।

**टीकाकरण की शर्त अनिवार्य नहीं होगी:** ऑल इंग्लैंड क्लब के मुख्य कार्यकारी सैली बोल्टन ने कहा निश्चित तौर टीकाकरण के लिये सभी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया जाएगा लेकिन यह प्रतियोगिता में भाग लेने की शर्त नहीं होगी। टूर्नामेंट की निदेशक एमिली मोरेस्मो ने पिछले महीने कहा था कि जोकोविच को पेरिस में अपने खिताब का बचाव करने से कोई नहीं रोकेगा। फ्रेंच ओपन से पहले होने वाले क्ले कोर्ट टूर्नामेंट इटालियन ओपन ने भी कहा है कि जोकोविच अगले महीने होने वाले टूर्नामेंट में खेल सकते हैं।

### इटली के कप्तान चिएलिनी राष्ट्रीय टीम से लेंगे संन्यास

*रोम। इटली के फुटबॉल टीम के कप्तान जार्जियो चिएलिनी ने एक जून को लंदन में अर्जेंटीना के खिलाफ होने वाले 'फाइनलिसिमा' मैच के बाद राष्ट्रीय टीम से संन्यास लेने की योजना बनायी है। 'फाइनलिसिमा' कॉनमबोल (दक्षिण अमेरिकी चैम्पियनशिप) और यूईएफए (यूरोपीय चैंपियनशिप) के पिछले साल के विजेताओं के बीच खेला जाता है। चिएलिनी ने पिछले साल के यूरोपीय चैम्पियनशिप के खिताब की ओर इशारा करते हुए कहा, '' अगर मैं लय में रहूंगा तो वेम्बली में खेलूंगा और राष्ट्रीय टीम को अलविदा कह दूंगा। यह वही जगह है जहां मैं अपने करियर के शीर्ष पर पहुंचा था।*

### राजस्थान के खिलाफ छह छक्के लगाने का भरोसा था लेकिन अंपायर का फैसला आखिरी है: पॉवेल

मुंबई। दिल्ली कैपिटल्स के आक्रामक बल्लेबाज रोवमैन पॉवेल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आखिरी ओवर में जीत के लिए जरूरी 36 रन बनाने की उम्मीद थी लेकिन लगातार तीन छक्के के बाद विवादित नो बॉल के बाद उनकी लय टूट गई वेस्टइंडीज का यह खिलाड़ी हालांकि अतीत के बारे में सोचने के बजाय आने वाले मैचों पर ध्यान देना चाहता है। पॉवेल ने ओबेद मैकॉय की पहली तीन गेंदों पर छक्के जड़ दिये। लेकिन तीसरी गेंद को नो-बॉल नहीं देने पर दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत अपने खिलाड़ियों को मैदान से बाहर बुलाने लगे। कोच प्रवीण आमरे इशारे से नो-बॉल चेक करने को कह रहे थे, इससे कुछ देर तक मैच रूक गया। पॉवेल ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा,

यह एक ऐसी चीज है जिसे हमें जल्दी ही पीछे छोड़ना होगा। हमें अभी बहुत सारे मैच खेलने है और अतीत में रहने का कोई मतलब नहीं है। वेस्टइंडीज के इस खिलाड़ी ने कहा, प्रतियोगिता के अगले दौर के लिए क्वालीफाई करने के लिए हमें हमेशा भविष्य की ओर देखना होगा। उन्होंने कहा, सच कहूं तो मैं काफी आश्वस्त था (एक ओवर में छह छक्के मारने को लेकर)। मुझे पहली दो गेंद के बाद लगा कि मैं ऐसा कर सकता हूं। मैं बस उम्मीद कर रहा था कि यह नो बॉल होगी, लेकिन अंपायर का फैसला अंतिम होता है और क्रिकेटर के तौर पर हमें आगे बढ़ना होता है।

# पानी की समस्या को लेकर जब बुजुर्ग बैठा भूख हड़ताल पर

प्रखर पिंडरा वाराणसी। मंगारी नेवादा स्थित पेयजल नलकूप से 15 दिनों से मोटर खराब होने से ठप जलापूर्ति पर बुर्जुग का गुस्सा भड़का और अकेले ही जा पहुचे पेयजल नलकूप और भूख हड़ताल पर बैठ गए । देखते आम लोग भी बुजुर्ग के समर्थन में उतर गए। बताते है कि उक्त नलकूप से 10 हजार से अधिक की आबादी लाभान्वित होती है लेकिन गत 15 दिनों से मोटर जलने के कारण जलापूर्ति ठप होने से ग्रामीण परेशान थे। इसी बीच पीने के पानी की समस्या से जूझ रहे मंगारी निवासी 85 वर्षीय बुजुर्ग व अखबार के हाकर रहे प्रभुनाथ गुप्ता अकेले ही पेयजल नलकूप के अधिकारियों के खिलाफ पौने 12 बजे कड़ाके के धूप में पेयजल नलकूप पहुच भूख हड़ताल पर बैठ गए। जिसकी जानकारी जब आम लोगों को हुई तो वह भी उनके समर्थन में धरने पर बैठ गए। इसके बाद इसकी सूचना 112 नम्बर को मिली तो वह बुजुर्ग को किसी तरह पानी पिलाकर उनका भूख हड़ताल खत्म कराया और समझा बुझाकर उन्हें घर लौटाया। वही इस दौरान जनता जेई और एक्सईन को फोन लगाती रही लेकिन उनका फोन नही उठा। जिससे क्षेत्र की जनता में आक्रोश दिखा। इस दौरान पप्पू सिंह बीडीसी श्याम मोहन गुप्ता, मयंक जायसवाल, विजय गुप्ता, नीलेश जायसवाल, त्रिलोकी विश्वकर्मा समेत अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

## भारत की कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सात सूत्रीय मांगों को लेकर किया धरना प्रदर्शन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भारत की कम्युनिष्ट पार्टी(मार्क्सवादी) की केरल के कुन्नूर में 6 अप्रैल से 10 अप्रैल 2022 तक 23वें अधिवेशन में महंगाई के खिलाफ में देशव्यापी विरोध करने का आह्वाहन किया गया है। इसी सम्बन्ध में प्रदेश में तीनों क्षेत्रीय कमेटियों के अंतर्गत आने वाले जिलों को अलग-अलग दिनों में विरोध करने का आह्वाहन किया गया है। इसी क्रम में भारत की कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकताओं ने बुधवार को कचहरी स्थित सरजू पांडे पार्क में सात सूत्रीय मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन किया। धरने को संबोधित करते हुए पार्टी के नेता विजय बहादुर सिंह ने कहा कि मौजूदा सरकार तानाशाही रवैया अपना कर सच्चाई का गला घोटने का कार्य कर रहीं हैं। महगाई दिन-ब-दिन बढ़ने से जहाँ लोग परेशान है वही कलम के सिपाहियों का उत्पीड़न किया जा रहा है। कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। दिन प्रति दिन महिलाओं पर अत्याचार पढता जा रहा है। बढती महगाई के कारण आम नागरिक बेहाल है। इस सरकार में अतिपिछड़ों व अल्पसंख्यकों पर लगातार हमलें हो रहें हैं आदि मागों को लेकर धरना दिया गया। आज के इस धरने में राम अवध, रणजीत, रामू, विरेंद्र, जीवधम, रानी, रविन्दर, जोगेंद्र राम, दरश जाफर, अच्छे, अफजल, एस.के. राय, नन्हकू, मुन्ना, मुलिया, राजू, इन्द्र बहादुर व गुडडू आदि मौजूद रहे।

## नाले में वृद्ध का शव मिलने से फैली सनसनी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भांवरकोल थाना क्षेत्र के फखनपुरा गांव के दक्षिण भागड नाले के पानी में बुधवार को शेरपुर खुर्द निवासी किसान रामजी राय उर्फ निठाली (60वर्ष) का शव मिलने से गांव में शोक छा गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर औपचारिकता पूरी करने के पश्चात पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार को अपराह्न रामजी राय खाना खाने के बाद साइकिल से घर से निकले और देर तक वापस नहीं लौटे। काफी खोजबीन के बाद रामजी का कुछ भी अता-पता नहीं चला। बुधवार की सुबह ग्रामीणों ने गांव के पूरब तथा फखनपुरा के दक्षिण भागड़ नाले के पास साइकिल पड़ी देखा और जब नजदीक गये तो रामजी राय का शव पानी में उतराया दीखा। धीरे धीरे भागड़ किनारे लोगों की भीड़ जमा हो गई। मौत की सूचना पाकर चौकी प्रभारी मच्छटी ओमकार तिवारी तथा उपनिरीक्षक रविप्रकाश अपने हमराहियों के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में ले लिया। उपनिरीक्षक रविप्रकाश ने बताया कि देखने से लग रहा है कि रामजी राय का पैर फिसलने के कारण वह गहरे पानी में चले गए और डूबने के कारण उनकी मौत हो गई। शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने पर ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। इस संदर्भ में उपजिलाधिकारी आशुतोष कुमार ने बताया कि जांच कराकर जो भी संभव होगा वैधानिक कदम आवश्यक उठाया जाएगा।

## मण्डलायुक्त ने विन्ध्याचल में भ्रमण कर नगर के साफ सफाई व्यवस्था का किया निरीक्षण

प्रखर मीरजापुर। मण्डलायुक्त योगेश्वर राम मिश्र ने आज प्रातः 06:45 बजे विन्ध्याचल के विभिन्न गलियो एवं सड़को का भ्रमण कर सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। कुछ गलियो एवं सड़को पर सफाई व्यवस्था अत्यन्त खराब पायी गयी, इस दौरान मण्डलायुक्त द्वारा अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका के दूरभाष पर वार्ता करनी चाही परन्तु अधिशाषी अधिकारी का लोकेशन न मिलने के कारण तथा साफ सफाई व्यवस्था सही न पाये जाने पर स्पष्टीकरण की मांग करते हुये सफाई कराने का निर्देश दिया गया। मण्डलायुक्त ने अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका को निर्देशित करते हुये कहा कि विन्ध्याचल सहित नगर के प्रत्येक क्षेत्रो में समुचित सफाई सुनिश्चित करायी जाय।

## ग्राम प्रधान संघ के जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने आशा संगिनी को छाता देकर दिलाया कड़कड़ाती धूप से राहत

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। पुर्व जिलाध्यक्ष सुजीत सिंह डॉक्टर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सेवापुरी को गोद लिए हैं उनके द्वारा शासन से प्रयास करके आशाओं को कड़ी धूप को देखते हुए सेवापुरी प्रभारी डॉक्टर यतीश भुवन पाठक से वार्ता करके स्वास्थ्य विभाग द्वारा छाता उपलब्ध कराया गया राकेश कुमार सिंह जिलाध्यक्ष प्रधान संगठन वाराणसी के हाथों से छाता देकर आशा संगिनी को उनके मनोबल का उत्साहवर्धन करते हुए सभी को वितरण किया गया जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने कहा कि सरकार जिस प्रकार जनता जनार्दन पर समय समय पर ध्यान देती रहती है उसी प्रकार से कर्मचारियों पर भी बीच-बीच में कुछ न कुछ प्रोत्साहित करते रहती है अध्यक्ष जी ने यह भी कहे कि यह आशा धूप में बरसात में ठंडक में गांव गांव में जाकर डोर टू डोर कार्य

करने में पूर्ण रुप से सहयोग प्रदान करती है मैने मेहनत को देख कर मै इनको बार-बार धन्यवाद देता हूं` जिला अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने कहा कि पूर्व जिला अध्यक्ष सुजीत सिंह डॉक्टर ने सेवापुरी को गोद लिया है इनसे भी हम बात करेंगे और सेवापुरी के विधायक नीलरतन नीलू से बातचीत करके सासन से और स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी से प्रयास करके इन लोगों को साइकिल भी दिलवाने का कार्य किया जाएगा छाता वितरित करते वक्त उपस्थित रहे। जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ,प्रभारी यतीश भुवन पाठक , प्रधान श्री सिरिहिरा सोनू सिंह , प्रधान गगन सिंह, प्रधान सुजीत सिंह ,धीरज सिंह ,गुंजन सिंह, स्वास्थ्य केंद्र के तमाम कर्मचारी सहित इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

## दबंग दलालों द्वारा रास्ते की जमीन को फर्जी ढंग से बैनामा कराकर कब्जे की फिराक में

प्रखर मिजार्पुर। जहां एक तरफ सरकार अतिक्रमण व अवैध कब्जा मुक्त करा रही है वही मिजार्पुर का एक मामला प्रकाश में आया है मिजार्पुर का एक गरीब परिवार किसी तरह अपनी बचत पूजी जमा कर अपने बच्चों के आशियाने के लिए किसी तरह एक जमीन 19 दिसंबर 2020 को लालती मिश्रा पत्नी कैलाश चंद्र मिश्रा निवासी कठवैया तप्पा 96 थाना जिगना से आराजी नंबर 119 रकबा 0.0630 हेक्टेयर में रकबा 2310 वर्ग फीट मे से 11 55 वर्ग फीट खुली जमीन स्थित मौजा फतहा में क्रय किया था और क्रय करने के उपरांत आराजी पर बाउंड्री वॉल बनवाकर चौहद्दी के अनुरूप उत्तर पूरब की तरफ गेट लगाकर काबिल दाखिल चला आ रहा है प्रार्थी ने जब उक्त जमीन का बैनामा करवाया था तो चौहदी मे उत्तर और पूर्व की तरफ 16 फीट व पश्चिम में 16 फीट का रास्ता दशार्या गया था साथ में दोनों तरफ रास्ता होने के आधार पर सरकार के द्वारा निर्धारित रास्ते का निर्धारण शुल्क नियमानुसार अदा किया था विक्रेता मालती देवी ने भी लाल बहादुर पुत्र राजेंद्र प्रसाद विजय बहादुर पुत्र कन्हैया प्रसाद प्रखंड

नाबालिग पुत्र अजय कुमार अलका पत्नी अजय कुमार क्रय करते समय दोनों तरफ 16 फिट का रास्ता रजिस्ट्री में अंकित किया गया है विगत 2 वर्षों बाद उर्मिला देवी पत्नी राजेंद्र प्रसाद निवासी मिजार्पुर व महेश चौहान पुत्र हरिश्चंद्र चौहान जोगिया बारी जितेंद्र कुमार शर्मा पुत्र रामाश्रय शर्मा छोटा सखौरा कृष्ण मुरारी पुत्र अशोक कुमार मोर्चा घर व आजाद अली पुत्र चौरासी निवासी गोसाई द्वारा संयंत्र बनाकर रास्ते की जमीन को फर्जी ढंग से बैनामा करा लिया व कब्जे की फिराक में लगे हुए हैं रास्ते में ईंट पत्थर रखते चले जा रहे हैं मना करने पर गाली गुप्ता व मारपीट करने पर आमादा हो रहे हैं प्रार्थी ने मंगलवार 26 अप्रैल 2022 को जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक कार्यालय में ज्ञापन देकर न्याय की लगाई गुहार।

## ग्रापए का 35वां प्रांतीय पत्रकार सम्मेलन 30 अप्रैल को

प्रखर अहरौरा(मिजार्पुर)। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश का 35 वां प्रांतीय पत्रकार सम्मेलन 30 अप्रैल को जनपद चित्रकूट के रामायण मेला प्रेक्षागृह मे आयोजित किया गया है।सम्मेलन के मुख्य अतिथिमाजपा प्रदेश अध्यक्ष व प्रदेश सरकार मे कैबिनेट मंत्री जल शक्ति ,सिंचाई ,लघु सिंचाई, परती भूमि विकास स्वतंत्र देव सिंह व अति विशिष्ट अतिथि उच्चतर शिक्षा आयोग के अध्यक्ष जी पी त्रिपाठी होंगे। सम्मेलन की अध्यक्षता प्रांतीय अध्यक्ष सौरभ कुमार करेंगे। संगठन के प्रदेश महासचिव महेन्द्र नाथ सिंह ने बताया कि सम्मेलन मे एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया है जिसका विषय है "भारतीय मनीषा मे लेखनी का दायित्व व संतुलन मे प्रखर राष्ट्रवाद का महत्व है"।उक्त आशय की जानकारी प्रांतीय सदस्य प्रांतीय कार्यसमिति ग्रापए हौशिला प्रसाद त्रिपाठी ने दी है।उक्त सम्मेलन मे प्रदेश के समस्त जिलाध्यक्ष ,मंडल अध्यक्ष,सहित प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य व पदाधिकारी भाग लेंगे ।

## अपने बच्चों का प्रवेश परिषदीय विद्यालयों में कराएं: संतोष कुमार तिवारी खंड शिक्षा अधिकारी ठेकमा

प्रखर गंभीरपुर /आजमगढ़। खंड शिक्षा अधिकारी ठेकमा संतोष कुमार तिवारी के कुशल निर्देशन में शिक्षा क्षेत्र ठेकमा के सभी परिषदीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय एवं प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों द्वारा बुधवार को ब्लॉक स्तरीय स्कूल चलो अभियान रैली निकाली गई । रैली को मुख्य अतिथि खंड विकाश

अधिकारी ठेकमा श्री अखिलेश मिश्र एवं खंड शिक्षा अधिकारी श्री संतोष कुमार तिवारी जी ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया ।बच्चों तथा अध्यापकों द्वारा बी आर सी ठेकमा के प्रांगण से निकलते हुए पूरे ठेकमा बाजार एवं ग्रामसभा का भ्रमण किया गया और स्कूल चलो संबंधित नारे लगाकर लोगो को जागरूक किया ।हम बच्चों का नारा है ,शिक्षा अधिकार हमारा है । मम्मी -पापा हमे पढ़ाओ ,स्कूल में चलकर नाम लिखाओ।बच्चे मांगे प्यार दो,शिक्षा अधिकार दो। पापा सुन लो विनय हमारी ,पढ़ने की है उम्र हमारी जैसे नारो से ग्रामीणो को जागरूक किया गया । समस्त ग्रामवासियों से अपील की गई कि अपने बच्चों का प्रवेश शीघ्र से शीघ्र सरकारी प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालयों में कराए ।खंड शिक्षा अधिकारी ने बताया कि शासन द्वारा नामांकन के लिए निर्धारित लक्ष्य को शत प्रतिशत प्राप्त किया जाएगा ।आज का आयोजन लक्ष्य की प्राप्ति में बहुत ही अहम होगा । सभी शिक्षक, शिक्षिकाएं, अनुदेशक, शिक्षामित्र ,रसोईया,पूरे लगन एवं परिश्रम से नामांकन का कार्य कर रहे है । इस अवसर पर जिलामंत्री जितेन्द्र राय , ब्लॉक अध्यक्ष आशुतोष सिंह , प्रमोद मौर्य, राकेश यादव , जावेद जी ,देवेन्द्र सिंह ,चंदन लल्लन यादव, निशा मिश्रा, सदाशिव तिवारी ,ओमप्रकाश यादव, गौरीशंकर, विजय कृष्ण यादव, प्रवीण कुमार, संतोष यादव सहित सैकड़ों शिक्षक ,अनुदेशक, शिक्षामित्र ,छात्र- छात्राएं उपस्थित रहे।

# के डी स्पोर्ट कराटे की गोल्डेन गर्ल नितिका यादव की गाजे बाजे के साथ हुई विदाई

### साथी खिलाड़ियों ने मानव श्रृंखला बनाकर गोल्ड मेडलिस्ट नितिका यादव की विदाई की, आप लोगो का प्यार आशीर्वाद मेरे सपनो को हमेशा पंख दिया है :नितिका यादव

प्रखर केराकत जौनपुर। हुनर किसी सुविधाओ और संसाधनों का मोहताज नही होता है। दृढ़ इच्छा और मजबूत हौसले हुनर को शिखर तक पहुंचाते है फिर चाहे भले ही वह अभावो से निकल कर क्यों ना आया हो।ऐसी ही एक होनहार खिलाड़ी जो अपने मेहनत के बदौलत गांव के गलियारों से निकलकर पी टी ऊषा एथलिस्ट एकेडमी केरला में अपनी जगह बनाने में रही सफल।हम बात कर रहे है डेहरी गांव की नितिका यादव की जो सपने में भी नही सोचा होगा की एक दिन उसे गांव से निकलकर केरला तक का सफर भी तय करना पड़ जायेगा।

बता दे कि पी टी ऊषा एथलिस्ट एकेडमी में चयन के बाद मंगलवार को लगभग 7बजे शाम को डेहरी गांव में गोल्डन गर्ल नितिका यादव के केरला जाने की खुशी में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुँचे उपनिरीक्षक विवेकानन्द सिंह और

केराकत प्रधान संघ अध्यक्ष फौजी सुभाष यादव ने बिटिया का मुंह मीठा कराया साथ ही नितिका के उज्वल भविष्य की बधाई देने साथ उपस्थित सभी खिलाडियों को नितिका यादव जैसे बनने की बात कही।कार्यक्रम में उपस्थित साथी खिलाड़ियों ने मानव श्रृंखला बनाकर गोल्ड मेडलिस्ट नितिका यादव की विदाई की शानदार विदाई देख भाउक हो उठी नितिका यादव ने कहा कि आप लोगो का प्यार आशीर्वाद ही मेरे सपनो को पंख दिया करते हैं जिसे हम कभी भी नहीं भूल सकती हूं। के डी कराटे कोच सोनू यादव ने मीडिया से बात करते हुए बताया की जब हम के डी स्पोर्ट कराटे एकेडमी चलाना शुरू किया तो मेरे पास सिर्फ 10 बच्चो की टीम थी मगर आज 100 बच्चे हमारी एकेडमी में।नितिका यादव ने जो मुकाम हासिल की उसे देकर सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है बता दे की नितिका यादव से गले मिलते ही कराटे गुरु सोनू यादव की आंखों से खुशी के आंसू झलक पड़े जिसे देख हर किसी की आंखे नम हो गई।

गौरतलब हो कि पी.टी.ऊषा एथलीट्स एकेडमी केरला में एक दिवसीय लड़कियों का चयन हेतु आयोजित ट्रायल में 11से 13 वर्ष में नितिका यादव ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन के बदौलत सफलता हासिल करते हुए पी.टी.ऊषा में एकेडमी में अपनी जगह पक्की करने में कामियाब रही। इस अवसर पर कराटे शिक्षक सोनू यादव, सिपाही अजय यादव,लालता विश्वकर्मा, शिक्षक मनीष यादव समेत तमाम ग्रामीण उपस्थित रहे।

## स्कूल चलो अभियान एवं जन चौपाल कार्यक्रम के तहत अभिभावकों से किया गया संपर्क

प्रखर ब्यूरो नगसर/गाजीपुर। शिक्षा हर देश और उसमें रहने वाले लोगो की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। जिस देश में साक्षरता ज्यादा होगी वो देश उतनी ही तरक्की करेगा। इसी को देखते हुए सरकार द्वारा स्कूल चलो अभियान पूरे देश व प्रदेश में चलाया जा रहा है। इसी क्रम में स्कूल चलो अभियान एवं जन चौपाल कार्यक्रम के तहत आज दिन बुधवार को ग्राम सभा असाव में उच्च प्राथमिक विद्यालय असाव के लिए अभिभावकों से संपर्क किया गया। चौपाल में अफ्ढ संत कुमार गुप्ता के साथ प्रधानाध्यापक संजय कुमार सिंह के साथ सहायक अध्यापक योगेश्वर यादव, अनुराग सिंह ओमप्रकाश, अनीता राय एवम संतोष कुमार सिंह का प्रयास सराहनीय रहा। आज के इस कार्यक्रम में ग्राम प्रधान श्रीप्रकाश तिवारी द्वारा गांव के बच्चों का नामांकन कराने में विशेष सहयोग रहा। जिससे गांव के दर्जनों बच्चो का नामांकन किया गया है। अभिभावकों से जन चौपाल के माध्यम से संपर्क कर परिषदीय विद्यालयों में अधिक से अधिक नामांकन हेतु प्रेरित किया गया और इस महाअभियान को सफल बनाने का आह्वान किया गया। आज के इस अभियान के द्वारा अपने ब्लॉक के साथ अपने विद्यालय के लक्ष्य को प्राप्ति हेतु पूरे मनयोग से अभियान चलाकर नामांकन किया गया। साथ ही शासन के योजनाओं के बारे में अभिभावकों को मिलने वाले सुविधाओं की जानकारी दी, जो बच्चों को निःशुल्क मिल रहा है।

## संक्षिप्त खबरें

### चिलचिलाती धूप की परवाह किए बगैर दूरदराज क्षेत्रों में शिक्षक जाकर कर रहे हैं नामांकन

प्रखर केराकत जौनपुर। प्रदेश में दोबारा सत्ता में आई प्रदेश की योगी सरकार शिक्षा को लेकर किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही बरतने के मूड में नहीं है प्रदेश भर के विद्यालयों में गाईडलाइन जारी करते हुए शत प्रतिशत नामांकन कराने के शक्त निर्देश दिए हैं इसी क्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी गोरखनाथ पटेल के शत-प्रतिशत नामांकन महाभियान के अंतर्गत खंड शिक्षा अधिकारी केराकत मुकेश कुमार के नेतृत्व में ब्लॉक केराकत के शिक्षक नामांकन लक्ष्य को पूरा करने की कोशिश में लगे रहे। स्थानीय क्षेत्र के शहाबुद्दीनपुर के खेपतपुर गाँव में उक्त के क्रम में आज प्राथमिक विद्यालय खेपतपुर के प्रधानाध्यापक सुनील कुमार यादव द्वारा दूरदराज क्षेत्रों में जाकर नामांकन महाभियान के अंतर्गत अभिभावकों से संपर्क करते हुए नामांकन में तेजी लाने का प्रयास किया गया।

### बिजली के शार्ट सर्किट से मड़हे में लगी आग पशुपालक के 3 भैंस की मौत

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। थाना क्षेत्र के सेमरा बरहो गांव के पंचायत के बनसत्ती गांव निवासी लाल बहादुर भारती के मड़हा में बिजली शार्ट सर्किट से आग लग गई जिससे पशुपालक की तीन भैंसों की मौत हो गई, वही मड़हे में रखा गृहस्थी का सामान जलकर राख हो गया। बताया जाता है कि लाल बहादुर के परिजन घर पर नही थे पास पड़ोस में घूमने गए थे आग की खबर लगते सभी जब तक पहुंचते तब तक मड़ड़ा धू धू कर जलने लगा। और मड़हे में रखा गेहूं गृहस्ती का सामान तथा मड़हे के पास बंधी 3 भैंसों की जल कर मौके पर मौत हो गई। आसपास के लोगों द्वारा बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। सूचना के काफी देर बाद फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची वही पीआरबी 112 पुलिस भी मौके पर पहुंचकर मौका मुआयना सर आवश्यक कार्रवाई में जुटी रही।

### रिंग रोड फेज- 2 बरियासनपुर में अंडर पास बनवाने की मांग को लेकर सदर तहसीलदार को दिया गया पत्रक

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। रिंग रोड फेज- 2 बरियासनपुर में अंडर पास बनवाने की मांग को सदर तहसीलदार को पत्रक दिया गया किसान नेता अशोक प्रजापति किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि बुधवार को सदर तहसील वाराणसी के तहसीलदार योगेंद्र शरण शाह और एनएच आई के अधिकारी पूरी फोर्स के साथ किसानों से मिलने के लिए सत्याग्रह स्थल पर पहुंचे किसानों की तरफ से किसान नेता अशोक प्रजापति वार्ता करते हुए कहा किय धरना का 132 वां दिन है आज तक सरकार और एनएच ए आई के लोग अंडर पास नहीं बनाएं इसलिए किसान सत्याग्रह पर आज भी जारी हैं सदर तहसीलदार ने कहा कि हां पर अंडरपास नहीं बन सकता है फुटओवर ब्रिज और किसानों को जाने के लिए एक लिंक एप्रोच मार्ग बनाया जाएगा जिससे कि आए दिन जो एक्सीडेंट हो रहा है वह समाप्त हो जाएगा इस पर किसानों से पूछा गया तो किसानों ने कहा कि हमें यह प्रस्ताव दे रहे हैं मंजूर है परंतु हमें अंडर पास भी जरूरी है जब तक अंडर पास नहीं बनाएंगे तब तक हमारा धरना चलता रहेगा ' उक्त मौके पर बृजेश कुमार पटेल ,श्याम जी, लालजी पटेल, रामकिशुन, अजय मौर्या ,राकेश पटेल,रमेश पटेल, अहिल्याबाई प्रेमलता ,गीता पटेल, उर्मिला पटेल, निर्मला देवी, पूजा देवी ,संगीता पटेल, जड़ा वती देवी इत्यादि लोग उपस्थित रहे ।

### वांछित अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। थाना क्षेत्र के वाराणसी शक्तिनगर मार्ग स्थित चुनार चौराहे पर आबकारी अधिनियम में वांछित अभियुक्त पप्पू उर्फ दिनेश हरिजन पुत्र अवधेश नारायण निवासी ग्राम बरही थाना अहरौरा को मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर लिया आरोपी पुलिस की नजर से बचते हुए कहीं भागने की फिराक में था पूर्व में 20 दिसंबर 2021 को चौकी प्रभारी इमलिया चट्टी द्वारा आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा कायम कराया गया था जिसकी विवेचना नगर चौकी प्रभारी कुंवर मनोज सिंह करते हुए उसकी क्रम में वांछित अभियुक्त की गिरफ्तारी की पुलिस ने अग्रिम कार्रवाई करते हुए वांछित अभियुक्त को जेल भेजा।

### वोट नही देने पर डीजल इंजन पंप सेट को फूंका,पीड़ित दर दर भटकने को मजबूर

#### आठ बार इंजन फूकने की तहरीर देने के बाद भी पुलिस मौन

प्रखर केराकत जौनपुर। क्षेत्र के ग्राम निहालापुर निवासी नसरुल्ला नामक बुजुर्ग के खेत मे लगे डीजल इंजन पम्प सेट को चुनावी रंजिश में आठ बार फूक दिये जाने से चचाओं का बाजार गर्म है। बताया जाता है कि नसरुल्ला ने चुनाव के दौरान अपनी इच्छा से मतदान दिये जिसे लेकर गाँव के धर्मराज यादव नाराज हो गये। चुनाव बीतने के बाद नसरुल्ला के खेत मे लगे डीजल पम्प सेट और छप्पर को फूक दिया। पीड़ित ने पुनः सीमेन्ट सीट रख दिया। एक बार फिर उसके सीमेन्ट सीट और डीजल को अराजको ने छतिग्रस्त कर दिया। सुबह घटना की जानकारी होने पर पीड़ित ने पक्की दीवार बनाकर उसपर टिन

सेट रखा कर पम्प चालू कर दिया। एक सप्ताह बीतने के बाद फिर उसके पम्पिंग सेट की दीवार और टिन सेड को रात में बुरी तरह तोड़ दिए और डीजल इंजन पर सरपत रखकर फूक दिया। जिसके चलते डीजल इंजन पम्प पूरी तरह जल गया। बार बार तहरीर देकर पीड़ित ने थाना गद्दीचौकी पुलिस से न्याय की गुहार लगायी, परन्तु चौकी पर तैनात पुलिस के पास इतना भी समय नही है कि घटनास्थल का मुआयना करने जा सके। इस सम्बन्ध में जब चौकी प्रभारी सन्तोष यादव से वार्ता किया गया तो वे जबाव देने से बचते रहे। आठ बार अपने डीजल इंजन फूंकने और तोड़ फोड़ की तहरीर पुलिस को देकर पीड़ित न्याय की गुहार लेकर दर दर की ठोकरे खाने को मजबूर है।

### गौवंश तस्करी का आरोपी गिरफ्तार

प्रखर मिजार्पुर। थाना कछवां पुलिस द्वारा गौवंश तस्करी के अभियोग से सम्बन्धित 01 अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया । दिनांक 02.02.2022 को थाना स्थानीय पर गौवंश तस्करी एक्ट के सम्बन्ध मे अज्ञात अभियुक्त के विरूद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया था तथा 11 गौवंश बरामद किया गया था । अभियुक्त का नाम प्रकाश मे आने पर आज दिनांक 27.04.2022 को थाना कछवां पर पंजीकृत उक्त अभियोग से सम्बन्धित अभियोग का विवेचनात्मक कार्यवाही करते हुए उ0नि0 राजेन्द्र प्रसाद व हमराही कर्मियों के द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर अभियुक्त जगमोहन पुत्र मखडू निवासी धरदेव थाना बबुरी जनपद चन्दौली को घर से गिरफ्तार कर जेल भेजा ।

# हर बच्चे को शिक्षित करना हमारा लक्ष्य : बीएसए

## प्रतिभाशाली छात्रों को बेसिक शिक्षा अधिकारी ने किया सम्मानित, इंग्लिश मीडियम प्राइमरी स्कूल सुल्तानपुर में निकाली गई स्कूल चलो अभियान रैली

प्रखर जौनपुर । जिले के सिरकोनी विकासक्षेत्र के इंग्लिश मीडियम प्राइमरी स्कूल में मंगलवार को स्कूल चलो अभियान के तहत विशाल रैली निकाली गई। नामांकन एवं उत्कृष्ट छात्र पुरस्कार वितरण समारोह ' का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ गोरखनाथ पटेल ने कहा कि शिक्षा सभी बच्चों का मौलिक अधिकार है और सबको शिक्षित करना हमारी प्राथमिकता । हमें यह तय करना होगा कि कोई भी बच्चा शिक्षित होने से वंचित न होने पाये। इसके लिए जिले भर के ब्लॉक क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अभियान चलाया जा रहा है। इसमें शिक्षकों के साथ सामाजिक संस्था से जुड़े लोगों की भी मदद ली जाएगी। कार्यक्रम का शुभारंभ बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ श्री पटेल ने हरी झंडी दिखाकर स्कूल चलो अभियान रैली का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात बच्चों को पुरस्कार और पुरातन छात्रों को सम्मानित किया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ गोरखनाथ पटेल ने सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन करके किया। संयोजक व विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सरिता महेंद्र सिंह द्वारा स्वागत भाषण व विद्यालय की प्रगति रिपोर्ट रखी गई । प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष संजीव सिंह के साथ अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्रम और मोमेंटो देकर किया गया। बच्चों को मुख्य अतिथि के द्वारा पुरस्कार वितरण तथा पुरातन छात्र सम्मान के पश्चात विशिष्ट अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी सिरकोनी शशांक सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि ब्लॉक के समस्त शिक्षक यह सुनिश्चित करे कि कोई भी बच्चा नामांकन से वंचित न होने पाये । विशिष्ट अतिथि के रूप में प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अरविंद शुक्ला ने कहा कि अच्छे स्कूल की पहचान अच्छे शिक्षक होते है। आज सरकारी स्कूलों में उच्च शिक्षा प्राप्त शिक्षक है। अभिभावक प्राइवेट स्कूलों की चकाचौंध की बजाय सरकारी स्कूलों पर भरोसा जताये उन्हें बेहतर परिणाम मिलेगा। संचालन सरिता महेंद्र सिंह व अतिथियो का स्वागत एवं सम्मान विद्यालय के शिक्षक पवन सिंह, शेखर श्रीवास्तव, कुसुमलता, अनीता, सीमा, नीलम, प्रेम कुमारी, वंदना सिंह निर्मला, गरिमा ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्राथमिक शिक्षक संघ के धीरेंद्र सिंह, दिनेश प्रताप सिंह, राकेश पांडेय, ग्राम प्रधान लालबहादुर यादव, प्रबंध समिति अध्यक्ष रामकीर्ति सिंह एवम अभिभावकगण उपस्थित रहे।

## शांति एवं सौहार्द के साथ मनाएं त्यौहार- संजय कुमार सिंह

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। आगामी पर्व ईद को लेकर स्थानी चौकी परिसर पर पीस कमेटी की एक आवश्यक बैठक थाना अध्यक्ष संजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई इस बैठक में दोनों समुदायों के धर्मगुरुओं समेत नागरिकों की उपस्थिति मौजूद रही, थाना अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि 1 माह के रोजे के बाद आने वाला ईद का पर्व समाज में शांति एवं सौहार्द व भाईचारे का संदेश देता है आप सभी से अपील की जाती है कि शांति व सौहार्द के साथ त्यौहार मनाए एवं दोनों समुदाय के लोगों से सुप्रीम कोर्ट के आदेश के क्रम में

लाउडस्पीकर के वॉल्यूम को कम करने की गाइडलाइन जारी होने के दोनों समुदाय के लोगों से धार्मिक स्थलों से आवाज को कम करने एवं परिसर से बाहर ना जाने की अपील करते हुए स्वार्थ कायम करने की बात कही इस बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित रहने वालों में इत्तेहादुल मुस्लिमीन कमेटी के सदर शाकिर खान बबलू, एडवोकेट असलम, मनीष केसरी उर्फ कल्लू बाबा, रिंकू सोनकर, सुरेंद्र मौर्य, मुरारी यादव, अब्दुल वहाब उर्फ कल्लू, लियाकत सिद्दीकी, अब्दुल हनीफ अंसारी, समय दोनों समुदाय के नागरिक भारी संख्या में उपस्थित रहे।

## ग्राम प्रधान नहीं ग्रामसभा के सेवक के रूप में काम करूंगा : इमामुद्दीन सिद्दीकी

प्रखर संतकबीरनगर। हमारे देश का विकास गांव के विकास से सीधे-सीधे जुड़ा है महात्मा गांधी ने कहा था भारत गावों का देश है यदि गांव की काया पलट दी जाए तो समूचे राष्ट्र का विकास संभव हो सकता है वास्तव में गांव की खुशहाली में ही देश की खुशहाली निहित है स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व गांव के विकास की ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया जिसके कारण आज भी हमारे गावों की आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से पिछड़े नजर आते हैं अब बात करते हैं हम संकबीरनगर के धनघटा विधानसभा क्षेत्र के पौली ब्लाक के अंतर्गत ग्रामसभा डिहवा प्रधान

प्रतिनिधि इमामुद्दीन सिद्दीकी पंचायत विकास को लेकर काफी तेजी से कार्य करवाया जा रहा है नाली खड़ंजा का कार्य लगभग लगभग ग्रामसभा में पूर्ण हो चुका है वही ग्राम सभा डिहवा के लोगों का कहना है इससे पहले भी हमने कई लोगों को वोट देकर उम्मीद जताई कि विकास का कार्य होगा परंतु पूर्व के प्रधानों ने विकास के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की अब निवर्तमान ग्राम प्रधान इमामुद्दीन सिद्दीकी द्वारा ,इंटरलॉकिंग खड़ंजा, सिंचाई, हेतु नाली ,निर्माण कार्य ,वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, तथा उत्तर प्रदेश सरकार एवं केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रही मनरेगा से रोजगार और जन कल्याण योजना से पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित किया जा रहा है ग्राम प्रधान प्रतिनिधि इमामुद्दीन सिद्दीकी का कहना है ग्रामसभा डिहवा के विकास के लिए सदा संकल्पित रहूंगा।

## जैन की रोजा कुशाई में सामूहिक इफ़्तार, जुटे रोजेदार

प्रखर जौनपुर। रमजान के 24 रोजे मुकम्मल होते ही कटघरा निवासी हसन मेंहदी के छोटे पुत्र सैय्यद जैन रिजवी ने भूख प्यास त्याग कर अल्लाह को राजी करने के लिए अपना पहला रोजा रखा। दिन भर जैन अल्लाह की इबादत में मशगूल रहे। ऐसे में परिवार के लोगो ने रोजा कुशाई में सामूहिक इफ्तार की दावत दी, जिसमे काफी लोगो ने शिरकत कर पहला रोजा रखने पर जैन को बधाई दी । इस मौके पर शिया धर्मगुरु मौलाना सैय्यद सफदर हुसैन जैदी ने मगरिब की नमाज अदा करायी। जिसके बाद इफ़्तार की दुआ पढ़कर पहला रोजा रखने वाले सैय्यद मोहम्मद जैन रिजवी को खजूर खिलाकर इफ़्तार कराई । मौलाना सफदर हुसैन जैदी ने कहाकि माह-ए-रमजान एकता व भाईचारगी की सीख देता है, हमें मिल जुलकर त्योहार मनाना चाहिए और हर धर्म का सम्मान

करना चाहिए । इफ्तार से आपसी मोहब्बत और भाईचारा का माहौल बनता है , इस तरह के कार्यक्रम समय-समय पर होते रहने चाहिए । मौलाना ने रोजा कुशाई के दौरान मुल्क में अमन सलामती और भाईचारे के लिए विशेष दुआ कराई । इस मौके पर सैय्यद आले हसन , सैय्यद हसन अब्बास , कैफ रिजवी , सैफ रिजवी , फाजिल सिद्दीकी , शिक्षण संस्थान के प्रबंधक नजमुल हसन नजमी , मोहम्मद मुस्तफा , माजीद खान , उस्मान , अजीज हैदर हिलाल , मेराज राईन , रूमी आब्दी , सभासद सदफ , मिर्जा रुशेद , वरिष्ठ पत्रकार आरिफ हुसैनी , सरवर रिजवी , मोहम्मद सोहराब , रिजवान आदि के साथ बड़ी संख्या में रोजेदार मौजूद रहे ।

## चन्दौली एआरटीओ ने किया स्कूली गाड़ी सीज

प्रखर चंदौली। जिले में आज सुबह ही गाजियाबाद की हादसे के बाद एआरटीओ द्वारा स्कूल वाहनों के खिलाफ अभियान चलाकर वाहनों के कागजात दुरुस्त करने तथा उनके खिलाफ कार्यवाही करने का अभियान जारी रहा। वहीं विद्यालय में जाकर चलने वाले वाहनों के खिलाफ कार्यवाही करने तथा विद्यालय प्रबंधन को फिटनेस एवं लाइसेंस युक्त गाड़ियों को चलाने का निर्देश देने का कार्य किया गया।बताते चलें कि आज सुबह ही चंदौली एआरटीओ विनय कुमार द्वारा गाजियाबाद के स्कूल बस के हादसे के बाद स्कूली वाहनों के खिलाफ अभियान चलाया गया तथा अवैध गाड़ियों के खिलाफ कार्यवाही भी की गई ।वहीं सेंट जॉन्स स्कूल के प्रधानाचार्य से मिलकर वार्ता की गई और कहा गया कि विद्यालय में आने वाली गाड़ियां पूर्ण रूप से सुरक्षित और वैध हो।इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य ने कहा कि सभी वाहन चालकों को पूर्व में भी निर्देश दिए जा चुके हैं कि अपने गाड़ियों के कागजात पुणे कराने तथा वैद्य गाड़ियों का ही विद्यालय में आवागमन रखे कि बच्चों की सुरक्षा बनी रहे। वही इस संबंध में एआरटीओ विनय कुमार द्वारा बताया गया कि विद्यालय प्रांगण में लाने वाले बच्चों की कुल 23 गाड़ियों को सीज किया गया है और सभी वाहन कमियों को तत्काल अपने गाड़ियों के कागजात पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए गए हैं। इसके साथ ही विद्यालय प्रशासन के खिलाफ कार्यवाही करने के लिए जिला अधिकारी को पत्र लिखा जाएगा।

## बारात से घर लौट रही नाबालिक के साथ छेड़खानी व मारपीट, मुकदमा दर्ज

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में बारात देख कर अपने भाई के साथ घर लौट रही नाबालिक के साथ पड़ोस गांव के युवकों ने छेड़खानी व मारपीट का मामला सामने आया। जिसपर पुलिस ने तहरीर के आधार पर छेड़खानी व पास्को एक्ट समेत अनेक धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। पीड़िता व नाबालिक लड़की ने दिए तहरीर में आरोप लगाया कि मंगलवार की रात में गांव के बगल के पुरवा खरका स्थित पटेल बस्ती से बारात देख कर अपने छोटे भाई के साथ घर जा रही थीं। तभी रास्ते मे खरका पटेल बस्ती के महेंद्र पटेल, दीपक पटेल व नंदू पटेल ने उसे जबरन खिंचकर खेत मे ले जाने लगे। लेकिन हम और मेरे भाई भिड़ गए। जिसमे तीनो ने मेरे व मेरे भाई को मारा पीटा और कपड़े फाड़ दिए। मैं किसी तरह से वहाँ से जान बचाकर भागी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर तीनों के खिलाफ 354, 323,504,506, एसटी/एससी एक्ट व पॉस्को एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया।

## जाति का बंधन आ रहा था आड़े बलुआ पुलिस ने थाने में कराई शादी

प्रखर चंदौली! बलुआ थाना क्षेत्र के शिकायतकर्ता कमलेश प्रजापति अपने पुत्री सुप्रिया प्रजापति के साथ थाना पर उपस्थित आये प्रार्थना पत्र दिये कि मेरी पुत्री बालिक है। इसकी शादी तय की जा चुकी है, किन्तु मेरी लड़की शादी करने के लिये तैयार नहीं है। लड़की कह रही है कि अगर वहां हमारी शादी किये तो मैं आत्महत्या कर लूंगी। लड़की को महिला हेल्प डेस्क के माध्यम से काउन्सिलिंग की गयी ज्ञात हुआ कि सुप्रिया प्रजापित शुभम मौर्या पुत्र श्री नारायण कुशवाहा निवासी पक्खोपुर थाना बलुआ जनपद चन्दौली से प्यार करती है तथा शुभम मौर्या भी हमसे प्यार करता है। अतः मैं शुभम से ही शादी करना चाहती है, किन्तु जाती बन्धन से दोनों परिवार राजी नहीं हो रहे है दोनों पक्षों को काफी समझाया बुझाया गया। लड़का लड़की के पिता शादी के लिये राजी हो गये थाना परिसर में लड़का, लड़की दोनों के पिता की उपस्थिति में थाना हाजा शिव मन्दिर पर दोनों ने एक दूसरे को माला पहनाकर शादी की। लड़की के पिता व लड़के के पिता ने आशीर्वाद दिये तत्पश्चात दोनों पक्ष सपरिवार मारकण्डेय महादेव शादी हेतु गये तथा दोनो पक्षों ने बताया कि हम लोग मा. न्यायालय/ रजिस्टर्ड संस्था से शादी प्रमाण पत्र प्राप्त करना सुनिश्चित किया। बलुआ थाना के प्रभारी निरीक्षक राजीव सिंह ने बताया कि लड़की एक युवक से प्रेम करती थी. उसके परिजनों ने लड़की की शादी दूसरी जगह तय कर दी थी. जिसको

लेकर वह काफी डिप्रेशन में थी, आत्महत्या तक की धमकी दे रही थी. लड़की के पिता उसे थाने में लेकर आए थे जहां पर पूरी जानकारी हुई. इसके बाद दोनों की शादी करा दी गई।

## भोजपुरी सिनेमा को दिलाई पहचान- बृजेश त्रिपाठी

### "भोजपुरी कलाकारों ने त्रिलोचन महादेव मंदिर में टेका मत्था"

प्रखर जलालपुर जौनपुर। क्षेत्र के त्रिलोचन महादेव स्थित प्राचीन व ऐतिहासिक शिव मंदिर में चल रही भोजपुरी फिल्म साक्षी शंकर के शुटींग के लिए आऐ भोजपुरी फिल्मों के गौडफादर कहे जाने वाले अभिनेता बृजेश त्रिपाठी, भोजपुरी स्टार गायक से नायक बने रितेश पाण्डेय,अभिनेत्री रिचा दीक्षित,क्षेत्रिय भोजपुरी कलाकार चन्दन सेठ,अभिनेत्री भानु पाण्डेय ने त्रिलोचन महादेव मंदिर में दर्शन-पूजन कर मत्था टेका।आप को बताते चले कि भोजपुरी सिनेमा के शुरूआती दौर से जुड़े कलाकारों की जब भी बात आती है,तो उन में सब से ऊपर एक ही नाम आता है और वे हैं भोजपुरी के सब से सीनियर कलाकार बृजेश त्रिपाठी।वे भोजपुरी सिनेमा से उस दौर से जुड़े हुए हैं,जब भोजपुरी में गिनीचुनी फिल्में ही बनती थीं। भोजपुरी सिनेमा के उस दौर से लेकर आज तक बृजेश त्रिपाठी ने सैकड़ों फिल्मों में काम कर के चरित्र कलाकार और खलनायक के रूप में अपनी अलग ही पहचान बनाई है।उन के बिना भोजपुरी की फिल्में अधूरी सी लगती हैं। भोजपुरी के गौडफादर कहे जाने

वाले बृजेश त्रिपाठी ने प्रेसवार्ता में बताया कि अपने फिल्मी कैरियर की शुरूआत 11 सितंबर, 1978 को हिंदी फिल्म टैक्सी चोर से की थी, जिस में लीड रोल में मिथुन चक्रवती थे और हीरोइन थीं जरीना वहाब।यह फिल्म साल 1980 में 29 अगस्त को रिलीज की गई थी।इस फिल्म में उन के रोल को इतना ज्यादा पसंद किया गया था कि उन्हें इस के बाद राज बब्बर के साथ दूसरी फिल्म में काम करने का मौका मिल गया था। जिस का नाम था पांचवीं मंजिल। इस फिल्म में भी जरीना वहाब ही हीरोइन थीं।उन्होने बताया इस के बाद तो मैं सिनेमा का हो कर रह गए।इस दौरान उन्हें हिंदी के धारावाहिकों और फिल्मों में काम करने का मौका मिला।लेकिन उन की सही पहचान भोजपुरी फिल्मों से हुई।उन दिनों पद्मा खन्ना भोजपुरी की बहुत बड़ी हीरोइन हुआ करती थीं।उन के सैक्रेटरी शुभकरण अग्रवाल बृजेश त्रिपाठी के बहुत अच्छे दोस्त थे।इनकी प्रमुख फिल्में-देवरा बड़ा सतावेला,मैं नागिन तू नगीना,ट्रक ड्राइवर,जीना तेरी गली में,छोरा गंगा किनारे वाला, शंहशाह, दुलारा, दुल्हन चाही पाकिस्तान से समेंत सैकड़ो सुपर हिट हिन्दी व भोजपुरी फिल्मों में अपने अभिनय का लोहा मनवा चुके हैं।क्षेत्रिय भोजपुरी कलाकार चन्दन सेठ ने कलाकारों को अगवस्त्रम् देकर सम्मानित किया।इस अवसर पर त्रिलोचन मंदिर के प्रबंधक मुरलीधर गिरि,विनय वर्मा,रामचन्दर सिंह, सोनू गिरि,संजय गिरि,संदीप अग्रहरी, समेत सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

## महाभियान नामांकन में जुटे शिक्षक

### चिलचिलाती धूप की परवाह किए बगैर दूरदराज क्षेत्रों में जाकर कर रहे हैं नामांकन

प्रखर केराकत जौनपुर। प्रदेश में दोबारा सत्ता में आई प्रदेश की योगी सरकार शिक्षा को लेकर किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही बरतने के मूड में नहीं है प्रदेश भर के विद्यालयों में गाईडलाइन जारी करते हुए शत प्रतिशत नामांकन कराने के शक्त निर्देश दिए हैं इसी क्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी गोरखनाथ पटेल के शत-प्रतिशत नामांकन महाभियान के अंतर्गत खंड शिक्षा अधिकारी केराकत मुकेश कुमार के नेतृत्व में ब्लॉक केराकत के शिक्षक नामांकन लक्ष्य को पूरा करने की कोशिश में लगे रहे। उक्त के क्रम में आज प्राथमिक विद्यालय तरियारी के सहायक अध्यापक अशोक पाल, व शिक्षामित्र ओंमकार कुमार घर-घर गांव में दूरदराज क्षेत्रों में जाकर नामांकन महाभियान के अंतर्गत अभिभावकों से संपर्क करते हुए नामांकन में तेजी लाने का प्रयास किया गया।

## संक्षिप्त खबरें

### बैंक मैनेजर को मनबढ़ युवकों ने मारपीट कर किया घायल

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बैंक से घर जा रहे बैंक मैनेजर को चार पहिया वाहन मे सवार मनबढ़ युवको ने हाइवे पर लातो, घुसो, डंडे से मारकर घायल कर दिया और मौके से फरार हो गए। घायल बैंक मैनेजर ने अज्ञात युवको के खिलाफ जंगीपुर थाने मे तहरीर दी है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दुल्लहपुर थाना क्षेत्र के मेलठी यूनियन बैंक आफ इण्डिया के मैनेजर विकास कुमार गाजीपुर शहर मे किराए के मकान मे रहते है। रोज की तरह ड्यूटी खत्म होने के बाद शाम को वो अपने दो पहिया डिस्कवर गाड़ी से गाजीपुर जा रहे थे कि जंगीपुर थाना क्षेत्र हाइवे स्थित अहिरपुरवा के पास कार सवार अज्ञात युवको ने उनको घेरकर बुरी तरह मारपीट कर घायल कर दिया और मौके से कार समेत फरार हो गए। हाइवे के राहगीरों ने इसकी सूचना जंगीपुर पुलिस को दिया। सूचना पाकर मौके पर पहुचे जंगीपुर थानाध्यक्ष अशोक मिश्रा ने बैंक मैनेजर विकास का इलाज स्थानीय बाजार मे कराया। उसके बाद बैंक मैनेजर की तहरीर के आधार पर अज्ञात बदमाशों की तलाश में जुट गए। बैंककर्मी के साथ हुए घटना की सूचना पाकर जंगीपुर थाने पर अगल बगल के युबीआई के मैनेजर व कर्मचारीयों द्वारा हमलावर युवको के गिरफ्तारी की मांग की जा रही हैं।

### गला रेतकर एक व्यक्ति की निर्मम हत्या, जांच में जुटी पुलिस

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। दिलदारनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम शेरपुर में एक व्यक्ति बदरे आलम पुत्र उम्र 45 वर्ष स्व. मोहम्मद मोबीन निवासी मोहम्मदपुर थाना जमानिया की गला रेतकर हत्या कर दी गई है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक राम बदन सिंह ने घटनास्थल पर पहुच कर निरीक्षण किया। पुलिस अधीक्षक द्वारा आसपास के लोगों से वार्ता कर घटना की जानकारी ली गई तथा मृतक के गांव आकर परिजनों से भी घटना के बारे में वार्ता किया गया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि थाना दिलदारनगर पर अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है और अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया है। जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

### मुख्तार अंसारी के साले अनवर शहजाद और सरजील रजा के नाम दर्ज 5 करोड़ 10 लाख रुपए की बेनामी संपत्ति प्रसाशन ने की कुर्क

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिलाधिकारी ने गाजीपुर पुलिस की आख्या पर विचारोंपरांत गैंगस्टर एक्ट की धारा 14(1) के अंतर्गत आईएस 191 गैंग के लीडर मुख्तार अंसारी के साले अनवर शहजाद और सरजील रजा के नाम दर्ज मोहल्ला बबेडी स्थित व्यवसायिक भूमि के कुर्की के आदेश जारी कर दिए है। उक्त आदेश के क्रम में आज दिन बुधवार 27 अप्रैल को गाजीपुर पुलिस एवं प्रशासन द्वारा उक्त भूमि की कुर्की की कार्रवाई की गई है। बताते चले कि बबेडी स्थित उक्त भूमि का क्षेत्रफल 0.3134 हेक्टेयर है एवं बाजारू मूल्य लगभग 5 करोड़ 10 लाख रुपए है। उक्त कुर्की को मिलाकर अब तक गाजीपुर पुलिस एवं प्रशासन द्वारा मुख्तार अंसारी कि लगभग 65 करोड़ की संपत्ति की कुर्की की जा चुकी है तथा मुख्तार अंसारी गैंग से सबंधित लगभग 109 करोड़ की अवैध संपत्ति का ध्वस्तीकरण किया जा चुका है।

### मुंबई श्रम उपायुक्त से मिले भारतीय जनता मजदूर संघ के पदाधिकारी

प्रखर डेस्क। भारतीय जनता मजदूर संघ की राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमती सुदीप्ति सिंह के नेतृत्व में संघ के पदाधिकारियों ने डिप्टी लेबर कमिश्नर भारत सरकार श्री तेज बहादुर जी से उनके मुंबई कार्यालय पर संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शांत प्रकाश जाटव जी की पुस्तक, पुष्पगुच्छ व अंग वस्त्र भेंट कर श्रमिकों के कल्याण हेतु चर्चा की श्री तेज बहादुर जी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि वह श्रमिकों के अधिकार के लिए आपके द्वारा लाई गई शिकायतों का तुरंत निस्तारण करेंगे और हर स्तर पर सहयोग करेंगे। यह जानकारी भारतीय जनता मजदूर संघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता रवि मिश्रा ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करके दी है।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोड: 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालय: 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोड: 233001
सम्पर्क सूत्र: 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं